सांध्य दैनिक
नई दृष्टिबिंदु
सच की शक्ति, जनता की दृष्टि
PRGI Reg No - CTHIN/25/A3746

सु-विचार

क्षमा करने से बीता हुआ समय तो नहीं बदलता, लेकिन भविष्य जरूर अच्छा हो जाता है !... ।

अज्ञात...

वर्ष-01 अंक-27 | संपादक आलोक तिवारी | दुर्ग, शनिवार 14 फरवरी 2026 | पृष्ठ 08 | मूल्य -2 रुपए,

नई दृष्टिबिंदु / भिलाई

छत्तीसगढ़ की नई शतरंज पीढ़ी को गढ़ रहे भिलाई इस्पात संयंत्र के अलंकार

भिलाई इस्पात संयंत्र केवल इस्पात उत्पादन तक सीमित नहीं रहा है, बल्कि खेल, प्रतिभा और युवा सशक्तिकरण के क्षेत्र में भी उसकी भूमिका सदैव उल्लेखनीय रही है। इसी परंपरा को आगे बढ़ाते हुए भिलाई इस्पात संयंत्र के अधिकारी एवं अंतरराष्ट्रीय स्तर पर ख्यातिप्राप्त शतरंज व्यक्तित्व अलंकार भिवगड़े आज छत्तीसगढ़ में शतरंज की एक नई और सशक्त पीढ़ी को आकार दे रहे हैं।

अलंकार भिवगड़े छत्तीसगढ़ के पहले ऐसे शतरंज विशेषज्ञ हैं, जिन्होंने अंतरराष्ट्रीय स्तर पर आर्बिटर के रूप में प्रदेश को पहचान दिलाई है। उन्हें वर्ष 2016 में फिडे ऑर्बिटर, 2018 में फिडे इंस्ट्रक्टर तथा 2019 में इंटरनेशनल ऑर्बिटर का प्रतिष्ठित खिताब प्राप्त हुआ। उन्होंने अजरबैजान (बाकू), कजाकिस्तान (अस्ताना) सहित अनेक देशों में आयोजित अंतरराष्ट्रीय प्रतियोगिताओं में निर्णायक की भूमिका निभाई है। वर्ल्ड चेस ओलंपियाड, वर्ल्ड यूथ चेस ओलंपियाड, कॉमनवेल्थ चेस चैंपियनशिप जैसे वैश्विक मंचों पर उनकी उपस्थिति ने न केवल उनकी व्यक्तिगत क्षमता को प्रमाणित किया, बल्कि छत्तीसगढ़ को भी विश्व शतरंज मानचित्र पर स्थापित किया। उनकी फिडे इंटरनेशनल रेटिंग 2152 है; जो उन्हें विश्व स्तर पर मान्यता प्राप्त शतरंज विशेषज्ञों की श्रेणी में स्थान देती है।

वर्ष 2016 से भिलाई चेस क्लब के माध्यम से अलंकार भिवगड़े भिलाई एवं छत्तीसगढ़ के बच्चों को नियमित रूप से शतरंज प्रशिक्षण प्रदान कर रहे हैं। यह चेस क्लब भिलाई इस्पात संयंत्र द्वारा प्रायोजित है, जिसके सहयोग से ग्रीष्मकालीन प्रशिक्षण शिविरों सहित वर्षभर कोचिंग गतिविधियाँ संचालित की जाती हैं। इन शिविरों में बच्चे केवल खेल की तकनीक ही नहीं, बल्कि रणनीतिक सोच, धैर्य, अनुशासन और निर्णय क्षमता जैसे जीवनोपयोगी गुण भी विकसित कर रहे हैं।

अलंकार भिवगड़े वर्ष 2007 में भिलाई इस्पात संयंत्र से जुड़े, और इसके पश्चात उनकी खेल यात्रा को संयंत्र प्रबंधन का निरंतर सहयोग प्राप्त होता रहा। अंतरराष्ट्रीय प्रतियोगिताओं में भागीदारी हो या शतरंज से जुड़ी अन्य मदद, जब भी उन्होंने सहयोग की आवश्यकता जताई, प्रबंधन ने उन्हें प्रोत्साहित किया। उनका मानना है कि संयंत्र अपने कमर्चारियों की बहुआयामी प्रतिभाओं को पहचानने और आगे बढ़ाने में विश्वास रखता है।

आज वही अनुभव, अंतरराष्ट्रीय संपर्क और ज्ञान अलंकार भिवगड़े अगली पीढ़ी को समर्पित कर रहे हैं। उनके मार्गदर्शन में प्रशिक्षण प्राप्त कर रहे अनेक बच्चे जिला, राज्य और राष्ट्रीय स्तर की प्रतियोगिताओं में उत्कृष्ट प्रदर्शन कर रहे हैं, जिससे छत्तीसगढ़ की शतरंज जगत में पहचान लगातार मजबूत हो रही है। अपनी व्यक्तिगत उपलब्धियों के साथ-साथ सामाजिक दायित्व निभाते हुए अलंकार भिवगड़े यह सिद्ध कर रहे हैं कि यदि संस्थान का सहयोग और व्यक्ति की प्रतिबद्धता साथ हो, तो किसी भी क्षेत्र में नई संभावनाओं का निर्माण किया जा सकता है। भिलाई इस्पात संयंत्र और भिलाई चेस क्लब के माध्यम से चल रहा यह प्रयास छत्तीसगढ़ को शतरंज की दुनिया में एक सशक्त आधार प्रदान कर रहा है।

खास-खबर

दुनिया को अलविदा कह गए पूर्व पार्षद परमजीत सिंह लाडी

नई दृष्टिबिंदु / भिलाई

EWS 101 वैशाली नगर निवासी, नगर निगम भिलाई के पूर्व पार्षद परमजीत सिंह लाडी का आज सुबह एम्स रायपुर में निधन हो गया वे 53 साल के थे। उनका अंतिम संस्कार रविवार 15 फरवरी को रामनगर मुक्तिधाम में किया जाएगा। वे अपने पीछे पत्नी रेणु कौर पूर्व पार्षद, पुत्री डॉ लवलीना कौर, पुत्र दशवंश सिंह सहित भरा पूरा परिवार छोड़ गए हैं। परमजीत सिंह लाडी के निधन पर पूर्व विधानसभा अध्यक्ष प्रेम प्रकाश पाण्डेय वैशाली नगर के विधायक रिकेश सेन नगर निगम के पूर्व सभापति राजेन्द्र अरोरा, दिव्या भसीन, शरद मिश्रा, पार्षद आदित्य सिंह, पूर्व जिला भाजपा अध्यक्ष पार्षद महेश वर्मा, नेता प्रतिपक्ष भोजराज सिन्हा, पार्षद स्मिता दौड़के, वीणा चंद्राकर , पार्षद संतोष मौर्या ने दुख व्यक्त करते हुए भावभीनी श्रद्धांजलि दी है।

वैलेंटाइन डे पर पुलिस अलर्ट, प्रेमियों पर रहेगी नजर

दुर्ग। जिले में वैलेंटाइन डे के अवसर पर कानून व्यवस्था बनाए रखने और आम नागरिकों की सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए पुलिस ने व्यापक तैयारियां कर ली हैं। शनिवार को जिलेभर में अतिरिक्त पुलिस बल तैनात किया गया है, ताकि किसी भी प्रकार की अवांछित गतिविधि, हुड़दंग या असामाजिक तत्वों की हरकतों पर तत्काल नियंत्रण किया जा सके। वैलेंटाइन डे को देखते हुए जिले में पुलिस अधिकारियों और थाना प्रभारियों की विशेष ड्यूटी लगाई गई है। पुलिस प्रशासन ने 1 अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक, 5 नगर पुलिस अधीक्षक, 30 थाना प्रभारियों की ड्यूटी निर्धारित की है। ये सभी अधिकारी जिले के पार्क, गार्डन, मॉल, प्रमुख बाजार, पर्यटन स्थल और अन्य भीड़-भाड़ वाले स्थानों पर तैनात हैं।

'एपस्टीन फाइल्स' में हरदीप पुरी का नाम, सियासत गरम

अमेरिकी दस्तावेजों के खुलासे के बाद संसद से सड़क तक हंगामा, मंत्री ने कहा -यह मूखर्तापूर्ण राजनीति

आलोक तिवारी / नईदिल्ली

अमेरिकी न्याय विभाग द्वारा सार्वजनिक की गई 'एपस्टीन फाइल्स' में केंद्रीय मंत्री हरदीप सिंह पुरी का नाम सामने आने के बाद देश की राजनीति में हलचल तेज हो गई है। विपक्ष ने इस मुद्दे को संसद में उठाते हुए सरकार को घेरा है, जबकि मंत्री पुरी ने आरोपों को सिरे से खारिज करते हुए इसे 'चरित्र हत्या की कोशिश' बताया है।

फाइलों में क्या सामने आया?

अमेरिकी न्याय विभाग ने फरवरी 2026 में कुख्यात अमेरिकी यौन अपराधी जेफरी एप्स्टीन से जुड़े लाखों दस्तावेज सार्वजनिक किए। इनमें 2014 से 2017 के बीच के कुछ ईमेल संवाद और बैठकों का विवरण शामिल है, जिनमें पुरी का नाम दर्ज है।

दस्तावेजों के अनुसार

नवंबर 2014 के एक ईमेल में भारत की डिजिटल अर्थव्यवस्था और निवेश संभावनाओं पर चर्चा की गई थी। न्यूयॉर्क स्थित एपस्टीन के आवास पर तीन बैठकों (फरवरी 2015, जनवरी 2016 और मई 2017) का उल्लेख है। ईमेल में लिंकडइन के संस्थापक रीड हॉफमैन को भेजे संदेश में एपस्टीन को कॉपी (CC) किया गया था। हालांकि दस्तावेजों में पुरी के खिलाफ किसी भी आपराधिक संलिप्तता का सीधा आरोप नहीं है।

पुरी का स्पष्टीकरण

मंत्री हरदीप सिंह पुरी ने संसद और मीडिया में स्पष्ट कहा कि: वे एपस्टीन से केवल 3-4 बार मिले थे। मुलाकातें इंटरनेशनल पीस इंस्टीट्यूट (IPI) के प्रतिनिधिमंडल के हिस्से के रूप में पेशेवर संदर्भ में थीं। उस समय वे मंत्री नहीं, बल्कि एक सेवानिवृत्त राजनयिक थे। जैसे ही एपस्टीन के गंभीर अपराध सार्वजनिक हुए, उन्होंने संपर्क समाप्त कर दिया। पुरी ने आरोपों को "Buffoonery" (मूखर्तापूर्ण) करार देते हुए कहा कि फाइलों में उनके खिलाफ कोई आपराधिक तत्व नहीं है।

कानूनी स्थिति

अमेरिकी न्याय विभाग की फाइलों का उद्देश्य एपस्टीन के नेटवर्क का खुलासा करना था। इन दस्तावेजों में कई अंतरराष्ट्रीय हस्तियों के नाम दर्ज हैं, पर नाम आने मात्र से आपराधिक दोष सिद्ध नहीं होता। फिलहाल हरदीप पुरी के खिलाफ किसी भी आपराधिक कृत्य का प्रत्यक्ष प्रमाण सामने नहीं आया है। मामला राजनीतिक आरोप-प्रत्यारोप तक सीमित है।

चुनावी पृष्ठभूमि में बढ़ी सियासत

विश्लेषकों का मानना है कि आगामी राजनीतिक परिदृश्य को देखते हुए यह विवाद और तेज हो सकता है। विपक्ष इसे नैतिकता और राष्ट्रीय सुरक्षा का मुद्दा बना रहा है, जबकि सरकार इसे पेशेवर नेटवर्किंग का सामान्य हिस्सा बता रही है। दस्तावेजों में नाम दर्ज है, लेकिन आपराधिक संलिप्तता का कोई प्रमाण नहीं। सवाल नैतिकता बनाम राजनीति का – फैसला जनता और समय करेगा।

विपक्ष का हमला

लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी ने इस मुद्दे को उठाते हुए सरकार से जवाब मांगा। कांग्रेस प्रवक्ता पवन खेड़ा ने सवाल किया कि 'डिजिटल इंडिया' जैसे कार्यक्रमों पर आधिकारिक लॉन्च से पहले चर्चा क्यों हुई और ईमेल में एपस्टीन को 'दोस्त' कहकर संबोधित क्यों किया गया। विपक्ष का तर्क है कि 2008 में सजायाफ्ता घोषित हो चुके व्यक्ति से संपर्क नैतिकता के प्रश्न खड़े करता है और मंत्री को पद पर बने रहने का अधिकार नहीं है।

भिलाई की जनहित भूमि को 30 वर्ष की लीज पर देने का विरोध

खेल मैदान सुरक्षित रखने की मांग, नेता प्रतिपक्ष भोजराज सिन्हा ने उठाई आवाज

नई दृष्टिबिंदु / भिलाई

प्रमुख मांगें

भिलाई नगर पालिक निगम में नेता प्रतिपक्ष भोजराज सिन्हा ने विशेष क्षेत्र विकास प्राधिकरण (SADA) के अंतर्गत जनहित के लिए सुरक्षित भूमि को 100 आवासीय एवं व्यावसायिक भूखंडों के रूप में 30 वर्ष की लीज पर देने के प्रस्ताव का कड़ा विरोध किया है। उन्होंने इसे शहर के दीघकालीन विकास और बच्चों के भविष्य के खिलाफ बताया है।

नेता प्रतिपक्ष ने कहा कि यह भूमि केवल एक भूखंड नहीं, बल्कि भिलाई के बच्चों, युवाओं और आने वाली पीढ़ियों के भविष्य से जुड़ी अमूल्य धरोहर है। शहर में पहले से ही खेल मैदानों और खुले सार्वजनिक स्थलों की कमी है। यदि उक्त भूमि का व्यावसायिक उपयोग किया गया, तो बच्चों को खेलने के लिए सुरक्षित और खुला स्थान उपलब्ध नहीं होगा, जिससे उनके शारीरिक, मानसिक और सामाजिक विकास पर प्रतिकूल प्रभाव पड़ेगा।

नेता प्रतिपक्ष ने प्रशासन के समक्ष निम्न मांगें रखी हैं– प्रस्तावित 30 वर्ष की लीज प्रक्रिया को तत्काल प्रभाव से रोका जाए। उक्त भूमि को स्थायी रूप से खेल मैदान एवं सार्वजनिक उपयोग हेतु आरक्षित घोषित किया जाए। विषय पर खुली जनसुनवाई आयोजित कर नागरिकों की सहभागिता सुनिश्चित की जाए। भूमि आवंटन से संबंधित सभी दस्तावेज एवं निर्णय सार्वजनिक किए जाएं।

जनभावनाओं का सम्मान करने की अपील

भोजराज सिन्हा ने कहा कि भिलाई के नागरिक अपने बच्चों के उज्ज्वल भविष्य और शहर के संतुलित विकास के लिए प्रतिबद्ध हैं। आवश्यकता पड़ने पर शांतिपूर्ण और लोकतांत्रिक माध्यमों से विरोध दर्ज कराया जाएगा। उन्होंने प्रशासन और महापौर से जनभावनाओं का सम्मान करते हुए प्रस्ताव पर पुनर्विचार करने और बच्चों के हित को सर्वोपरि रखने की अपील की है।

जनहित के विरुद्ध निर्णय

भोजराज सिन्हा ने कहा कि जनहित के लिए सुरक्षित भूमि को व्यावसायिक लीज पर देना शहर के संतुलित और दीघकालीन विकास के विरुद्ध है। बच्चों के लिए खेल मैदान, पार्क और सामुदायिक गतिविधियों हेतु खुले स्थान सुरक्षित रखना प्रशासन की प्राथमिक जिम्मेदारी है। उन्होंने यह भी कहा कि किसी भी भूमि उपयोग परिवर्तन से पूर्व नागरिकों की राय लेना और प्रक्रिया को पूर्णतः पारदर्शी बनाना आवश्यक है।

भ्रष्टाचार

ट्रांसपोर्टर पर चोरी का मामला दर्ज करने की मांग

बेमेतरा जिले में धान खरीदी में गड़बड़ी का आरोप सोसायटी अध्यक्षों ने कलेक्टर को सौंपा आवेदन

नई दृष्टिबिंदु / बेमेतरा

कई समिति अध्यक्षों ने कलेक्टर कार्यालय पहुंचकर धान परिवहन के दौरान कथित चोरी और मिलीभगत का आरोप लगाया है। उन्होंने शासन से मामले की निष्पक्ष जांच कर दोषियों पर सख्त कार्रवाई की मांग की है। समिति अध्यक्ष चंद्रशेखर साहू ने बताया कि धान खरीदी की शुरुआत से ही वे प्रक्रिया पर नजर रखे हुए थे। उन्होंने मुख्यमंत्री का आभार जताते हुए कहा कि शासन और अधिकारियों के सहयोग से धान खरीदी बेहतर ढंग से संपन्न हुई, लेकिन परिवहन के दौरान गंभीर अनियमितताएं सामने आईं।

रंगे हाथ पकड़े जाने का दावा

समिति अध्यक्ष ने बताया कि बीती रात सोसायटी से धान उठाने वाले एक ट्रांसपोर्टर के ड्राइवर को कथित रूप से निजी व्यापारी को धान बेचते हुए रंगे हाथ पकड़ा गया। उन्होंने दावा किया कि अध्यक्ष और प्रबंधक ने संयुक्त रूप से मौके पर पहुंचकर कार्रवाई की और मामले को उजागर किया। आरोप है कि सही मात्रा में धान सोसायटी से निकलता है, लेकिन तय स्थान तक पहुंचने से पहले रास्ते में अवैध रूप से धान उतारकर निजी दुकानदारों को बेचा जाता है।

कलेक्टर से जांच और कार्रवाई की मांग

समिति अध्यक्षों ने कलेक्टर को आवेदन सौंपकर मांग की है कि मामले की उच्चस्तरीय जांच कराई जाए तथा दोषी ट्रांसपोर्टर, ड्राइवर और अन्य संबंधित व्यक्तियों के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज कर सख्त कार्रवाई की जाए। उनका कहना है कि यदि समय रहते कार्रवाई नहीं हुई तो धान खरीदी व्यवस्था पर किसानों का भरोसा डगमगा सकता है।

300 कट्टा से 290 कैसे?

साहू ने आरोप लगाया कि सोसायटी से 300 कट्टा धान भेजे जाने के बाद गंतव्य तक पहुंचते-पहुंचते मात्रा 290 कट्टा रह जाती है। उन्होंने सवाल उठाया कि आखिर रास्ते में धान की कमी कैसे हो रही है। उन्होंने आशंका जताई कि इसमें ट्रांसपोर्टर, ड्राइवर और कुछ कमर्चारियों की मिलीभगत हो सकती है, जिससे विवाद और अविश्वास की स्थिति बन रही है।

भंडारण व्यवस्था पर भी उठे सवाल

चंद्रशेखर साहू ने बताया कि उनकी सोसायटी में कुल 86 हजार बिंट्रल धान की खरीदी की गई। प्रारंभिक दिनों में भंडारण के लिए जगह की कमी से कुछ समस्याएं उत्पन्न हुईं, लेकिन बाद में प्रशासन ने व्यवस्था सुधार दी। उन्होंने स्पष्ट कहा कि धान खरीदी की प्रक्रिया सफल रही, लेकिन परिवहन के दौरान हुई कथित चोरी ने पूरी व्यवस्था पर सवाल खड़े कर दिए हैं। समिति अध्यक्षों ने चेतावनी दी है कि यदि दोषियों पर कार्रवाई नहीं हुई तो वे आगे भी कानूनी और लोकतांत्रिक माध्यमों से अपनी आवाज उठाते रहेंगे।

कोर्ट के आदेश की अवहेलना, तोड़फोड़ कर जान से मारने की दी धमकी, अपराध दर्ज

नई दृष्टिबिंदु / भिलाई

हाईकोर्ट स्टे के बाद भी आरोपी ने सुनील जैन को जान से मारने की धमकी देकर बेदम पीटा। जमीन के मामले में हाईकोर्ट ने स्टे दिया था, लेकिन आरोपी ने कोर्ट के आदेश की अवहेलना करते हुए तोड़फोड़ की, तोड़फोड़ रोकने का प्रयास करते समय आरोपी अमित चंद्राकर पिता हिमकर चंद्राकर ने अपने साथियों के साथ सुनील जैन को बेदम पीटा और जान से मारने की धमकी देकर गाली गलौज कर न्यायालय के आदेश का अवहेलना करने का मामला सामने आया है। शिकायत पर पुलिस ने आरोपी के खिलाफ धारा 115(2),296, 351(3) के तहत जुर्म दर्ज किया है।

पुलगांव पुलिस ने बताया कि वधमान नगर शनिचरी बाजार दुर्ग निवासी सुनील जैन ग्राम कोलिहापुरी में गीता देवी चंद्राकर, प्रहलाद चंद्राकर, मोहन, हिमकर, परमेश्वर, हेमलाल, संजय के नाम पर जमीन है। जहां तीन बड़े भवन, दो गोदाम, एक गौशाला, एक पानी टंकी है। उक्त जमीन में उच्च न्यायालय बिलासपुर द्वारा किसी भी प्रकार का निर्माण व तोडफोड नहीं करने 4 जनवरी को स्टे आदेश पारित किया है। उस जमीन को गीता बाई, प्रहलाद चंद्राकर की ओर से देखरेख के लिए वसीयतनामा, आम मुख्तयारनामा के माध्यम से पावर ऑफ अटर्नी सुनील जैन को बनाया गया है।

इसके अलावा मोहन चंद्राकर, हेमलाल चंद्राकर,चितरेखा चंद्राकर द्वारा बिक्री का इकरारनामा सौदा किया है। रकम भी मिल गई है जिस कारण सुनील जैन उस जमीन का देखरेख करने व आने जाने का अधिकार रखता है। 12 फरवरी की दोपहर रमा साहू से जानकारी मिली की कुछ लोगों द्वारा कोलिहापुरी स्थित जमीन में निर्माण भवन में तोड़फोड़ कर हटाया जा रहा है। सुनील जैन ने बताया कि अमित चंद्राकर के खिलाफ अपराधिक प्रकरण दर्ज करने न्यायालय का शरण लिया जाएगा। जब न्यायालय से स्टे मिला है। बावजूद जबरन दबंगई दिखाते हुए मारपीट तोड़फोड़ किया गया।

भवन में कर रहा था तोड़फोड़

पुलिस ने बताया कि जमीन का हाईकोर्ट से स्टे होने के बाद भी स्वरूप को परिवर्तन करके न्यायालय के आदेश का अवमानना किया गया। रमा साहू, लगन जैन के साथ जाकर देखने पर नेहरू नगर निवासी अमित चंद्राकर पिता हीमकर चंद्राकर अपने कुछ साथी के साथ जमीन पर बने भवन को तोड़ कर रहे थे। जिसे लेकर सुनील ने तोड़फोड़ करने से मना करने पर अमित चंद्राकर जान से मारने की धमकी देकर गाली गलौज कर रहा था। अमित ने हाथ मुक्का व ठोस वस्तु से मारपीट किया है। मारपीट करने पर सुनील जैन के बाएं गाल, बांए पैर, बाएं कंधे में चोट आई है।

राजेंद्र पार्क महक उठेगा रंग-बिरंगे फूलों से, आज भव्य फ्लावर शो

नई दृष्टिबिंदु / दुर्ग

नगर पालिक निगम द्वारा आयोजित भव्य फ्लावर शो को लेकर तैयारियां जोरों पर हैं। शहर के प्रमुख उद्यान राजेंद्र पार्क को आकर्षक ढंग से सजाया जा रहा है। रंग-बिरंगे फूलों, साज-सज्जा एवं विशेष सजावटी पौधों से पूरा पार्क सजकर तैयार हो रहा है, जहां कल भव्य फ्लावर शो का आयोजन किया जाएगा।

आयुक्त सुमित अग्रवाल ने पर्यावरण प्रभारी काशीराम कोसरे सहित अधिकारियों और कमर्चारीयो के साथ कार्यक्रम स्थल का निरीक्षण कर तैयारियों का जायजा लिया। उन्होंने संबंधित अधिकारियों एवं कमर्चारियों को कार्यक्रम के सफल क्रियान्वयन हेतु आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। आयुक्त ने विशेष रूप से साफ-सफाई, सुरक्षा, पेयजल, प्रकाश व्यवस्था एवं आगंतुकों की सुविधा पर विशेष ध्यान देने के निर्देश दिए।

आयुक्त सुमित अग्रवाल ने कहा कि फ्लावर शो नगरवासियों के लिए आकर्षण का केंद्र होगा, इसलिए आयोजन स्थल पर सभी व्यवस्थाएं दुरुस्त रहनी चाहिए। उन्होंने अधिकारियों को समयबद्ध एवं समन्वय के साथ कार्य करने के निर्देश दिए, ताकि कार्यक्रम सफलतापूर्वक संपन्न हो सके।

नगर निगम का अमला पूरे उत्साह के साथ आयोजन को सफल बनाने में जुटा हुआ है। अनुमान है कि बड़ी संख्या में नागरिक फ्लावर शो का आनंद लेने पहुंचेंगे। आयोजित होने वाले भव्य फ्लावर शो को लेकर शहरवासियों में खासा उत्साह देखा जा रहा है। प्रतियोगिता में भाग लेने के लिए शहर क्षेत्र के अंतिम छोर से भी इच्छुक व्यक्ति अपना पंजीयन करवा रहे हैं। घर-आंगन में उगाए गए आकर्षक फूलों एवं सजावटी पौधों को प्रदर्शित करने के लिए नागरिक बढ़-चढ़कर हिस्सा ले रहे हैं।

फ्लावर शो का आयोजन शहर के प्रमुख उद्यान राजेंद्र पार्क में किया जाएगा, जहां विभिन्न श्रेणियों में प्रतियोगिताएं आयोजित होंगी। आयोजन को लेकर निगम प्रशासन द्वारा व्यापक तैयारियां की जा रही हैं। महापौर श्रीमती अलका बाघमार ने कहा कि यह फ्लावर शो केवल एक प्रदर्शनी नहीं, बल्कि पर्यावरण संरक्षण और हरियाली को बढ़ावा देने का एक सार्थक प्रयास है। उन्होंने शहरवासियों से अधिक से अधिक संख्या में सहभागिता करने एवं अपने घरों में हरियाली बढ़ाने का संदेश दिया।

पर्यावरण प्रभारी काशीराम कोसरे ने कहा कि फ्लावर शो के माध्यम से नागरिकों को प्रकृति से जोड़ने एवं स्वच्छ एवं हरित दुर्ग के निर्माण का संकल्प साकार करने का अवसर मिलेगा। उन्होंने बताया कि प्रतियोगिता में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले प्रतिभागियों को पुरस्कृत भी किया जाएगा, जिससे लोगों में पर्यावरण के प्रति जागरूकता और बढ़ेगी।

दुर्ग में समीक्षा बैठक : योजनाओं में लापरवाही पर सख्ती, सचिवों को नोटिस

दुर्ग। जिला पंचायत सभा कक्ष में बजरंग कुमार दुबे, मुख्य कार्यपालन अधिकारी, जिला पंचायत दुर्ग की अध्यक्षता में जनपद पंचायत पाटन के पंचायत एवं ग्रामीण विकास विभाग की निर्माण कार्यों एवं शासकीय योजनाओं की समीक्षा बैठक आयोजित की गई। बैठक में अनुपस्थित पाए गए ग्राम पंचायत सचिव भरर, खम्हरिया (कृ. सोंकरा), मर्रा और कौही को कारण बताओ नोटिस जारी किया गया। ग्राम पंचायत बोरिद के रोजगार सहायक भुनेश्वर प्रसाद ठाकुर की कार्य में लापरवाही के कारण सेवा समाप्ति की कार्यवाही के निर्देश दिए गए। कौही ग्राम पंचायत सचिव के निलंबन हेतु प्रस्ताव तथा भरर और मर्रा सचिवों के एक दिन के वेतन कटौती के निर्देश मुख्य कार्यपालन अधिकारी, जनपद पंचायत पाटन को दिए गए।

बैठक में बताया गया कि ग्राम पंचायतों में केंद्र और राज्य पोषित योजनाओं के तहत विभिन्न अधोसंरचना निर्माण कार्य स्वीकृत किए जाते हैं। ग्राम संपदा ऐप के माध्यम से ग्राम पंचायत की सीमाओं के भीतर उपलब्ध चल और अचल संपत्तियों की जीआईएस आधारित जियो-फेंसिंग जानकारी संकलित की जाती है, ताकि निर्माण कार्यों की वास्तविक जानकारी रियल-टाइम में प्राप्त हो सके। समर्थ पंचायत पोर्टल ग्राम पंचायतों के स्वयं के कर और गैर-कर राजस्व की मैपिंग एवं ई-भुगतान की सुविधा प्रदान करता है, जिससे राजस्व संग्रह बढ़ाने में मदद मिलती है। बैठक में अटल डिजिटल सेवा केंद्रों की समीक्षा भी की गई।

समीक्षा बैठक में ग्राम संपदा ऐप, समर्थ पोर्टल, अटल डिजिटल सेवा केंद्र, विभिन्न पेंशन योजनाएं और महतारी वंदन योजना के भुगतान और ट्रांजैक्शन प्रक्रियाओं की भी विस्तृत समीक्षा की गई। अधिकारियों को हितग्राहियों को समय पर लाभ सुनिश्चित करने हेतु आवश्यक दिशा-निर्देश दिए गए। प्रधानमंत्री आवास योजना (ग्रामीण) के संबंध में मुख्य कार्यपालन अधिकारी ने जनपद पंचायत पाटन को 784 आवासों में से 239 पूर्ण होने पर नाराजगी व्यक्त की और शेष 545 आवासों को समय सीमा में पूर्ण करने हेतु प्रति दिवस लक्ष्य निर्धारित करने के निर्देश दिए। अप्रारंभ और अपूर्ण आवासों के लिए सप्ताह में तीन दिन भौतिक निरीक्षण कर कार्य प्रारंभ और पूर्ण कराने के आदेश भी दिए गए। इस अवसर पर मुख्य कार्यपालन अधिकारी, जनपद पंचायत पाटन, समस्त एडीईओ, उप अभियंता, कार्यक्रम अधिकारी, तकनीकी सहायक, मनरेगा कर्मी, पंचायत सचिव एवं रोजगार सहायक उपस्थित रहे।

विकसित भारत 2047 के लक्ष्य के लिए 'पंच से पार्लियामेंट' तक जीत का आह्वान - जम्वाल

भारतीय जनता पार्टी की जिला स्तरीय संगठनात्मक बैठक संपन्न

नई दृष्टिबिंदु / दुर्ग

भारतीय जनता पार्टी की नवीन कार्यकारिणी एवं विस्तार घोषणा के पश्चात जिला स्तरीय संगठनात्मक बैठक का आयोजन जिला भाजपा कार्यालय में क्षेत्रीय संगठन महामंत्री अजय जम्वाल की मुख्य उपस्थिति में संपन्न हुआ। बैठक में भाजपा राष्ट्रीय उपाध्यक्ष सरोज पांडेय, दुर्ग संभाग प्रभारी एवं प्रदेश उपाध्यक्ष जगन्नाथ पाणिग्रही, दुर्ग जिला संगठन प्रभारी एवं प्रदेश उपाध्यक्ष नंदन जैन, कैबिनेट मंत्री गजेंद्र यादव, जिला भाजपा अध्यक्ष सुरेंद्र कौशिक, प्रदेश मंत्री जितेंद्र वर्मा सहित अनेक पदाधिकारी एवं कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

बैठक को संबोधित करते हुए अजय जम्वाल ने कहा कि सभी पदाधिकारियों को संगठनात्मक दायरे में रहकर अपने दायित्वों का निर्वहन करना होगा। उन्होंने कहा कि अगली बार सरकार पूर्ण बहुमत से बने, इसके लिए अभी से बूथ स्तर तक संगठन को मजबूत करने की आवश्यकता है। प्रत्येक पदाधिकारी को अपने क्षेत्र में सक्रिय रहकर संगठनात्मक संरचना को सुदृढ़ करना होगा।

उन्होंने स्पष्ट कहा कि कोई भी ऐसा कार्य न किया जाए जिससे पार्टी की छवि को नुकसान पहुंचे। राष्ट्रवाद को सवोपरि रखते हुए—पहले राष्ट्र, फिर पार्टी और उसके बाद स्वयं—इस भाव से कार्य करने का आह्वान किया। सोशल मीडिया के उपयोग में सजगता बरतने पर भी जोर देते हुए उन्होंने कहा कि प्रत्येक पोस्ट और साझा की गई सामग्री पार्टी एवं सरकार की सकारात्मक छवि को मजबूत करने वाली हो।

अजय जम्वाल ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में केंद्र सरकार तथा मुख्यमंत्री विष्णु देव साय की राज्य सरकार की योजनाओं से हर घर लाभांवित हुआ है। कार्यकर्ताओं का दायित्व है कि वे हितग्राहियों से संपर्क कर योजनाओं की फीडबैक लें और सुझाव वरिष्ठ नेतृत्व तक पहुंचाएं।

उन्होंने विकसित भारत 2047 के लक्ष्य को दोहराते हुए कहा कि इस संकल्प को पूर्ण करने के लिए पंच से लेकर पार्लियामेंट तक हर चुनाव जीतना आवश्यक है। इस लक्ष्य की प्राप्ति से भारत पुनः विश्व गुरु और आत्मनिर्भर राष्ट्र के रूप में स्थापित होगा।

बैठक की अध्यक्षता करते हुए जिला भाजपा अध्यक्ष सुरेंद्र कौशिक ने संगठनात्मक विस्तार एवं आगामी कार्ययोजना का विस्तृत विवरण प्रस्तुत किया। बैठक का संचालन जिला महामंत्री दिलीप साहू ने किया तथा आभार प्रदर्शन जिला महामंत्री विनोद अरोरा ने किया। बैठक में विभिन्न मोर्चा एवं प्रकोष्ठों के पदाधिकारी, मंडल अध्यक्ष, जनप्रतिनिधि एवं बड़ी संख्या में कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

भुइयां पोर्टल से होगी पूरी प्रक्रिया ऑनलाइन

नई दृष्टिबिंदु / दुर्ग

जिले में राजस्व प्रशासन को अधिक पारदर्शी, सरल और समयबद्ध बनाने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम उठाया गया है। अब अविवादित नामांतरण तथा अविवादित बंटवारा से संबंधित कार्यों के अधिकार राजस्व विभाग के साथ-साथ ग्राम पंचायतों को भी प्रदान कर दिए गए हैं। इससे ग्रामीण स्तर पर ही लोगों के कार्य शीघ्रता से निपटाए जा सकेंगे। इस नई व्यवस्था के तहत अविवादित नामांतरण एवं अविवादित बंटवारा की संपूर्ण प्रक्रिया ऑनलाइन माध्यम से भुइयां पोर्टल के जरिए संपन्न की जाएगी। संबंधित ग्राम पंचायतों को इसके लिए अलग-अलग आईडी और पासवर्ड प्रदान किए गए हैं, ताकि ग्राम पंचायत स्तर पर ही आवेदन प्राप्त करने से लेकर प्रक्रिया पूर्ण करने तक का कार्य सुचारू रूप से किया जा सके।

इसी क्रम में आज जिले की सभी ग्राम पंचायतों को आईडी एवं पासवर्ड उपलब्ध कराते हुए प्रशिक्षण कार्यक्रम का आयोजन किया गया। यह प्रशिक्षण साईस कॉलेज स्थित सर्वपल्ली राधाकृष्णन हाल में आयोजित किया गया। प्रशिक्षण में पटवारी एवं ग्राम पंचायत सचिवों को भुइयां पोर्टल के संचालन, ऑनलाइन प्रक्रिया एवं रिकॉर्ड अपडेट करने की विस्तृत जानकारी दी गई। लोक सेवा केन्द्र से होगा आवेदन- अब आवेदक अपने नजदीकी लोक सेवा केन्द्र के माध्यम से आवेदन दर्ज करा सकेंगे। विशेष रूप से फौती नामांतरण (मृत्यु उपरांत नामांतरण) एवं अविवादित बंटवारा की प्रक्रिया ऑनलाइन की जाएगी। लोक सेवा केन्द्र में आवेदन दर्ज होते ही संबंधित ग्राम पंचायत सचिव की आईडी में प्रकरण दिखाई देगा।

ईश्तहार और नोटिस अनिवार्यतां-फौती नामांतरण के मामलों में सचिव द्वारा ईश्तहार जारी किया जाएगा। ईश्तहार जारी करने के बाद उसे पंचायत भवन में चस्पा कराया जाएगा तथा संबंधित पक्षकारों को विधिवत तामील कराया जाएगा। निर्धारित प्रक्रिया के अनुसार 23 दिनों की प्रतीक्षा अवधि रखी जाएगी। इस दौरान यदि कोई आपत्ति प्राप्त होती है तो नियमानुसार कार्यवाही की जाएगी। यदि निर्धारित समयावधि में कोई आपत्ति नहीं आती है, तो आगे की कार्यवाही करते हुए नामांतरण की प्रक्रिया पूर्ण की जाएगी।

"नेशनल लोक अदालत की तैयारियों को लेकर हुई बैठक

नई दृष्टिबिंदु / दुर्ग

आगामी नेशनल लोक अदालत 14 मार्च 2026 के सफल एवं व्यापक आयोजन के उद्देश्य से जिला विधिक सेवा प्राधिकरण, दुर्ग द्वारा विभिन्न ग्रामों के सरपंचों की एक महत्वपूर्ण बैठक जिला एवं सत्र न्यायालय के नवीन सभागार में आयोजित की गई। बैठक की अध्यक्षता एवं संचालन सचिव, जिला विधिक सेवा प्राधिकरण, दुर्ग द्वारा किया गया।

बैठक में यह विशेष रूप से रेखांकित किया गया कि ग्राम स्तर पर सरपंच प्रारंभिक एवं अत्यंत महत्वपूर्ण कड़ी के रूप में कार्य करते हैं। ग्राम पंचायतें स्थानीय विवादों, राजस्व प्रकरणों, पारिवारिक मतभेदों, बैंक ऋण संबंधी मामलों, विद्युत एवं जलकर बकाया, मोटर दुर्घटना दावा प्रकरणों तथा धारा 138 परक्राम्य लिखत अधिनियम से संबंधित प्रकरणों की प्रथम जानकारी का प्रमुख स्रोत होती हैं। ऐसे में सरपंचों की सक्रिय भागीदारी के बिना अधिकतम प्रकरणों की पहचान एवं सूचीकरण संभव नहीं है।

सचिव ने कहा कि सरपंच न केवल स्थानीय स्तर पर पक्षकारों के मध्य संवाद स्थापित करने में सक्षम हैं, बल्कि वे आपसी सहमति एवं सौहार्दपूर्ण समाधान की दिशा में विश्वास निर्माण की भूमिका भी निभाते हैं। उन्होंने सरपंचों से अपेक्षा की कि वे अपने-अपने ग्रामों में लंबित एवं प्री-लिटिगेशन योग्य प्रकरणों की प्रारंभिक छंटनी कर सूची तैयार करें तथा संबंधित पक्षकारों को लोक अदालत के लाभों से अवगत कराते हुए सहभागिता सुनिश्चित करें।

बैठक में ग्राम स्तर पर व्यापक जन-जागरूकता अभियान चलाने, मुनादी/सूचना प्रसारण, ग्राम सभाओं में घोषणा तथा व्यक्तिगत संपर्क के माध्यम से अधिकाधिक प्रकरणों को लोक अदालत में प्रस्तुत करने की रणनीति पर विचार-विमर्श किया गया। सरपंचों ने आश्वासन दिया कि वे ग्राम पंचायत स्तर पर समन्वय स्थापित कर अधिकतम प्रकरणों के निराकरण हेतु सक्रिय भूमिका निभाएंगे। इस प्रकार उपरोक्त गतिविधि के माध्यम से जिला विधिक सेवा प्राधिकरण, दुर्ग ने स्पष्ट किया है कि नेशनल लोक अदालत त्वरित, सुलभ एवं सौहार्दपूर्ण न्याय प्रदान करने का प्रभावी माध्यम है, जिसकी सफलता में ग्राम स्तर के जनप्रतिनिधियों, विशेषकर सरपंचों की सहभागिता अत्यंत निर्णायक है।

व्रत और पर्व को लेकर अब नहीं होगा तिथियों में भ्रम

मार्गदर्शन

मठ-मंदिर संरक्षण एवं सेवा समिति दुर्ग द्वारा अनूठी पहल, घर-घर नि:शुल्क बांटे जाएंगे कैलेण्डर

नई दृष्टिबिंदु / दुर्ग

दुर्ग जिले के रहवासियों को व्रत और पर्व को लेकर तिथियों के भ्रम का अब सामना नहीं करना पड़ेगा। इसके समाधान के तौर पर नवगठित मठ-मंदिर संरक्षण एवं सेवा समिति दुर्ग द्वारा तिथियों में एकरुपता लाने अनूठा पहल किया गया है। जिसके तहत सर्व प्रसारित देव पंचांग को आधार मानकर और दुर्ग जिले के प्रमुख विद्वान पंडितों के मार्गदर्शन में एक कैलेण्डर (व्रत-पर्व दिग्दर्शिका) तैयार कराया गया है। 4 माह में बना यह कैलेण्डर सन 2027 तक के लिए उपयोगी होगा।

हिन्दू मान्यताओं के अनुसार कैलेण्डर में 12 महीनों के हिसाब से सभी व्रत और पर्व का उल्लेख है। जिससे विभिन्न कैलेण्डरों में तिथियों में विभिन्नता की वजह से व्रत और पर्व मनाने पैदा हो रही भ्रम की स्थिति से लोगों को छुटकारा मिलेगा। यह कैलेण्डर व्रत और पर्व की तिथियों में एकरुपता लाएगा, साथ ही दुर्ग जिले में व्रत और पर्व एक तिथि में ही मनने से लोगों में दुगुनी खुशियों का संचार होगा। अपने तरह के अनुठे कैलेण्डर (व्रत-पर्व दिग्दर्शिका) का समिति द्वारा विधिवत विमोचन भी कर दिया गया है। समिति द्वारा यह कैलेण्डर प्रारंभिक चरण में 5 हजार लोगों को नि:शुल्क बांटे जाएंगे। इसके अलावा आगामी दिनों में कैलेण्डर हिन्दू समाज के लोगों के घर-घर तक पहुंचाने का समिति द्वारा लक्ष्य निर्धारित किया गया है।

यह बातें पंडित जय शर्मा (चंडी मंदिर), पंडित संतोष पाठक (राम मंदिर गांधी चौक), कथावाचक पंडित मनोज पांडेय, पंडित डॉ. निलेश शर्मा ने मीडिया से चर्चा में कही।

इस दौरान नवगठित मठ-मंदिर संरक्षण एवं सेवा समिति दुर्ग के अध्यक्ष मंगल प्रसाद गुप्ता, सचिव संजय साहू, सदस्य मुकेश राठी, रघुनंदन उजाला, कमल सोनी, कमल विश्वाल, सुनील शर्मा, दिलीप गुप्ता, सुदीप सनातनी, अधिवक्ता आशीष शर्मा, अखिलेश अग्रवाल, विनोद देवांगन व अन्य सदस्य भी मौजूद रहे। चर्चा में मठ-मंदिर संरक्षण एवं सेवा समिति के अध्यक्ष मंगल प्रसाद गुप्ता ने बताया कि विभिन्न कैलेण्डरों के तिथियों में भिन्नता की वजह से दीपावली, होली व अन्य बड़े त्यौहार व व्रत को लेकर हिन्दू समाज में भ्रम की स्थिति पैदा होते आई है। इन व्रत और पर्व की तिथियों में एकरुपता लाने समिति द्वारा कैलेण्डर तैयार करवाया गया है। यह कैलेण्डर पंडित जय शर्मा, पंडित संतोष पाठक, पंडित मनोज पांडेय, पंडित डॉ. निलेश शर्मा के मार्गदर्शन में बनाया गया है। इसके अलावा राधाकृष्ण मंदिर के पंडित रहे स्व. पवन द्विवेदी ने भी कैलेण्डर निर्माण में अहम भूमिका निभाई है।

श्री गुप्ता ने बताया कि कैलेण्डर निर्माण में जिले के मंदिरों के पंडित व व्यवस्थापकों की भी राय ली गई है। यह कैलेण्डर प्रत्येक मंदिरों में भी लगाए जाएंगे। कैलेण्डर के माध्यम से मंदिर के पंडितों द्वारा श्रद्धालुओं को व्रत और पर्व की तिथियों से अवगत कराया जाएगा। जिससे लोग एक तिथि में व्रत व पर्व मना सकेंगे। कैलेण्डर का मंदिरों और लोगों में नि:शुल्क वितरण शुरु कर दिया गया है। समिति के अध्यक्ष मंगल प्रसाद गुप्ता ने बताया कि वर्तमान में यह समिति दुर्ग जिले में हिन्दू समाज के कल्याणार्थ कार्य कर रही है। भविष्य में समिति द्वारा प्रांत स्तर पर कार्य करने की योजना है।

किसानों के अधिकारों की रक्षा के लिए कलेक्टर कार्यालय दुर्ग में किया जोरदार प्रदर्शन

नई दृष्टिबिंदु / दुर्ग

खरसिया-नया रायपुर-परमलकसा एवं खारुन-रायपुर-परसदा रेल परियोजनाओं के अंतर्गत हो रहे भूमि अधिग्रहण में किसानों के साथ हो रहे अन्याय, मुआवजा निर्धारण में विसंगतियों एवं प्रशासनिक मनमानी के विरोध में आज जिला कांग्रेस कमेटी दुर्ग (ग्रामीण) के नेतृत्व में हिंदी भवन के सामने विशाल धरना-प्रदर्शन आयोजित किया गया। तत्पश्चात किसान रैली निकाल कर कलेक्टर परिषर के सामने प्रदर्शन कर ज्ञापन सौंपा गया। प्रभावित किसान कांग्रेस जिलाध्यक्ष राकेश ठाकुर के नेतृत्व में कलेक्टर ऑफिस की ओर कूच किए। बड़ी संख्या में प्रभावित किसान, कांग्रेस पदाधिकारी एवं कार्यकर्ता उपस्थित रहे और किसानों के संवैधानिक अधिकारों की रक्षा के लिए जोरदार आवाज उठाई।

धरना उपरांत प्रधामनमंत्री नरेंद्र मोदी, राजपाल महामहिम रमेन डेका सहित पूर्व मुख्यमंत्री भूपेश बघेल के नाम विस्तृत ज्ञापन कलेक्टर एवं जिला दण्डाधिकारी दुर्ग को सौंपा गया। किसानों ने पूर्व मुख्यमंत्री भूपेश बघेल के नाम भी ज्ञापन सौंप पूरे मामले में हस्तक्षेप कर प्रभावित किसानों को न्याय दिलाने का निवेदन किया है। वहीं किसानों की ओर कांग्रेस जिलाध्यक्ष राकेश ठाकुर ने इस बात पर नाराजगी जाहिर कर रहे थे कि किसानों का अभनपुर क्षेत्र के नवम्बर माह का सूची देखे तो ग्राम भुरकुनी गांव का रेट देखेंगे तो उसके अपेक्षा जनवरी माह में प्रति हेक्टेयर भारी कटौती किया है। जनवरी माह के अनुसार किसानों का 57 से 66 लाख प्रति हेक्टेयर तक की कटौती की गई है। इस तरह की भेदभाव पूर्ण तय रेट लिस्ट पर भी आपत्ति जताई गई।

भूमि का मूल्यांकन वगर्मीटर/वगफुट के आधार पर किए जाने की मांग। ग्रामीण भूमि के मूल्य में कटौती पर रोक एवं विकास आधारित उचित बढ़ोतरी। RFCTLARR Act, 2013 के तहत ग्राम सभा की पूर्व सहमति एवं पारदर्शी SIA प्रक्रिया। 4 गुणांक का अनिवार्य प्रयोग एवं उच्चतम तुलनीय विक्रय विलेख के आधार पर मुआवजा निर्धारण। भूमि के साथ मकान, पेड़, कुआं-बोर, सिंचाई एवं विद्युत संरचनाओं का पृथक मूल्यांकन। 25 लाख की एकमुश्त राशि के स्थान पर स्थायी रोजगार/पुनर्वास की व्यवस्था।

किसानों पर किसी भी प्रकार की दमनात्मक कार्रवाई पर रोक। सभा को संबोधित करते हुए कांग्रेस जिलाध्यक्ष राकेश ठाकुर ने कहा कि किसानों की जमीन लेकर उन्हें न्यायोचित मुआवजा और आजीविका से वंचित करना संविधान के अनुच्छेद 14 और 21 की भावना के विपरीत है। प्रशासन यदि किसानों की जायज मांगों को अनदेखा करेगा तो आंदोलन को और तेज किया जाएगा।

उन्होंने कहा कि कांग्रेस पार्टी किसानों के सम्मान और अधिकारों की रक्षा के लिए हर स्तर पर संघर्ष करेगी और जरूरत पड़ने पर आंदोलन को जिला से राज्य स्तर तक विस्तारित किया जाएगा। किसानों ने एकजुट होकर चेतावनी दी कि यदि शीघ्र सकारात्मक निर्णय नहीं लिया गया तो व्यापक जनआंदोलन किया जाएगा।

प्रभावित किसानों में पुरई, पाऊवारा, चंगोरी, बिरेझर, थनौद, कोनारी, चंदखुरी, भानपुरी, बोरीगारका, करगाडीह, खोपली, घघुसिडीह, कोकड़ी, कोड़िया, माणिकचौरी, धौराभाटा, बैगाटोला, नवागांव, इन्दावनी सहित अन्य ग्राम के शामिल है। इस दौरान ब्लॉक अध्यक्ष देवेंद्र देशमुख, जनपद उपाध्यक्ष राकेश हिरवानी, लक्ष्मी मानिकपुरी, शकुन साहू, चिंतामणि गजपाल, गुलाब सिंह साहू, व्यासनारायण साहू, धनेश राम साहू, भवंर लाल देशमखु, यशवतं देशमखु, सतीश देशमखु, मेहतरू साहू, बिहारी लाल, अजय कुमार सिन्हा, विष्णु चंद्राकर, चैन सिंह साहू, प्रेम लाल साहू, कल्याण पटेल, यशवतं साहू, बिसेसर साहू, धनक कोसरे, मोहन चंद्राकर, जवाहर लाल, मलेश निषाद, चेतन भारद्वाज, रामाधार, पकुेश्वर यादव, रामचरण भारद्वाज, बुधारू, दीपक देशमखु, मकुेश देशमखु, गोवर्धनर्ध देशमखु, थामेश साहू, डालाराम साहू, प्रदीप देशमखु, उमेश साहू, महेश देशमखु, मोहन हरमखु, वीरेंद्र, जीवन लाल, इंद्रजीत साहू, अजय सिन्हा, प्रदीप गजपाल, मोहन लाल साहू सहित सैकड़ों की संख्या में प्रभावित किसान मौजूद रहे।

खेल प्रतिभाओं को निखारने का सशक्त माध्यम बनी सरगुजा ओलंपिक : मंत्री नेताम

नई दृष्टिबिंदु / रायपुर

आदिम जाति विकास मंत्री रामविचार नेताम गुरूवार को तीन दिवसीय जिला स्तरीय सरगुजा ओलंपिक के समापन समारोह हुए। समारोह स्थानीय स्वामी आत्मानंद हिन्दी माध्यम विद्यालय के खेल मैदान में संपन्न हुआ। 10 से 12 फरवरी 2026 तक आयोजित इस तीन दिवसीय इस खेल महोत्सव ने ग्रामीण और शहरी अंचलों के खिलाड़ियों ने अपने प्रतिभाओं प्रदर्शन किया। उन्होंने समापन समारोह के अवसर पर कहा कि सरगुजा ओलंपिक खेल प्रतिभाओं को निखारने को एक सशक्त माध्यम बनी है। उन्होंने कहा कि इस आयोजन से विशेष रूप से आदिवासी अंचल के युवाओं को अपनी प्रतिभा प्रदर्शित करने और आगे बढ़ने का अवसर मिला है। उन्होंने चयनित सभी खिलाड़ियों को निरंतर अभ्यास कर संभाग एवं राज्य स्तर पर बेहतर प्रदर्शन करने के लिए प्रेरित करते हुए शुभकामनाएं दी। सरगुजा ओलंपिक में 67,380 प्रतिभागियों ने भाग लिया।

मंत्री श्री नेताम ने इस मौके पर खेल मैदान में उतर कर खिलाडियों का उत्साहवर्धन किया। उन्होंने शंकरगढ़ एवं बलरामपुर के मध्य हो रहे बालिका रसाकस्सी प्रतियोगिता में पहुंचकर खिलाड़ियों से परिचय प्राप्त कर उनका मनोबल बढ़ाया। इस दौरान तीरंदाजी प्रतियोगिता का अवलोकन करते हुए स्वयं भी तीरंदाजी में हाथ आजमाकर खिलाड़ियों का हौसला बढ़ाया। साथ

ही जिला स्तरीय सरगुजा ओलंपिक प्रतियोगिता में विजेता प्रतिभागियों को मंत्री रामविचार नेताम ने शील्ड एवं मेडल देकर सम्मानित किया।

समापन समारोह में पिछड़ा वर्ग आयोग सदस्य कृष्णा गुप्ता, रेडक्रॉस सोसायटी के अध्यक्ष ओमप्रकाश जायसवाल, नगरपालिका अध्यक्ष लोधीराम एक्का, उपाध्यक्ष दिलीप सोनी, पूर्व जनपद उपाध्यक्ष भानूप्रकाश दीक्षित सहित अन्य जनप्रतिनिधिगण, कलेक्टर राजेन्द्र कटारा, पुलिस अधीक्षक वैभव बैंकर, वनमण्डलाधिकारी आलोक वाजपेयी, जिला पंचायत सीइओ श्रीमती नयनतारा सिंह तोमर, अपर कलेक्टर व बलरामपुर एसडीएम अभिषेक गुप्ता, जिला शिक्षा अधिकारी एम.आर. यादव, जिला खेल अधिकारी मारकूस कुजूर, संबंधित अधिकारीगण एवं खिलाड़ी तथा आमनागरिक मौजूद थे।

जिले के विभिन्न विकासखंडों से आए खिलाड़ियों ने जिला स्तरीय ओलंपिक में खेल भावना के साथ अपनी प्रतिभा का उत्कृष्ट प्रदर्शन किया। जिला स्तरीय ओलंपिक में कुल 12 खेल विधाओं का आयोजन किया गया, जिसमें व्यक्तिगत खेलों के अंतर्गत एथलेटिक्स (100, 200, 400 मीटर दौड़, लंबी कूद, ऊंची कूद, शॉटपुट, डिस्कस थ्रो, जैवलिन थ्रो, 400 मीटर रिले), तीरंदाजी (इंडियन राउंड), बैडमिंटन, कुश्ती एवं कराटे तथा दलीय खेलों में फुटबॉल, हॉकी, कबड्डी, खो-खो, वॉलीबॉल, रस्साकसी और बास्केटबॉल शामिल रहे। प्रतियोगिताएं जूनियर वर्ग (14 से 17 वर्ष, बालक/बालिका) एवं सीनियर वर्ग (18 वर्ष से अधिक, महिला/पुरुष) में आयोजित की गई।

नए आपराधिक कानूनों के प्रयोग से पुलिस प्रक्रिया हुई तीव्र व आसान

बस्तर की शांति के लिए सरकार प्रतिबद्ध, बस्तर में अब शांति : लाल आतंक खात्मे की ओर – गृहमंत्री शर्मा

नई दृष्टिबिंदु / रायपुर

उपमुख्यमंत्री एवं गृह मंत्री विजय शर्मा ने गृह एवं जेल विभाग की उपलब्धियों के संबंध में नया रायपुर स्थित संवाद ऑडिटोरियम में पत्रकारों से चर्चा की। इस अवसर पर उन्होंने कहा कि सरकार बनने के साथ ही हम एक नई सोच को लेकर कार्य कर रहे हैं। राज्य की क्षमता में विस्तार के लिए नए आपराधिक कानूनों के कार्यान्वयन अन्तर्गत आइसीजेएस के तहत पांचों स्तंभों पुलिस, अभियोजन, फारेंसिक, जेल एवं न्यायालय को एकीकृत करने की प्रक्रिया में छत्तीसगढ़ राज्य अग्रणी है।

दुर्ग एवं बिलासपुर जिले पायलेट प्रोजेक्ट के तौर पर पांचों पिलर्स को एकीकृत कर एक मॉडल जिले के रूप में उभर कर सामने आये हैं। पहले पुलिस को साक्ष्यों को लेकर कई बार समास्याओं का सामना करना पड़ता था अब ई-साक्ष्य के आने से तुरंत साक्ष्य उपलब्ध हो रहे हैं। जिससे पुलिसकर्मियों का मनोबल बढ़ा है।

8 बैंकों के साथ एमओयू कर बिना किसी प्रीमियम के सैलरी अकाउंट पर बीमा सुविधा उपलब्ध कराई

गृह मंत्री श्री शर्मा ने बताया कि पुलिस कार्यों के आधुनिकीकरण के लिए सीसीटीएनएस द्वारा मेडलीपार, ई- साक्ष्य, ई -सम्मन, ऑनलाइन एफआईआर, ई- साइन, ई- कोर्ट, ई- श्रुति के द्वारा कार्यों को त्वरित और आसान बनाया जा रहा है, जिससे आम नागरिकों को न्याय प्राप्ति में आसानी होगी। पुलिस कर्मियों के लिए अब तक किसी प्रकार की बीमा की व्यवस्था नहीं थी, जिस पर ध्यान देते हुए सरकार द्वारा 08 बैंकों के साथ एमओयू कर बिना किसी प्रीमियम के सैलरी अकाउंट पर बीमा सुविधा उपलब्ध कराई जा रही है, इसका लाभ छत्तीसगढ़ पुलिस के समस्त अधिकारी एवं कमर्चारियों को प्राप्त हो रहा है। यह पुलिस कर्मियों के लिये कल्याणकारी योजनाओं की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है। इसके तहत अब तक 15 शहीद पुलिसकर्मियों के आश्रितों को 16 करोड़ रुपए से अधिक की राशि उपलब्ध कराई जा चुकी है।

शिकायतों के निराकरण हेतु ऑनलाईन कम्पलेंट मैंनेजमेंट पोर्टल का निर्माण

गृह मंत्री ने बताया कि पहले अपराध समीक्षा हाथ से लिखकर उपलब्ध कराया जाता था जो पुलिस विवेचना में देरी होती थी, अब राज्य की अभिनव पहल के रूप में अपराध समीक्षा एप्लीकेशन से पूरे राज्य में दर्ज एफआईआर की निगरानी, समीक्षा एवं विश्लेषण की जा रही है। जहां समय-सीमा में अपराधों का विवेचना के साथ वरिष्ठ अधिकारियों द्वारा नियमित रूप इसका पयर्वेक्षण किया जा रहा है जिससे जवाबदेहिता सुनिश्चित हो रही है और हर स्तर पर उसकी निगरानी की जा रही है। उन्होंने बताया कि पुलिस मुख्यालय में विभिन्न माध्यमों से प्राप्त शिकायतों के निराकरण हेतु ऑनलाईन कम्पलेंट मैंनेजमेंट पोर्टल का निर्माण किया गया है। पूर्व में शिकायतों को संबंधित जिलों में डाक के माध्यम से प्रेषित किया जाता था और जिलों के द्वारा भी संबंधित

प्रदेश की कानून व्यवस्था संभाल नहीं पा रहे गृह मंत्री अपनी पीठ थपथपा रहे – कांग्रेस

गृहमंत्री विजय शर्मा के द्वारा 2 साल में गृह विभाग की जो उपलब्धियां बताई गई है वह केवल कागजी और मनगढ़त है। प्रदेश कांग्रेस संचार विभाग के अध्यक्ष सुशील आनंद शुक्ला ने कहा कि गृह मंत्री प्रदेश की बिगड़ चुकी कानून व्यवस्था के बारे में मौन रहे। राज्य में भाजपा की सरकार बनने के बाद आधा दर्जन से अधिक बार जनता बिगड़ती कानून व्यवस्था के विरोध में सड़को पर उतर कर हिंसक आंदोलन करने को मजबूर हुई है। बलौदाबाजार में एसपी कलेक्टर कार्यालय जला दिये गये, कवर्धा में एक व्यक्ति को जिंदा जला दिया गया, तमनार, बलरामपुर, सूरजपुर में जनता ने बिगड़ चुकी कानून व्यवस्था के खिलाफ सड़कों पर उतरी, जब गृह मंत्री प्रेस कांफ्रेंस लेकर अपनी पीठ थपथपा रहे थे तो कोण्डागांव में लोग हिंसक आंदोलन कर रहे थे। प्रदेश कांग्रेस संचार विभाग के अध्यक्ष सुशील आनंद शुक्ला ने कहा कि गृह मंत्री कहते है उन्होंने 32 बंग्लादेशी नागरिकों को प्रदेश से बाहर निकाला, उनकी केंद्र सरकार कहती है देश में कोई घुसपैठिये नहीं है। सही कौन बोल रहा, मोदी सरकार या विजय शर्मा? देश में 12 सालों से भाजपा की सरकार है। ऐसे में देश के हृदय स्थल में घुसपैठियों का पहुंचना क्या केंद्र की मोदी सरकार की नाकामी नही है?

प्रदेश कांग्रेस संचार विभाग के अध्यक्ष सुशील आनंद शुक्ला ने कहा कि राज्य में भारतीय जनता पार्टी की सरकार बनने के बाद प्रदेश की कानून व्यवस्था बिगड़ चुकी है। अपराधिक घटनाओं को रोक पाने में सरकार असफल साबित हो रही है। लूट, हत्या, बलात्कार, चाकूबाजी की घटनाएं विचलित करने वाली है। भाजपा की सरकार बनने के बाद राज्य में महिलायें असुरक्षित हो गयी है। प्रदेश में रोज 8 बलात्कार घटनाएं हो रही है। सरकार समझ नहीं पा रही है कि आपराधिक घटनाओं को कैसे रोका जाये। राजधानी में महीने में 24 रेप हो रहे, 120 चोरियां हो रही, हर दूसरे दिन हत्या हो रहा है।

प्रदेश कांग्रेस संचार विभाग के अध्यक्ष सुशील आनंद शुक्ला ने कहा कि भाजपा सरकार के 2 साल के कायर्काल में प्रदेश में ड्रग्स, अफीम, गांजा, हीरोइन, नकली शराब, अवैध शराब बिना रोक-टोक के गली-गली में बिक रहा है, हर चौक-चौराहा में नशीली वस्तु बेचने वालों का गैंग है, जिसके चलते प्रदेश में आपराधिक घटनाएं भी बढ़ी है। प्रदेश में नशेड़ियों का जमावड़ा हो गया है। सूर्यास्त होने के बाद जिस प्रकार से नशाखोरी हो रहा है, हर वर्ग नशा की ओर आकर्षित हो रहा है, इसकी जिम्मेदारी भाजपा सरकार की है। ये सरकार की असफलता है। यह बेहद चिंता का विषय है सरकार इसे रोकने के लिए केवल घोषणाएं करती है, रोक नहीं पाती।

शिकायतों का जांच प्रतिवेदन डाक के माध्यम से ही मुख्यालय को प्राप्त होता था। इस पोर्टल के निर्माण से इस प्रक्रिया को ऑनलाईन किया गया है, जिससे संसाधनों व समय की बचत के साथ-साथ शिकायतों का निराकरण किया जा रहा है। शिकायतों के त्वरित निराकरण से पुलिस की छवि में सुधार तथा पीड़ितों को राहत मिल रहा है।

अवैध प्रवासियों की पहचान कर विशेष टास्क फोर्स का गठन

गृह मंत्री श्री शर्मा ने बताया कि अवैध प्रवासियों पर सख्त रुख अपनाते हुए उन्होंने बताया कि राज्य में टोल फ्री नम्बर जारी कर अवैध प्रवासियों पर लगातार कार्रवाई की जा रही है। इसके लिए अवैध प्रवासियों की पहचान कर विशेष टास्क फोर्स का गठन द्वारा उनकी गिरफ्तारी एवं विदेशी नागरिक अधिनियम के तहत उन पर कार्रवाई करते हुए 34 लोगों को देश से निष्कासित करने का भी कार्य किया गया है। विचाराधीन लोगों के लिए होल्डिंग सेंटर भी बनाये गए हैं जहां उनकी जांच कर नियमानुसार प्रक्रिया की जा रही है। उन्होंने बताया कि सरकार द्वारा एंटी टेरीरिस्ट स्क्वाड को भी क्रियाशील करने का कार्य किया है जहां बनने के बाद से अब तक इसमें कोई केस दर्ज नहीं हुआ था वर्ष 2025 में इसके द्वारा पहली बार कार्रवाई की गई थी। उन्होंने बताया कि धर्मांतरण के मामलों पर सरकार विशेष ध्यान देते हुए इन्हें रोकने के लिए संलग्न लोगों पर कार्रवाई कर रही है सरकार बनने के 23 वर्षों में जितने मामले दर्ज हुए थे उससे दोगुने मामले पिछले 2 वर्षों में दर्ज किए गए हैं।

गौवंश वध, परिवहन एवं व्यापार की रोकथाम

गृह मंत्री श्री शर्मा ने बताया कि प्रदेश में गौवंश वध, परिवहन एवं व्यापार की रोकथाम हेतु पुलिस द्वारा लगातार कार्यवाही की जा रही है, जिसमें गौवंश वध, परिवहन एवं व्यापार के प्रकरण दर्ज कर आरोपियों पर सख्त कार्रवाई की जा रही है। इनमें प्रयुक्त वाहनों को जप्त कर 142 वाहनों को राजसात कर 27 वाहनों की नीलामी भी की जा चुकी है। देश में पहली बार गौवंश वध, परिवहन एवं व्यापार के आदतन आरोपियों की सूची बनाई गई है और उनपर गैंगस्टर अधिनियम के तहत कार्रवाई करते हुए 19 पर निगरानी भी खोलकर सतत निगरानी की जा रही है।

राज्य में नशे के व्यापार के विरूद्ध सख्त कार्रवाई

श्री शर्मा ने बताया कि राज्य में नशे के व्यापार के विरूद्ध कार्रवाई करते हुए एनडीपीएस एक्ट के तहत लगातार कार्य किया जा रहा है। आदतन आरोपी के विरूद्ध निरोधक आदेश जारी कर एनडीपीएसए के वित्तीय जांच कर नशे के व्यापारियों की वित्तीय आधार खत्म करने के लिए उनकी सम्पत्ति जब्त कर उसे नीलाम करने का भी कार्य किया जा रहा है। इसके साथ ही गांजा, नशीली दवाइयों, एमडीएमए, हेरोईन, ब्राउन शुगर, डोडा को नष्टीकरण करने का कार्य किया गया है एवं संलग्न वाहनों की नीलामी भी की जा रही है।

गृह मंत्री श्री शर्मा ने बताया कि साइबर अपराधियों के विरूद्ध तीव्र गति से कार्रवाई के करते हुए ऑनलाइन फ्रॉड करने वालों के खातों को सीज करने के साथ फर्जी सिम जारी करने वाले पीओएस पर भी अपराध पंजीबद्ध कर 165 संचालको की गिरफ्तारी की कार्यवाही की गई है साथ ही म्यूल खातों पर कार्यवाही करते हुये अपराध पंजीबद्ध कर बैंक कमर्चारियों की गिरफ्तारी भी की गई है। राज्य में संचालित अनाधिकृत ऑनलाईन गैम्बलिंग प्लेटफार्म पर पहली बार कार्रवाई करते हुए 255 ऑनलाइन लिंक्स और पोर्टल्स को रोकने का भी कार्य किया गया है। साइबर सुरक्षा के लिए रायगढ़, कोरबा, राजनांदगाँव, कबीरधाम, महासमुंद, बलौदाबाजार, जांजगीर-चांपा, जशपुर एवं धमतरी में साइबर थानों का संचालन प्रारंभ किया गया।

नक्सलवाद के अंत के संबंध में उपमुख्यमंत्री श्री शर्मा ने स्पष्ट किया की शासन बस्तर में शांति के लिए पूर्ण रूप से प्रतिबद्ध है। सशस्त्र नक्सलवाद के खात्मे के लिए केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह द्वारा तय की गई 31 मार्च 2026 का दिन निर्धारित है, जिस पर मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय के नेतृत्व में सरकार अडिग है। लोकतंत्र में बंदूक दिखा कर भय और हिंसा फैलाने वालों का कोई स्थान नहीं है। शासन का प्रयास है अधिक से अधिक माओवादियों का पुनर्वास कराया जाए, इसका प्रभाव है कि राज्य में नक्सल ऑपरेशन में न्यूट्रलाइसड किए गए माओवादियों की संख्या से कई गुना अधिक लोगों ने पुनर्वास का रास्ता चुना है। इसके लिए लगातार सरकार द्वारा रेडियो एवं अन्य माध्यमों से पुनर्वास हेतु संदेश जारी किए थे, इसमें बस्तर के पत्रकार साथियों एवं समाज प्रमुखों का भी बहुत सहयोग प्राप्त हुआ है जो सराहनीय है। उन्होंने बस्तर के समाज प्रमुख गणेश माड़वी के योगदान की विशेषतः रेखांकित किया।

दो पंचायतों ने स्वयं को नक्सल मुक्त किया घोषित

श्री शर्मा ने बताया कि पुनर्वासित नक्सलियों को मुख्यधारा से जोड़ने के लिए शासन द्वारा विभिन्न कार्य किये जा रहे हैं, इसमें उन्हें आजीविका मूलक प्रशिक्षण देने के साथ उन्हें शासन की विभिन्न योजनाओं का लाभ दिया जा रहा है। उन्हें 5जी मोबाइल फोन, विभिन्न स्थानों पर शैक्षणिक भ्रमण भी कराया जा रहा है। जेल में नक्सल प्रकरण में निरुद्ध लोगों के पुनर्वास के लिए उनके परिजनों के माध्यम से उन्हें जेल से पुनर्वास करने की अपील की जा रही है उन्हें पे रोल पर ले जा कर पुनर्वास केंद्रों का भ्रमण कराया जा रहा है। उन्होंने कहा कि ऐसे पुनर्वासित युवा जिनका विवाह नहीं हुआ था, उनका भी सामूहिक विवाह कराया जा रहा है। उन्होंने बताया कि इलवद पंचायत योजना के तहत अब तक दो पंचायतों ने स्वयं को नक्सल मुक्त घोषित भी किया है। पिछले 2 वर्षों में कई पोलित ब्यूरो सदस्य, केंद्रीय कमेटी सदस्य, स्पेशल जोनल कमेटी सदस्य के द्वारा पुनर्वास के साथ कई नक्सल नेताओं को न्यूट्रलाइस भी किया गया है।

गृह मंत्री श्री शर्मा ने बताया कि जेलों में व्यवस्थाएं सुनिश्चित करने पर राज्य की चार केन्द्रीय जेल रायपुर, दुर्ग, बिलासपुर तथा अंबिकापुर को आई.एस.ओ. प्रमाणन भी प्राप्त हुआ है। युवा बंदियों को सकारात्मक रचनात्मक रूझान प्रदान करने के लिए केन्द्रीय जेल अंबिकापुर में सरगुजा स्कूल ऑफ ऑर्ट्स की स्थापना की गई है। इसमें युवा बंदियों को ड्राईंग, पेंटिंग, योग इत्यादि कलाओं का प्रशिक्षण दिया जा रहा है। बंदियों को मनोरंजन तथा सकारात्मक शिक्षा प्रदान करने हेतु केन्द्रीय जेल रायपुर में उमंग-तरंग नाम से रेडियो स्टेशन का संचालन किया जा रहा है। बंदियों के कौशल विकास एवं पुनर्वास हेतु जेलों में नवीन उद्योग स्थापित किए जा रहे हैं, जिसमें मसाला उद्योग, ऑयल एक्सट्रेक्शन उद्योग, एलईडी बल्ब, पेट्रोल पंप का संचालन सम्मिलित हैं। इस अवसर पर एसीएस गृह मनोज पिंगुआ, डीजी जेल हिमांशु गुप्ता, सचिव हिमशिखर गुप्ता, एडीजी अमित कुमार, एडीजी एसआरपी कल्लूरी, एडीजी विवेकानंद, एडीजी प्रदीप गुप्ता, आईजी ध्रुव गुप्ता उपस्थित रहे।

खास खबर

पीएम जनमन आवास योजना से जगदीश बैगा के पक्के घर का सपना हुआ साकार

नई दृष्टिबिंदु / रायपुर

प्रधानमंत्री जनमन आवास योजना के तहत विकासखण्ड गौरेला के ग्राम पंचायत अंधियारखोह के श्री जगदीश बैगा के पक्के घर का सपना साकार हो गया है। उन्हें वर्ष 2023-24 में पक्के आवास की स्वीकृति प्रदान की गई थी। योजना से पूर्व जगदीश बैगा अपने परिवार सहित कच्चे मकान में निवास कर रहे थे। कच्चे मकान में रहने के दौरान उन्हें जंगली कीड़े-मकोड़े, सांप, बिच्छू आदि का खतरा हमेशा सताते रहता था।

बरसात के मौसम में छत से पानी टपकने के कारण परिवार को भारी परेशानियों का सामना करना पड़ता था। सीमित आय के कारण पक्के मकान का निर्माण उनके लिए केवल एक सपना मात्र था। शासन की महत्वाकांक्षी प्रधानमंत्री जनमन आवास योजना के अंतर्गत स्वीकृत आवास निर्माण से जगदीश बैगा के जीवन में बड़ा बदलाव आया। अब जगदीश अपने परिवार के साथ पक्के आवास में सुरक्षित और सम्मान के साथ निवास कर रहे हैं। पीएम जनमन आवास जगदीश बैगा जैसे जरूरतमंद परिवारों के लिए जीवन स्तर में सुधार का सशक्त माध्यम सिद्ध हो रहा है।

कलेक्टर उइके के निर्देश पर खनिज विभाग की कार्रवाई तेज

गरियाबंद। कलेक्टर बीएस उइके के निर्देश पर खनिज विभाग द्वारा 05 फरवरी से 11 फरवरी 2026 को तहसील छुरा अंतर्गत ग्राम खरखरा में 03, पंडरीपानी में 03, रसेरा में 03, मोंगरा में 02, पाटसिवनी में 02, नवापारा में 01, अवैध ईंट भटठा संचालनकर्ता को नोटिस देकर समक्ष जवाब प्रस्तुत करने के लिए निर्देशित किया है। ग्राम पथरी में अवैध ईट भट्ठा का संचालन होना नही पाया गया एवं अन्य ग्राम नागिनबाहरा, कोसमी, चरौदा, खुडियाडीह का निरीक्षण किया गया। सभी अवैध उत्खननकर्ताओं पर छत्तीगसढ खनिज (खनन, परिवहन, तथा भण्डारण) नियम 2009 के तहत एवं वाहनों पर खान एवं खनिज विकास एवं विनियमन अधिनियम 1957 एवं छत्तीसगढ़ गौण खनिज नियम 2015 के प्रावधानों के तहत कार्यवाही की जायेगी।

सेना में भर्ती के लिए अधिसूचना जारी

कवर्धा। सेना में भर्ती के लिए अधिसूचना 13 फरवरी 2026 को जारी की गई है। सेना भर्ती कार्यालय रायपुर ने जानकारी दी है की अधिसूचना भारतीय सेना की अधिकारिक पर उपलब्ध है। सेना में भर्ती के लिए ऑनलाइन आवेदन की प्रक्रिया 13 फरवरी 2026 से 01 अप्रैल 2026 तक खुली रहगी। आवदेन अग्निवीर पुरूष जनरल, तकनीकी, लिपिक/स्टोरकिपर, ट्रैडमैन दसवी पास, ट्रैडमैन आठवी पास, अग्निवीर महिला (सेना पुलिस) तथा स्थाई कैडर नर्सिंग असिस्टेंट, नर्सिंग असिस्टेंट वेट और सिपाही फार्मा के पदों के लिए जारी किया गया है। ऑनलाइन कॉमन एंट्रेंस एग्जाम 01 जून से 10 जून तक होने की सभावना है।

बातचीत मंत्री श्रीमती लक्ष्मी राजवाड़े ने केन्द्रीय मंत्री श्रीमती अन्नपूर्णा देवी को दी जानकारी

छत्तीसगढ़ मना रहा 'महतारी गौरव वर्ष: मंत्री राजवाड़े

नई दृष्टिबिंदु / रायपुर

छत्तीसगढ़ की महिला एवं बाल विकास मंत्री श्रीमती लक्ष्मी राजवाड़े ने नई दिल्ली में केंद्रीय महिला एवं बाल विकास मंत्री श्रीमती अन्नपूर्णा देवी से सौजन्य भेंट कर प्रदेश में संचालित महिला एवं बाल विकास योजनाओं के प्रभावी क्रियान्वयन एवं भावी कायर्योजना पर विस्तृत चर्चा की।

मंत्री श्रीमती राजवाड़े ने इस अवसर पर अवगत कराया कि मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय के नेतृत्व में छत्तीसगढ़ सरकार ने वर्ष 2026 को 'महतारी गौरव वर्षइ के रूप में मनाने का निर्णय लिया है। इस पहल का उद्देश्य माताओं और बहनों के सम्मान, सुरक्षा, स्वास्थ्य एवं आर्थिक स्वावलंबन को नई ऊंचाइयों तक पहुंचाना है। राज्य सरकार महिला सशक्तिकरण को विकास की धुरी मानते हुए योजनाओं को और अधिक प्रभावी स्वरूप दे रही है।

बैठक में मातृशक्ति सशक्तिकरण, पोषण अभियान की प्रगति, बाल संरक्षण सेवाओं के सुदृढ़ीकरण, आंगनबाड़ी व्यवस्थाओं के उन्नयन तथा केंद्र प्रायोजित योजनाओं के बेहतर क्रियान्वयन जैसे विषयों पर सकारात्मक एवं परिणाममुखी विचार-विमर्श हुआ। मंत्री श्रीमती राजवाड़े ने छत्तीसगढ़ में संचालित नवाचारों, जमीनी स्तर पर किए जा रहे प्रयासों तथा हितग्राहियों तक योजनाओं की पहुंच सुनिश्चित करने की दिशा में उठाए गए कदमों की जानकारी साझा की।

केंद्रीय मंत्री श्रीमती अन्नपूर्णा देवी ने योजनाओं के प्रभावी संचालन, मॉनिटरिंग तंत्र को मजबूत करने तथा पात्र हितग्राहियों तक लाभ की शत-प्रतिशत पहुंच सुनिश्चित करने के संबंध में मार्गदर्शन प्रदान किया। उन्होंने केंद्र एवं राज्य के समन्वित प्रयासों को महिला एवं बाल कल्याण के लिए अत्यंत महत्वपूर्ण बताया। मंत्री श्रीमती लक्ष्मी राजवाड़े ने कहा कि केंद्र सरकार के सहयोग एवं मार्गदर्शन से छत्तीसगढ़ में महिला एवं बाल विकास से संबंधित योजनाओं को और अधिक सुदृढ़, पारदर्शी एवं परिणामोन्मुख बनाया जाएगा। सुशासन सरकार मातृशक्ति के सर्वांगीण विकास के लिए प्रतिबद्ध है।

मंत्री रामविचार नेताम 19 फरवरी को करेंगे एकलव्य विद्यालयों की समीक्षा

रायपुर। आदिम जाति विकास मंत्री रामविचार नेताम की अध्यक्षता में 19 फरवरी को दोपहर 12:30 बजे आदिम जाति अनुसंधान एवं प्रशिक्षण संस्थान सेक्टर-24 अटल नगर, नवा रायपुर के सभाकक्ष में एकलव्य आदर्श आवासीय विद्यालयों की समीक्षा बैठक आयोजित की गई है। इस आशय का पत्र आयुक्त कार्यालय द्वारा प्रदेश के सभी सहायक आयुक्तों, प्राचार्यों और प्रोजेक्ट डायरेक्टर तथा भवन निर्माण एजेंसी के प्रतिनिधि को जारी कर दिया गया है। बैठक में निर्धारित समय एवं स्थान में एकलव्य विद्यालयों की अद्यतन स्थिति की जानकारी सहित अधिकारियों को उपस्थित होने के निर्देश दिए गए हैं।

रायपुर शहर को श्रेष्ठ स्वच्छ रैंकिंग दिलवाने नगर निगम ने चलाया स्वच्छता जागरूकता अभियान

नई दृष्टिबिंदु / रायपुर

स्वच्छ सर्वेक्षण 2026 में रायपुर शहर को श्रेष्ठ स्वच्छ रैंकिंग दिलवाने अभियान नगर पालिक निगम रायपुर की महापौर मीनल चौबे, नगर निगम स्वास्थ्य विभाग अध्यक्ष गायत्री सुनील चंद्राकर, नगर निगम आयुक्त विश्वदीप के निर्देश पर चलाया जा रहा है।

इसीक्रम में स्वच्छता जागरूकता अभियान में रायपुर नगर पालिक निगम जोन 7 स्वास्थ्य विभाग द्वारा नगर निगम जोन 7 जोन अध्यक्ष श्वेता विश्वकर्मा, सरदार वल्लभ भाई पटेल वार्ड क्रमांक 24 की पार्षद दीप मनीराम साहू, नगर निगम जोन 7 जोन कमिश्नर राकेश शर्मा के मार्गनिर्देशन और जोन 7 जोन स्वास्थ्य अधिकारी आत्मानंद साहू की उपस्थिति में सरदार वल्लभ भाई पटेल वार्ड क्रमांक 24 के क्षेत्र में अनुबंधित सफाई कम्पनी रामकी प्रबंधन के प्रतिनिधियों के साथ मिलकर घर - घर जाकर रहवासियों को सूखा और गीला कचरा प्रतिदिन नियमित रूप से घर पर पृथक कर सफाई मित्र को सफाई वाहन में देने और सेनेटरी कचरा और घरेलू खतरनाक कचरा पृथक रखने की समझाइश दी गयी। वार्ड के रहवासी नागरिकों को स्वच्छता जागरूकता पम्पलेट वितरित किये गए और डोर टु डोर कचरा कलेक्शन नहीं होने पर रामकी के टोल फ्री नम्बर पर तत्काल शिकायत दर्ज करवाकर व्यवस्था अंतर्गत त्वरित समाधान प्राप्त करने अपील की गयी। नागरिकों को स्वच्छ सर्वेक्षण 2026 जागरूकता अभियान अंतर्गत नगर निगम जोन 7 स्वास्थ्य विभाग की टीम द्वारा रायपुर शहर को स्वच्छ बनाने सामूहिक स्वच्छता संकल्प दिलवाया गया।

संपादकीय

बयान अब दिया है तो आखिर क्यों दिया है

राजनीति में जब भी किसी राजनीतिक दल का राज्यस्तरीय या दिल्ली स्तरीय नेता सालों बाद कोई खास बयान देता है तो वह महज बयान नहीं होता है।वह अपने राजनीतिक दल के शीर्ष नेताओं के लिए एक संदेश होता है तो दूसरे सबसे बड़े राजनीतिक दल के नेताओं के लिए भी संदेश होता है।ऐसा संदेश तब दिया जाता है जब उसे लगता है कि उसके अपने राजनीतिक दल में उसकी पूछपरख कम हो रही है या किसी कारण से कम हो सकती है तो वह अपने दल के नेताओं को यह बताना चाहता है कि उसकी पूछपरख विरोधी दल में भी होती रही है यानी अगर मेरा महत्व किसी तरह से कम किया गया मेरे पास कई विकल्प हैं।एक विकल्प विरोधी दल में शामिल होना भी है, वह तो मुझे बुला रहे हैं, मैं ही विरोधी राजनीतिक दल में नहीं जा रहा हूं।

भूपेश बघेल छत्तीसगढ़ कांग्रेस के बड़े नेताओं में से एक हैं। कांग्रेस को चुनाव जिताकर पांच साल सीएम रहे हैं और सबसे बड़ा नेता बनने में सफल रहे हैं इस बात में दो मत नहीं हैं कि जब वह कांग्रेस के सीएम थे तो उनका महत्व कांग्रेस के लिए जितना था,उतना ही महत्व भाजपा के लिए भी था क्योंकि वह तब चुनाव जिताने वाले नेता थे।अब वह एक चुनाव हार चुके हैं,इसलिए उनका महत्व जितना कम कांग्रेस में हुआ है उससे ज्यादा कम भाजपा मे हुआ है क्योंकि भाजपा ने यहां रमन सिंह के बाद अपना एक नया आदिवासी नेता को सीएम बनाया है। यानी आज की स्थिति में भाजपा के पास मजबूत नेता की कमी नहीं है। इसलिए पीएम मोदी व शाह को यहां कांग्रेस के चुनाव हारे हुए नेता भूपेश बघेल की वर्तमान में जरूरत तो नही है।

भूपेश बघेल पांच साल सीएम रहे तब उनकी मुलाकात कई तरह से पीएम मोदी व गृहमंत्री अमित शाह से हुई होगी। भूपेश बघेल कई बार खुद भी मिलने गए होंगे। इसलिए यह तो सच है कि पीएम मोदी व शाह से उनकी मुलाकात हुई होगी और बात भी हुई होगी।भूपेश बघेल ने कहा जरूर है कि पीएम मोदी व शाह ने उन पर भाजपा में शामिल होने दबाव बनाया था लेकिन वह साफ नहीं कह रहे हैं कि शामिल होने का कोई न्योता दिया था, वह कहते हैं भाजपा में शामिल होने का इशारा किया था।भूपेश बघेल यह भी जानते हैं कि वह तो कह सकते हैं कि खबरों बने रहने के लिए पीएम मोदी व शाह ने उनसे भाजपा में शामिल होने के लिए इशारों में दबाव बनाया था। लेकिन पीएम मोदी व शाह तो कहने से रहे कि हमने ऐसा कुछ भूपेश बघेल से कहा था या हमारी कोई मंशा थी।

पीएम मोदी व शाह के चुप रहने का फायदा भूपेश बघेल उठा सकते हैं और कह सकते हैं कि देखो मैं तो कह दिया कि मुझ पर भाजपा मे शामिल होने दबाव डाला गया था लेकिन इससे पीएम मोदी व शाह ने इंकार नहीं किया है इकीकत यह है कि भूपेश बघेल जब छत्तीसगढ़ के सीएम थे तब उनका राजनीतिक महत्व था, तब भाजपा कांग्रेस को नुकसान पहुंचाने के लिए भूपेश बघेल को भाजपा में शामिल होने को कह सकती थी। आज भूपेश बघेल का छत्तीसगढ़ की राजनीति में चुनाव हारने के बाद महत्व कम हो गया है, कांग्रेस की नजर में भी और भाजपा की नजर में भी। इसलिए भूपेश बघेल सालों बाद यह कह रहे कि उनको भाजपा में शामिल होने दबाव डाला गया था तो माना जा सकता है कि भूपेश बघेल भाजपा व कांग्रेस दोनों को संदेश दे रहे हैं।छत्तीसगढ़ में मैं ही कांग्रेस का सबसे महत्वपूर्ण नेता हूं और मैं बने रहना चाहता हूं।

कांग्रेस सरकार के समय बहुत से घपले व घोटाले हुए हैं। उनकी जांच चल रही है, लोग गिरफ्तार कर जेल भेजे जा रहे हैं। इस दौरान भूपेश बघेल के करीबियों सहित उनके पुत्र को भी गिरफ्तारी के बाद महीनों जेल में रहना पड़ा है।भूपेश बघेल तो कहते रहे हैं कि उनको और कांग्रेस नेताओं को बदले की भावना से जांच के नाम पर परेशान किया जा रहा है यानी उनके समय में कोई घपला या घोटाला नहीं हुआ,ऊपरी तौर पर तो यही वह साबित करना चाहते हैं लेकिन पुत्र की गिरफ्तारी के बाद से वह भी जानते हैं कि उनका नंबर भी कभी भी आ सकता है इसलिए उनका यह बयान पहले से जमीन तैयार करना हो सकता हैं कि देखों मैं भाजपा में शामिल नहीं हुआ, मुझे भी गिरफ्तार किया गया है।सालों बाद भूपेश बघेल ने यह बयान देकर कांग्रेस में अपना महत्व बनाए रखने का प्रयास किया है और भाजपा में जाने का रास्ता खुला भी रखा है।कांग्रेस कमजोर होती जा रही है। बड़े नेता कमजोर पार्टी में अपना भविष्य नहीं देखते हैं. भूपेश बघेल भी बड़े नेता हैं।उन्हें भी अपने और पुत्र के राजनीतिक भविष्य की चिंता होगी।चिंता कर रहे हैं यह कोई बुरी बात भी नहीं है।

नई परतों की नई सुखियों में ट्रंप बैचेन

हरिशंकर व्यास

चाहे तो इसे पतनगामी पूंजीवाद का मकडजाल कहें या अर्थ, धर्म, काम, मोक्ष का कालजयी सत्य-तत्व! मनुष्य आदिकाल से पैसे (पॉवर, अर्थ) और सेक्स (काम-भोग) की वासना में जन्म-जन्मांतर चक्र में खपा चला आ रहा है। इसी से धर्म व मोक्ष के फलसफे गढ़े। बावजूद इसके ताजा सुखिर्या चौंकाने वाली है। पहली बार सेक्स-पॉवर की धुरी का वैश्विक तानाबाना खुला है। आज जेफ ?ी एपस्टीन दुनिया का नंबर एक चर्चित चेहरा है। पहली बार अदालती दस्तावेजों से सत्ता, पूंजी और यौन-शोषण का इतना गहरा और पसरा नेटवर्क उभरा है।

एपस्टीन सिर्फ फाइनेंसर, यौन अपराधी और मानव तस्कर नहीं था। वह उस नेटवर्क का रचयिता था, जो राष्ट्रपति, पूर्व राष्ट्राध्यक्ष, प्रधानमंत्री, राजकुमार, खरबपति और वैश्विक प्रभावशाली कुलीनों, एलिट की भूख का सप्लायर था। वह संपर्कों, यात्राओं और संवादों से वह सब करता हुआ था जो आमतौर पर देशों की राजधानियों में सिमटे सत्ता-दलालों का पैमाना रहा है। पहली बार मालूम हुआ कि अमेरिका यदि दुनिया को नचाता है तो अमेरिकी दलाल भी दुनिया को नचाते हैं। इनकी वह वैश्विक, बहुराष्ट्रीय मंडी है, जिससे तमाम देशों के नेताओं की भूख पूरी होती है। और यह महज अफवाह या खोजी पत्रकारिता की सनसनी नहीं है, बल्कि अदालतों और जांच एजेंसियों के दस्तावेजों से उद्घाटित है।

सो, एपस्टीन केवल एक व्यक्ति नहीं, बल्कि उस व्यवस्था, उस भूख का प्रतीक है, जिसमें पैसा, प्रभाव और वासना एक-दूसरे को पोषित करते हैं। एपस्टीन इस तंत्र का केंद्रीय संचालक था। और वह अपराधी भी करार हुआ। जेल में ही उसने आत्महत्या की।

शुक्रवार को अमेरिका के न्यायिक विभाग ने 35 लाख से अधिक पेज और हजारों फोटो और वीडियो सार्वजनिक किए। सब जेफ ?ी एपस्टीन और उसकी सहयोगी गिस्लेन मैक्सवेल के सेक्स-रैकेट नेटवर्क की जांच से जुड़े हैं। इन दस्तावेजों में इलेक्ट्रॉनिक संदेश, फ्लाइट लॉग, बैंक रिकॉर्ड आदि शामिल हैं। और उसके कारण अमेरिका में सर्वाधिक फोकस में राष्ट्रपति ट्रंप लगातार हैं। उनके एपस्टीन के साथ रिश्तों का तानाबाना और खुला है।

शायद इसी कारण अमेरिकी न्याय विभाग ने सभी दस्तावेज जारी नहीं किए। उसने खुद बताया है कि और भी दस्तावेज फाइलों में हैं, मगर उन्हें जारी नहीं किया जाएगा। यदि अमेरिका की संसद अपने कानूनी अधिकारों से जस्टिस विभाग को मजबूर नहीं करती, तो शुक्रवार के दस्तावेज भी सार्वजनिक नहीं होते। इसलिए आगे ट्रंप प्रशासन की मुश्किलें बढ़ेंगी। जस्टिस विभाग ने ट्रंप या उन जैसी वैश्विक हस्तियों को बचाने के लिए दस्तावेजों के महत्वपूर्ण अंश, जैसे गवाहों के बयानों पर काली स्याही पोतकर उन्हें पब्लिक से ओझल किया।

मतलब नाबालिग या कम उम्र की यौन पीड़िता ने गवाही में अपना जो बयान दर्ज कराया, उसके पूरे पेज को काली स्याही से पोत दिया। इस तरह स्याही से नाम, गवाही सब मिटा दिए गए। मतलब नेटवर्क के उजागर हुए कोई बीस-पच्चीस दलालों, सप्लायरों में किसने क्या किया और यौन-शोषण की शिकार महिलाओं ने क्या बयान दिए, सब काली स्याही में छुपाकर जस्टिस विभाग ने दस्तावेज जारी किए हैं।

सो, अमेरिकी कांग्रेस और खासकर डेमोक्रेट सांसदों ने न्यायिक विभाग पर आरोप लगाया है कि पहले तो उसने कानूनी समयसीमा की पालना नहीं की। फिर फाइलों को पूरी और बिना काले अक्षरों के रूप में जारी नहीं किया, ताकि पावरफुल लोगों की पहचान दबी रहे। उस नाते कह सकते हैं कि कहानी तो अभी शुरू हुई है।

अमेरिकी मीडिया में यह बहस चली हुई है कि फाइलों के सार्वजनिक किए जाने के बावजूद कितने लाख कागज, फोटो, वीडियो न्यायिक विभाग ने दबाए हुए हैं? कितनी सच्चाई और गवाही सामने आई है और कितनी छिपी हुई है?

ईमेल दस्तावेजों में राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप का नाम बार-बार है। इन्हें ट्रंप ने डेमोक्रेट नेताओं की साजिश कहकर खारिज किया है। ताजा दस्तावेजों के हाई-प्रोफाइल व्यक्तियों में बिल गेट्स, ट्रंप के वाणिज्य मंत्री, ब्रिटिश प्रिंस एंड्रयू माउंटबेटन-विंडसर, इलॉन मस्क आदि कई नाम हैं।

निश्चित ही जिक्र से यह निष्कर्ष नहीं निकलता है कि ये सभी एक ही थैली के चट्टे-बट्टे थे, मगर यह भी तथ्य है कि भंडाफोड़ होने के खतरे के चलते ब्रिटेन के प्रिंस एंड्रयू माउंटबेटन-विंडसर ने पहले ही पदवी छोड़ दी। एपस्टीन द्वारा प्रिंस को भेजी गई यौन शोषण की शिकार महिला ने कहा है कि उन्हें पूर्व प्रिंस के साथ सेक्स के लिए ब्रिटेन भेजा गया था। इस महिला के वकील ने एपस्टीन के वैश्विक नेटवर्क की शिकार दो सौ से ज्यादा यौन पीड़िताओं के मामले देख रहे हैं। उन्होंने वर्जीनिया जियुफरे का भी केस लड़ा, जिसका आरोप था कि सन 2001 में, जब वह 17 साल की थीं, तब उन्हें लंदन लाया गया ताकि वह पूर्व प्रिंस की भूख पूरी कर सकें।

जेफरी एपस्टीन को सबसे पहले 2008 में फ्लोरिडा में 14 साल की लड़की से सेक्स के लिए उकसाने के मामले में दोषी ठहराया गया था। उसने अपनी सजा जुलाई 2010 में पूरी की। बीबीसी के अनुसार, एपस्टीन ने तब कई महिलाओं को व्यावसायिक उड़ानों और अपने निजी जेट्स के जरिए ब्रिटेन पहुंचाया था।

सो, जेफरी एपस्टीन का कारनामा, वैश्विक नेटवर्क का ही नहीं है। इस कहानी के और भी पहलू है। अमेरिकी मीडिया में कहा जा रहा है कि इजराइल की खुफिया एजेंसी मोसाद की बदौलत एपस्टीन का साम्राज्य बना। अमेरिका में यहूदी ताक़त का वह एक प्रतिनिधि चेहरा था। इसलिए पश्चिम एशिया की क्षेत्रीय राजनीति, ईरान बनाम सऊदी अरब की भू-राजनीति से लेकर मालदीव के राष्ट्रपति द्वारा चुनाव के लिए एपस्टीन से गुहार, आदि के ऐसे असंख्य क्रिस्से हैं, जिससे मालूम होता है कि दुनिया वैसे ही चलती हुई है जैसे भारत में लुटियन दिल्ली के नेटवर्क रहे है।

बावजूद एपस्टीन ने सालों तक जितना बड़ा यौन तस्करी नेटवर्क चलाया है तथा वह देशों/शक्तिशाली व्यक्तियों से लगातार जुड़ा रहा, वह भूमंडलीकृत दुनिया से विकसित अजूबा था। खासकर इसलिए कि वैश्विक मीडिया की सक्रियता के बावजूद कभी किसी को भनक नहीं लगी। एपस्टीन मूलतः पूंजीपति फाइनेंसर था। वित्तीय करियर में उसने अमीर, शक्तिशाली और प्रसिद्ध लोगों के साथ सेक्स के जरिए वैश्विक सामाजिक नेटवर्क बनाया। 2008 में उसे कम उम्र की लड़कियों के साथ यौन गतिविधि के लिए अदालत ने दोषी ठहराया था। बावजूद इसके वह रूका, थमा नहीं। जेल से छूटने के बाद उसने रुतबा बनाया।2019 में वह फेडरल नाबालिग यौन तस्करी के आरोपों में गिरफ्तार हुआ। अदालत फैसला सुनाने ही वाली थी कि उसने 2019 में जेल में आत्महत्या की।

कैसा अजब मामला है जो अमेरिका की व्यवस्था यानी अदालत, संसद, मीडिया आदि से इस वैश्विक नेटवर्क की परतें तब खुलती हुई हैं, जब ट्रंप का पहला कार्यकाल था; या अब दूसरा कार्यकाल है। मेरा मानना है कि नई परतों की नई सुखियों ने ट्रंप को बैचेन तो किया होगा। तभी जिस दिन न्यायिक विभाग ने दस्तावेज सार्वजनिक किए, उसी दिन ध्यान बंटाने के लिए अमेरिकी पत्रकारिता का एक जाना-माना पत्रकार एक बेहूदा मामले में गिरफ्तार हुआ।सो, संभव है कि राष्ट्रपति ट्रंप नई सुखियों के लिए अचानक ईरान पर निशाना साधकर अपने सूरमा होने की नई सुर्खी बनाने की कोशिश करें।

9000 फीट की ऊंचाई पर राजिम कुंभ कल्प का प्रचार

नई दृष्टिबिंदु / रायपुर

पवतारोहण एवं ट्रैकिंग के क्षेत्र में सक्रिय ग्राम पोंड़, जिला गरियाबंद के युवा खेमराज साहू ने हिमाचल प्रदेश की बर्फीली वादियों में राजिम कुंभ कल्प मेला 2026 का प्रचार कर जिले एवं प्रदेश का गौरव बढ़ाया है। उन्होंने कुल्लू जिले की सोलंग वैली से पतालसू पीक ट्रैक के दौरान लगभग 9000 फीट की ऊंचाई पर माइनस 6 डिग्री तापमान में तिरंगा एवं छत्तीसगढ़ महतारी की छायाप्रति के साथ मेले का संदेश प्रदर्शित किया।

उल्लेखनीय है कि पतालसू पीक की कुल ऊंचाई लगभग 13,900 फीट है।03 फरवरी 2026 को अत्यधिक बर्फबारी एवं प्रतिकूल मौसम के कारण कुल्लू जिला प्रशासन द्वारा ऊंचाई वाले क्षेत्रों में ट्रैकिंग पर प्रतिबंध लगा दिया गया था। निर्धारित मार्ग पर 8 से 10 फीट तक बर्फ जमी होने के बावजूद खेमराज साहू एवं उनके साथियों ने एडवेंचर वैली के प्रशिक्षु माउंटेनियर के मार्गदर्शन में सोलंग वैली से शगाड़ु के जंगलों के रास्ते ट्रैकिंग का प्रयास किया।

सीने तक जमी बर्फ को हटाते हुए एवं कठिन परिस्थितियों का सामना करते हुए लगभग 9000 फीट की ऊंचाई पर उन्होंने सफलतापूर्वक तिरंगा लहराते हुए राजिम कुंभ कल्प मेला 2026 का प्रचार किया। इस अभियान में छत्तीसगढ़ के नितेश अग्रवाल, राजनांदगांव तथा ओड़िशा की प्रवासिनी सहित अन्य साथी शामिल रहे। पूर्व में वर्ष 2023 में खेमराज साहू केदारकंठा (12,500 फीट), उत्तराखंड में भी जिले का प्रतिनिधित्व कर चुके हैं तथा उनका नाम वर्ल्ड वाइड बुक ऑफ रिकॉर्ड्स में दर्ज है।

धान मूल्य के अंतर की राशि का होली से पहले भुगतान के लिए आभार: शशिकांत द्विवेदी

नई दृष्टिबिंदु / रायपुर

मुख्यमंत्री विष्णु देव साय के नेतृत्व वाली राज्य सरकार ने प्रदेश के किसानों से पारदर्शिता के साथ सफलतापूर्वक 141 लाख मीट्रिक टन से अधिक धान की खरीदी की है, जिसका समर्थन मूल्य के तहत भुगतान किया जा चुका है। मुख्यमंत्री श्री साय की अध्यक्षता में 11 फरवरी को आयोजित मंत्रिपरिषद की बैठक में होली त्यौहार से पहले किसानों को कृषक उन्नति योजना के तहत अंतर की राशि देने का निर्णय लिया है। इस पर छत्तीसगढ़ राज्य सहकारी विपणन संघ के प्राधिकारी शशिकांत द्विवेदी ने स्वागत करते हुए आभार व्यक्त किया है।

गौरतलब है कि राज्य सरकार इस वर्ष प्रदेश के 25.24 लाख से अधिक किसानों से 141 लाख मीट्रिक टन से अधिक धान की खरीदी की है। धान के एवज में माकर्फेड द्वारा किसानों के बैंक खाते में 31 हजार 275 करोड़ रूपए का भुगतान किया गया है। छत्तीसगढ़ सरकार बीते तीन खरीफ विपणन सीजन से किसानों से प्रति एकड़ 21 क्विंटल 3100 रूपए की मान से धान खरीदी कर अपने वायदे को पूरा कर रही है। मंत्री परिषद के इस निर्णय से किसानों में उत्साह का माहौल है। होली त्यौहार के पहले ही अंतर की राशि का भुगतान होने होली त्यौहार की खुशी का उत्साह और दोगुनी हो जाएगी। छत्तीसगढ़ राज्य सहकारी विपणन संघ के प्राधिकारी शशिकांत द्विवेदी ने जानकारी देते हुए बताया कि कृषक उन्नति योजना के तहत पिछले दो वर्षों में किसानों को 25 हजार करोड़ रुपये का भुगतान किया जा चुका है। उन्होंने इस निर्णय के लिए मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय एवं मंत्री परिषद के सभी सदस्यों के प्रति आभार व्यक्त किया।

पीएम सूर्य घर योजना: मनोज बने दूसरों के लिए प्रेरणास्त्रोत

नई दृष्टिबिंदु / रायपुर

प्रधानमंत्री पीएम सूर्य घर मुफ्त बिजली योजना के तहत राज्य के ग्रामीण और शहरी क्षेत्र तेजी के साथ जगमग हो रही है। सूरजपुर जिले के सिलफिली निवासी मनोज विश्वास योजना के सफल लाभार्थी बनकर दूसरों के लिए प्रेरणास्रोत बन गए हैं। श्री विश्वास ने अपने घर की छत पर सोलर पैनल स्थापित कर न केवल बिजली बिल में उल्लेखनीय बचत की है, बल्कि स्वच्छ ऊर्जा उत्पादन के माध्यम से पर्यावरण संरक्षण में भी योगदान दे रहे हैं।

उल्लेखनीय है कि सूरजपुर जिले में पीएम सूर्यघर योजना के अंतर्गत बड़ी संख्या में आवेदन प्राप्त हो रहे हैं, जो आमजन की बढ़ती जागरूकता और विश्वास को दर्शाता है। योजना के प्रभावी क्रियान्वयन हेतु जिले में 25 सक्रिय वेंडर कार्यरत हैं, जिससे आवेदन से लेकर सोलर रूफटॉप इंस्टॉलेशन तक की प्रक्रिया सुचारु रूप से संचालित हो रही है। हितग्राही श्री मनोज विश्वास की सफलता से प्रेरित होकर अन्य नागरिक भी इस योजना से जुड़ रहे हैं। यह योजना आर्थिक राहत, ऊर्जा आत्मनिर्भरता और पर्यावरण संरक्षण की दिशा में एक प्रभावी जन आंदोलन बनती जा रही है।

मीना बनीं महिला सशक्तिकरण की मिसाल, लखपति दीदी बन आत्मनिर्भरता की मिली नई पहचान

नई दृष्टिबिंदु / बलरामपुर

जिले के रामचन्द्रपुर जनपद पंचायत के ग्राम मरमा की मीना रवि स्व-सहायता समूह से जुड़ कर अपने व परिवार के भविष्य को नई दिशा दी है। कभी दो वक्त की रोटी के लिए संघर्ष करने वाली मीना आज आत्मनिर्भरता और महिला सशक्तिकरण की सशक्त मिसाल बन चुकी हैं।

कुछ वर्ष पूर्व तक मीना रवि का जीवन अभावों से घिरा हुआ था। परिवार की आर्थिक स्थिति अत्यंत

जीर्ण और कष्टसाध्य रोगों में आयुर्वेदिक पंचकर्म से नई उम्मीद

नई दृष्टिबिंदु / कोरबा

आयुष विभाग अंतर्गत स्पेशलाइज्ड थेरेपी सेंटर, सह संस्था सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र कटघोरा में राष्ट्रीय आयुष मिशन के तहत राष्ट्रीय संधिवात कार्यक्रम के अंतर्गत संधिवात, अस्थिगतवात, वातरक्त, अवबाहुक जैसे जीर्ण एवं कष्टसाध्य रोगों का आयुर्वेदिक पंचकर्म चिकित्सा पद्धति द्वारा प्रभावी उपचार किया जा रहा है। आधुनिक जीवनशैली, खान-पान की अनियमितता और शारीरिक गतिविधियों में कमी के कारण कम आयु में भी अस्थि-संधिगतवात रोगों की संख्या बढ़ती जा रही है, जो अत्यंत चिंताजनक है। इसी चुनौती को ध्यान में रखते हुए केंद्र में पंचकर्म चिकित्सा के माध्यम से जनकल्याणकारी पहल संचालित की जा रही है।

इस प्रयास का मूल उद्देश्य आमजन को आयुर्वेदिक पंचकर्म चिकित्सा पद्धति की सुरक्षित और प्रभावी भूमिका से अवगत कराना है। अस्थि-

संधिगतवात रोगों की प्रारंभिक जांच के माध्यम से इनकी समय पर पहचान सुनिश्चित की जा रही है तथा पंचकर्म चिकित्सा के क्षेत्र में आयुष प्रणाली की क्षमता को जनसामान्य के समक्ष दृढ़ता से स्थापित किया जा रहा है।

कार्यक्रम का स्वरूप

स्पेशलाइज्ड थेरेपी सेंटर कटघोरा में रोगियों की विस्तृत जांच, परामर्श और मार्गदर्शन प्रदान किया गया। पंचकर्म चिकित्सा के अंतर्गत स्नेहन, स्वेदन, कटिबस्ती, जानुबस्ती, मात्रावस्ति, नस्य, विरेचन और शिरोधारा जैसी पारंपरिक प्रक्रियाओं के माध्यम से अनेक जीर्ण एवं कष्टसाध्य रोगों का सफल उपचार किया गया। उपचार प्रक्रियाओं में रोगियों को राहत, सहजता और दीर्घकालिक लाभ प्राप्त हुए।

पंचकर्म चिकित्सा अंतर्गत विगत वर्ष कुल 5399 पंचकर्म प्रक्रियाओं का सफलतापूर्वक निष्पादन किया गया। उपचार प्राप्त करने वाले रोगियों में पंचकर्म उपरांत शीघ्र स्वास्थ्य लाभ, पुनरावृत्ति में कमी और उच्च संतुष्टि देखने को मिली। क्षेत्र में आयुर्वेदिक पंचकर्म चिकित्सा के प्रति जनविश्वास में उल्लेखनीय वृद्धि हुई है और

लोग इसका लाभ लेने के लिए अधिक संख्या में केंद्र पहुंच रहे हैं। उपचार से लाभ हासिल करने वाली शुकवारा बाई, उम्र 52 वर्ष ने बताया कि वह दोनों घुटनों में अत्यधिक दर्द से पीड़ित थीं और चिकित्सकों द्वारा उन्हें ऑपरेशन की सलाह तक दे दी गई थी। स्पेशलाइज्ड थेरेपी सेंटर कटघोरा में उन्होंने पंचकर्म चिकित्सा के अंतर्गत अभ्यंग, नाड़ी स्वेदन और जानुबस्ती की प्रक्रियाएं लीं। लगभग एक माह के उपचार के बाद उन्हें आशातीत राहत मिली। घुटनों के दर्द में भारी कमी आई, चलने-फिरने में सहजता बढ़ी और उन्हें ऑपरेशन की आवश्यकता नहीं रह गई। आज वे सामान्य जीवनशैली के साथ अपनी दैनिक गतिविधियों को आरामपूर्वक पूरा कर पा रही हैं और पंचकर्म चिकित्सा को अपने लिए जीवनदायी मानती हैं।

स्पेशलाइज्ड थेरेपी सेंटर कटघोरा में आयुर्वेदिक पंचकर्म चिकित्सा जीर्ण और कष्टसाध्य रोगों में अत्यंत प्रभावी सिद्ध हो रही है। इस चिकित्सा पद्धति ने अनेक रोगियों को राहत प्रदान की है और कई मामलों में शल्य क्रिया की आवश्यकता भी समाप्त कर दी है। इस पहल से न केवल स्वास्थ्य लाभ बढ़ा है, बल्कि आयुर्वेदिक चिकित्सा प्रणाली के प्रति लोगों का विश्वास भी उल्लेखनीय रूप से मजबूत हुआ है।

राजनांदगांव में मतदाता सूची पर संग्राम–फार्म–7 विवाद ने गरमाई राजनीति, सुनियोजित नाम विलोपन के आरोप

नई दृष्टिबिंदु / राजनांदगांव

शहर के राजेंद्र प्रसाद वार्ड में मतदाता सूची से नाम विलोपित कराने के कथित प्रयास को लेकर राजनीतिक माहौल अचानक गरमा गया है। वार्ड के नागरिकों से जुड़े दो अलग-अलग आवेदनों और कांग्रेस नेताओं द्वारा प्रस्तुत ज्ञापन के बाद मामला अब प्रशासनिक जांच के दायरे में आ गया है। पूरे घटनाक्रम ने स्थानीय स्तर पर लोकतांत्रिक प्रक्रियाओं की पारदर्शिता पर गंभीर प्रश्न खड़े कर दिए हैं।

कांग्रेस नेता आसिफ अली ने दावा किया है कि फार्म-7 के माध्यम से 32 मतदाताओं के नाम स्थायी रूप से स्थानांतरित दर्शाकर हटाने का प्रयास किया गया, जबकि संबंधित मतदाता अब भी उसी वार्ड के निवासी हैं। उनके अनुसार, राशन कार्ड, आधार कार्ड सहित अन्य शासकीय दस्तावेज संबंधित वार्ड के पते की पुष्टि करते हैं और किसी अन्य वार्ड की मतदाता सूची में नाम दर्ज होने के प्रमाण भी नहीं हैं।

आसिफ अली की अगुवाई में प्रतिनिधिमंडल ने तहसीलदार और चिखली चौकी में दस्तावेजी साक्ष्यों के साथ ज्ञापन सौंपते हुए विधिसम्मत जांच और दोषियों के विरुद्ध कार्रवाई की मांग की। ज्ञापन में इस कृत्य को जनप्रतिनिधित्व अधिनियम, 1950 के प्रावधानों के विपरीत बताते हुए दंडनीय अपराध की श्रेणी में रखने की बात कही गई है। प्रशासनिक अधिकारियों ने मामले की निष्पक्ष जांच का आश्वासन दिया है।

विवाद को और तीखा तब माना जा रहा है जब प्रारंभिक आरोपों में भारतीय जनता पार्टी से जुड़े कुछ स्थानीय नेताओं के नाम सामने आने की बात कही गई। हालांकि, इन आरोपों पर संबंधित पक्षों की आधिकारिक प्रतिक्रिया अभी तक सार्वजनिक नहीं हुई है। राजनीतिक विश्लेषकों का मानना है कि जांच पूरी होने तक किसी निष्कर्ष पर पहुंचना जल्दबाजी होगी, लेकिन आरोपों की गंभीरता ने मामले को संवेदनशील बना दिया है।

कांग्रेस पक्ष ने इसे लोकतांत्रिक अधिकारों पर सीधा प्रहार करार देते हुए कहा कि मतदाता सूची से नाम हटाना मात्र प्रशासनिक प्रक्रिया नहीं, बल्कि नागरिक के संवैधानिक अधिकार से जुड़ा विषय है। पार्टी नेताओं ने चेतावनी दी कि यदि निष्पक्ष जांच और वैधानिक कार्रवाई नहीं हुई तो लोकतांत्रिक दायरे में रहकर विरोध दर्ज कराया जाएगा। इस संदर्भ में राहुल गांधी द्वारा देशभर में मतदाता सूची से जुड़े मुद्दों पर उठाए गए सवालों का भी उल्लेख किया गया।

उधर, वाडर्वासियों के बीच इस घटनाक्रम को लेकर असमंजस और चिंता का माहौल देखा जा रहा है। स्थानीय नागरिकों का कहना है कि मतदाता सूची की शुचिता लोकतंत्र की आधारशिला है और किसी भी प्रकार की त्रुटि या भ्रामक जानकारी से जनविश्वास प्रभावित होता है। अब सबकी निगाहें प्रशासनिक जांच पर टिकी हैं। निष्पक्षता और तथ्यों के आधार पर होने वाली कारर्वाई ही इस राजनीतिक विवाद को स्पष्ट दिशा दे सकेगी।

लोकतंत्र में वोट चोरी का भंडाफोड़ – भाजपा के चेहरे बेनकाब, आसिफ अली ने खोली साजिश की परतें

शहर के राजेंद्र प्रसाद वार्ड में मतदाता सूची से नाम विलोपित करने के सुनियोजित षड्यंत्र का गंभीर मामला सामने आया है। कांग्रेस के सक्रिय, ऊर्जावान एवं जनहित के लिए सदैव तत्पर रहने वाले नेता आसिफ अली ने फार्म-7 के माध्यम से 32 मतदाताओं के नाम गलत जानकारी देकर हटाने के प्रयास का दस्तावेजी साक्ष्यों सहित भंडाफोड़ किया है।

आसिफ अली की अगुवाई में एक प्रतिनिधिमंडल, जिसमें प्रमुख रूप से पूर्व अध्यक्ष कुलबीर सिंह छाबड़ा, पूर्व महापौर हेमा देशमुख, शहर कांग्रेस कमेटी के पूर्व कार्यवाहक अध्यक्ष रमेश डाकलिया, जिला कांग्रेस कमेटी के प्रवक्ता अनीस खान एवं अमित चंद्रवंशी शामिल थे, ने चिखली चौकी प्रभारी एवं तहसीलदार को 32 पृष्ठों के ठोस दस्तावेजी साक्ष्यों सहित ज्ञापन सौंपकर मांग की कि गलत जानकारी देने वाले व्यक्तियों के विरुद्ध विधिसम्मत जांच कर अपराधिक प्रकरण दर्ज किया जाए। प्रशासनिक अधिकारियों ने मामले की निष्पक्ष जांच कर आवश्यक वैधानिक कार्यवाही का आश्वासन दिया है। ज्ञापन में स्पष्ट उल्लेख किया गया है कि यह कृत्य जनप्रतिनिधित्व अधिनियम, 1950 के प्रावधानों के विपरीत है तथा भारतीय न्याय संहिता (इठर) की धारा 212 के अंतर्गत दंडनीय अपराध की श्रेणी में आता है। आसिफ अली ने बताया कि फार्म-7 में मतदाताओं को स्थायी रूप से स्थानांतरित दर्शाकर उनके नाम विलोपित कराने का प्रयास किया गया, जबकि संबंधित मतदाता उसी वार्ड के निवासी हैं एवं उनका राशन कार्ड, आधार कार्ड आदि शासकीय दस्तावेज सम्बन्धित वार्ड का है व इन सभी का किसी अन्य वार्ड की मतदाता सूची मे नाम भी दर्ज नहीं हैं। उल्लेखनीय है कि जिन 32 मतदाताओं के नाम हटाने का आवेदन दिया गया, उनमें से 4 मतदाता स्वयं उपस्थित होकर कार्यवाही हेतु आवेदन पत्र प्रस्तुत किये हैं शेष , जिससे स्पष्ट है कि यह पूरी कारर्वाई भ्रामक एवं तथ्यहीन जानकारी पर आधारित है। प्रारंभिक तथ्यों से यह भी उजागर हुआ है कि फार्म-7 में गलत जानकारी देकर नाम विलोपन का प्रयास करने वालों में भाजपा के पूर्व पार्षद देवेश घाटोड़े एवं किशन अग्रवाल के नाम शामिल हैं। यह भाजपा द्वारा लोकतांत्रिक व्यवस्था को प्रभावित करने का गंभीर और सुनियोजित प्रयास प्रतीत होता है। आसिफ अली ने कहा कि कांग्रेस नेता राहुल गांधी लगातार देशभर में मतदाता सूची में गड़बड़ी और वोट चोरी के प्रयासों को उजागर करते रहे हैं। उसी क्रम में आज राजनांदगांव में भी भाजपा के इस कुत्सित प्रयास का खुलासा आम जनता के सामने हुआ है। उन्होंने स्पष्ट किया कि यदि दोषियों पर शीघ्र वैधानिक कार्यवाही नहीं हुई तो कांग्रेस पार्टी लोकतांत्रिक दायरे में रहकर कड़ा प्रतिरोध दर्ज कराएगी। अंत में उन्होंने कहा कि मतदाता सूची से नाम हटाना केवल प्रशासनिक प्रक्रिया नहीं, बल्कि नागरिक के संवैधानिक अधिकार पर सीधा प्रहार है। कांग्रेस पार्टी लोकतंत्र और मताधिकार की रक्षा के लिए हर स्तर पर संघर्ष करती रहेगी। ज्ञापन सौंपे जाने के समय मुख्य रूप से इब्राहिम खान, बबलू कसार, सैय्यद अफजल, पार्षद छोटेलाल रामटेके, हितेश गोन्नाडे, पूनम बोदेलकर, मंडल अध्यक्ष हनीफ खान, निरंजन पासवान, कृष्णा मेश्राम, राहुल गजभिये, गोपी रजक, परस लहरे, विशाल गढ़े, जितेंद्र साहू, शैलेश ठावरे, शेख अनीश, महेश साहू, किशन सिन्हा, हिमांशु बंजारी, सलीम खान, अंसार खान, गोपाल सिन्हा, तसलीम खान, हरि साहू, जुगुनू ठाकुर, दीपक यादव, रमणीक यादव, ऋषि रजक, रजत कुलदीप, चंचल देवांगन, प्रियेश मेश्राम, जुनैद खान, विशाल श्रीवास, घनश्याम विश्वकर्मा, टी. नागभूषण राव, मोहित कोचरे, संतोष मंडल, अशोक मंडल, प्रमोद सोनटके, दुष्यन्त पासवान, कुंदन वाहने, जीतू वर्मा, राहुल पासवान, सोनू साहू, विकास पासवान, राकेश निषाद, विक्की यादव, अरविंद पासवान, बहादुर रजक, महेश निषाद, निखिल यादव, परमानंद तिवारी, शीतल यादव, कुशल यादव सहित बड़ी संख्या में वाडर्वासी एवं कांग्रेसजन उपस्थित थे।

खास खबर

दौलतराम ने ग्रीष्मकालीन धान के बदले लगाई धनिया की फसल

नई दृष्टिबिंदु / राजनांदगांव

जिले में उद्यानिकी फसलों की ओर किसानों का रूझान बढ़ा है। ग्रीष्मकालीन धान के बदले धनिया की फसल लेने के लिए प्रोत्साहित किया जा रहा है। राजनांदगांव विकासखंड के ग्राम जंगलेसर के किसान दौलतराम साहू ने 2.5 एकड़ में धनिया की फसल लगाई है। उन्होंने बताया कि उद्यानिकी विभाग से इसके लिए मदद मिली है तथा 20 किलो धनिया बीज प्राप्त हुआ है। फसल चक्र परिवर्तन को ध्यान में रखते हुए उन्होंने यह फसल लगाई है। विशेषकर फल धनिया से उन्हें मार्च-अप्रैल में इसका लाभ मिलेगा।

उन्होंने कहा कि फसल विविधीकरण के बहुत से लाभ है। धान की फसल की अपेक्षा धनिया की खेती में कम पानी लगता है। भूमि की उर्वरक क्षमता बढ़ती है, लागत कम आती है और बीमारी कम होती है। धान की फसल की तुलना में अन्य फसलों से अधिक लाभ हो रहा है। शासन द्वारा चना, सरसों एवं अन्य फसलों की भी खरीदी करने की घोषणा की गई है, जिससे किसानों को और भी लाभ होगा। उन्होंने कहा कि छत्तीसगढ़ सरकार द्वारा मंत्रीपरिषद की बैठक में लिए गए निर्णय के अनुसार समर्थन मूल्य पर धान बेचने वाले किसानों को 3100 रूपए प्रति क्विंटल के मान से अंतर की राशि होली पर्व से पहले एक मुश्त भुगतान करने का निर्णय लिया गया है। यह किसानों के लिए बहुत ही खुशी की बात है।

किसानों को मिली खुशखबरी : किसानों ने मुख्यमंत्री को दिया धन्यवाद

राजनांदगांव। मंत्रिपरिषद ने राज्य में समर्थन मूल्य पर धान बेचने वाले किसानों को 3100 रूपए प्रति क्विंटल के मान से अंतर की राशि होली पर्व से पहले एकमुश्त भुगतान किए जाने का महत्वपूर्ण निर्णय लिया है। किसानों ने यह खुशखबरी मिलने पर हर्ष व्यक्त किया। राजनांदगांव विकासखंड के ग्राम भंवरमरा के किसान रामावतार सिन्हा ने कहा कि मंत्रिपरिषद की बैठक में होली के पहले किसानों को 3100 रूपए प्रति क्विंटल के मान से अंतर की राशि का एकमुश्त भुगतान किया जाएगा। उन्होंने इसके लिए मुख्यमंत्री विष्णु देव साय को धन्यवाद ज्ञापित किया। ग्राम मुसराकला के किसान कंवल निर्मलकर ने कहा कि उन्होंने इस वर्ष 28 क्विंटल धान की बिक्री की है। उन्होंने बताया कि धान बिक्री की राशि धाते में समय पर प्राप्त हो गई है, इसके लिए प्रदेश के मुखिया विष्णु देव साय को आधार व्यक्त किया। उन्होंने कहा कि हम सभी किसान होली पर्व के पहले अंतर की राशि मिलने से होली का त्यौहार अच्छे से मना पाएंगे। होली त्यौहार पर हम किसानों के चहरे पर खुशी एवं रौनक आयेगी।

प्लेसमेंट कैम्प का आयोजन

कवर्धा। कबीरधाम जिले के ऐसे इच्छुक अभ्यर्थी जो, निजी क्षेत्रों में रोजगार करना चाहते है। उन्हें अवसर प्रदान करने के उद्देश्य से जिला रोजगार एवं स्वरोजगार मार्गदर्शन केन्द्र कार्यालय परिसर में 18 एवं 19 फरवरी 2026 को प्रातः 11 बजे से दोपहर 03 बजे तक प्लेसमेंट कैम्प का आयोजन किया जा रहा है। जिसमें 18 जनवरी 2026 को चौहान आटोमोबाईल एलएलपी, मारूती सुजुकी एरेना, ब्रांच कवर्धा द्वारा पद सर्विस एडवाईजर के 04 एवं टेक्निकल एडवाईजर के 02 पद, टेक्निशियन के 02 पद, सेल्स एक्जीक्यूटिव के 03 पद उक्त समस्त पदों के लिए आयुसीमा न्यूनतम 18 वर्ष है। 19 फरवरी 2026 को पुस्कल एग्रोटेक लिमिटेड, तेलीबांधा, रायपुर द्वारा सेल्स आफिसर के 35 पदों, सेल्स रिप्रेसेन्टेटिव के 20 पदों पर भर्ती किया जाना है। यह प्लेसमेंट कैम्प पूणर्तः निःशुल्क है। द, संस्था, कार्य, वेतन व अन्य विस्तृत जानकारी कैम्प में उपस्थित नियोजक या प्रतिनिधि से संपर्क कर प्राप्त किया जा सकता है। प्लेसमेंट कैम्प में सम्मिलित होने के लिए इच्छुक अभ्यर्थी को अपने रोजगार पहचान पत्र, समस्त शैक्षणिक प्रमाण पत्र, स्थायी जाति व निवास प्रमाण पत्र, आधार कार्ड, 1 पासपोर्ट साईज फोटो, ड्राईविंग लायसेंस व अन्य प्रमाण पत्रों की मूलप्रति एवं छायाप्रतियों के साथ नियत समय में जिला रोजगार एवं स्वरोजगार मार्गदर्शन केन्द्र, जिला न्यायालय रोड, कवर्धा, जिला कबीरधाम में उपस्थित हो सकते है।

राजिम के भूतेश्वरनाथ महादेव दर्शन को उमड़ रहे श्रद्धालु

गरियाबंद। छत्तीसगढ़ का पवित्र तीर्थ राजिम, जिसे प्रदेश का प्रयाग कहा जाता है, इन दिनों कुंभ कल्प मेले के दौरान आस्था का केंद्र बना हुआ है। वैसे तो राजिम को शिवालयों की नगरी भी कहा जाता है। यहां संगम तट पर स्थित कुलेश्वरनाथ, राजराजेश्वर, दानेश्वर, पंचेश्वरनाथ, गरीबनाथ, सोमेश्वरनाथ, बटुकेश्वरनाथ और भुवनेश्वरनाथ जैसे अनेक प्राचीन शिव मंदिर श्रद्धालुओं की आस्था का केंद्र हैं। श्री राजीव लोचन मंदिर के सामने और पूर्व महोत्सव मंच के दाईं ओर स्थित प्राचीन भूतेश्वरनाथ महादेव का मंदिर स्थित है। यह मंदिर श्रद्धालुओं के लिए विशेष आकर्षण का केंद्र है। मंदिर में स्थापित शिवलिंग को राजिम का सबसे ऊंचा शिवलिंग माना जाता है, जिसके दर्शन के लिए बड़ी संख्या में भक्तों की भीड़ लगी रहती है।

राजनांदगांव में हथियार सप्लाई, 7 आरोपियों को पुलिस ने किया गिरफ्तार

नई दृष्टिबिंदु / राजनांदगांव

पुलिस को एक बड़ी सफलता हाथ लगी है। देशी कट्टा और पिस्टल दिखाकर लोगों को डराने-धमकाने वाले 7 आरोपियों को पुलिस ने गिरफ्तार किया है। आरोपियों के कब्जे से 2 देशी कट्टा, 2 पिस्टल और 1 जिंदा कारतूस बरामद किया गया है।

इस मामले का खुलासा पुलिस अधीक्षक अंकिता शर्मा ने पुलिस कंट्रोल रूम, राजनांदगांव में आयोजित प्रेस वार्ता के दौरान किया। जानकारी के अनुसार, शहर के पटरी पार क्षेत्र के शंकरपुर वार्ड क्रमांक 9 स्थित कब्रिस्तान के पास गुरुवार को शाम करीब 7 बजे चीखली थाना पुलिस को मुखबिर से सूचना मिली कि कुछ लोग पिस्तौल व देशी कट्टा

लेकर लोगों को लहराकर डरा-धमका रहे हैं। तभी पुलिस ने घेराबंदी कर मौके से 7 लोगों को हिरासत में लिया। पकड़े गए आरोपियों की तलाशी में पुलिस को दो नग देशी कट्टा, दो नग पिस्टल और एक जिंदा कारतूस मिला है। पुलिस ने आगे बताया कि हिरासत में आए आरोपियों के खिलाफ पूर्व से कई आपराधिक मामले दर्ज हैं।

आगे बताया गया कि जिस तरह से तमंचे लेकर आरोपी लहरा रहे थे, उससे अंदाजा लगाया जा सकता है कि वे किसी बड़ी वारदात को अंजाम देने की फिराक में थे। राजनांदगांव एसपी अंकिता शर्मा ने बताया कि सात आरोपियों को दुर्ग, धमतरी और राजनांदगांव से गिरफ्तार किया गया है। इनके कब्जे से दो पिस्टल और दो देशी कट्टा, यानी कुल चार फायर आर्म्स बरामद किए गए हैं। सभी आरोपियों के खिलाफ धारा 111 बीएनएस तथा आर्म्स एक्ट की धारा 25 और 27 के तहत प्रकरण दर्ज किया गया है। आरोपी ये हथियार मध्यप्रदेश के धार जिले से लेकर आए थे। वे भोपाल तक ट्रेन से गए थे और उसके बाद बस के माध्यम से हथियार लेकर वापस लौटे।

युवाओं को बेरोजगारी भत्ता देने पैसा नही, संघ समर्थित मीसा बंदियों पर खजाना लुटा रहे– कमलजीत सिंह

नई दृष्टिबिंदु / राजनांदगांव

मीसाबंदियों को पेंशन देने के निर्णय पर सवाल उठाते हुये प्रदेश कांग्रेस के वरिष्ठ प्रवक्ता कमलजीत सिंह पिंटू ने कहा कि भाजपा की सरकार सरकारी खजाने को संघ समर्थित मीसा बंदियों पर लुटा रही है। प्रदेश के युवाओं को न रोजगार दे पा रही है न बेरोजगारी भत्ता दे रही है।

मीसाबंदी राजनीतिक रूप से सरकार का विरोध कर रहे थे। उन्हें पेंशन देने की क्या आवश्यकता? क्या जनता की गाढ़ी कमाई भाजपा के समर्थित लोगों पर खर्च करने के लिये है? एक ओर सरकार कर्ज पर कर्ज ले रही है। कर्मचारियों को वेतन देने की स्थिति में नहीं है, सारे विकास काम वित्ति संकट के चलते बंद है, सड़क खराब है, सरकारी अस्पताल में सुविधाओं एवं दवा दवाई की कमी है, शिक्षा व्यवस्था बेहद खराब है, शिक्षकों की कमी समय पर पुस्तक वितरण नही हुआ छात्रवृत्ति नही मिला, सुरक्षा व्यवस्था ढर्रे पर है।

आदिवासी वर्ग को बीते कई महीने से चना गुड़ नही मिल रहा है। रसोइयों को सम्मानजनक वेतन नही दिया जा रहा है। किसानों को समय पर भुगतान नही हो रहा है। नगरीय निकाय क्षेत्रों को मिलने वाली राशि नही दी जा रही है। हर वर्ग सरकार के वसूली नीति से परेशान है। जिससे सुधारने वित्तीय संकट बताया जाता है। फिर मीसा बंदियों को करोड़ो रुपया पेंशन की देने की क्या आवश्यकता है। भाजपा सरकारी खजाने से अपने समर्थित लोगो को पाल पोस रही है। ये प्रदेश के साथ अन्याय है।

उन्होंने कहा कि भाजपा सरकार ने अपने कई राजनीतिक विरोधियों को जेल में बंद रखा है, झूठे मामले दर्ज किए है। रमन सरकार के दौरान सैकड़ो निर्दोष आदिवासियों को सालो तक जेल में बंद रखा गया, उनका भविष्य खराब किया और आज भी कई आदिवासियों को जेल में बंद किया गया है, क्या भाजपा सरकार उन्हें भी पेंशन देगी, जो खुद को लोकतंत्र के तथाकथित सेनानी बताते है क्या वो बतायेंगे भाजपा की सरकार लोकतंत्र की गला घोंट रही है। लोकतंत्र के तहत मिले अधिकारों से विरोध करने वालो कुचल रही लोकतंत्र के चतुर्थ स्तम्भको बंधक बना दिया गया है, तो ये तथाकथित लोकतंत्र के सेनानी मौन क्यो है? क्या भाजपा संघ समर्थित लोकतंत्र अलग है। कांग्रेस ने कहा कि संघ समर्थित तथाकथित लोकतंत्र सेनानियों पर जनता की पैसों को खर्च करना बंद करे आम जनता के हित में सरकारी खजाने का उपयोग किया जाये।

राजनांदगांव क्षेत्र के बिजली उपभोक्ताओं के लिए टैरिफ याचिकाओं पर जन-सुनवाई

नई दृष्टिबिंदु / राजनांदगांव

छत्तीसगढ़ राज्य विद्युत नियामक आयोग (सीएसईआरसी) द्वारा वित्तीय वर्ष 2026-27 से 2029-30 के लिए बिजली दरों (टैरिफ) के निर्धारण और राजस्व आवश्यकताओं से संबंधित याचिकाओं पर राजनांदगांव क्षेत्र (राजनांदगांव, मोहला-मानपुर-अम्बागढ़ चौकी, खैरागढ़-छुईखदान-गंडई एवं कबीरधाम जिले) के उपभोक्ताओं के लिए जन-सुनवाई आयोजित की जा रही है। सीएसईआरसी द्वारा पहली बार छत्तीसगढ़ राज्य के दूर-दराज क्षेत्रों के विभिन्न उपभोक्ताओं को उक्त जनसुनवाई की प्रक्रिया में हिस्सा लेने हेतु क्षेत्रवार ऑनलाईन की सुविधा उपलब्ध कराई जा रही है।

राज्य की बिजली कंपनियों (उत्पारायपुर कार्यालय में प्रत्यदन, पारेषण, वितरण एवं लोड डिस्पैच

सेंटर) द्वारा प्रस्तुत याचिकाओं पर आम जनता, किसान और उद्योगपति अपने सुझाव व आपत्तियाँ दर्ज करा सकते हैं। राजनांदगांव क्षेत्र के उपभोक्ताओं को आयोग के रायपुर कार्यालय से सीधे जुड़ने के लिए दिनांक 17 फरवरी 2026 को दोपहर 3:00 बजे से 04:30 बजे तक राजनांदगांव शहर के पारीनाला स्थित कायर्पालक निदेशक कार्यालय, छत्तीसगढ़ स्टेट पॉवर डिस्ट्रीब्यूशन कंपनी लिमिटेड, राजनांदगांव पर उपस्थित हो सकते हैं।

यदि कोई उपभोक्ता सीधे रायपुर आयोग कार्यालय में उपस्थित होकर अपनी बात रखना चाहता है, तो दिनांक 19 फरवरी 2026 को दोपहर 12:00 से 01:30 बजे तक कृषि एवं कृषि संबंधी कार्य, दोपहर 02:30 से 04:00 बजे तक घरेलू उपभोक्ता एवं सायं 04:00 से 05:30 बजे तक गैर-घरेलू उपभोक्ता उपस्थित होकर अपनी आपत्तियां एवं सुझाव प्रस्तुत कर सकते हैं। इसी तरह 20 फरवरी 2026 को दोपहर 12:00 से 01:30 बजे तक स्थानीय निकाय, नगर निगम एवं ट्रेड यूनियन आदि, दोपहर 02:30 से 04:00 बजे तक निम्न दाब उद्योग एवं सायं 04:00 से 05:30 बजे तक उच्च दाब उद्योग अपनी सुझाव प्रस्तुत कर सकेंगे। याचिकाओं का विस्तृत विवरण आयोग की वेबसाइट www.cserc.gov.in पर उपलब्ध है। राजनांदगांव क्षेत्र के सभी इच्छुक सम्मानीय उपभोक्ता और विभिन्न संगठन इस महत्वपूर्ण प्रक्रिया का हिस्सा बनकर अपने सुझाव दे सकते हैं।

वेद मंत्रों की गूंज और जयकारों से दिव्य बना वातावरण

आस्था का उमड़ा जनसैलाब, भव्य हनुमंत महाअभिषेक श्रद्धा के साथ सम्पन्न

नई दृष्टिबिंदु / खैरागढ़

परम तपस्वी संत रुख्खड़ स्वामी के आराध्य दक्षिणमुखी हनुमान जी के पावन सान्निध्य में आयोजित भव्य हनुमंत महाअभिषेक अत्यंत श्रद्धा, भक्ति और आध्यात्मिक उल्लास के साथ सम्पन्न हुआ। प्रातःकाल से ही मंदिर परिसर में श्रद्धालुओं का आगमन प्रारंभ हो गया था और देखते ही देखते पूरा परिसर भक्तों से भर गया।

वेदाचार्यों के सान्निध्य में विधि-विधानपूर्वक पूजा-अर्चना आरंभ हुई पंचामृत, गंगाजल, दुग्ध, दधि, घृत, शहद, चंदन एवं सुगंधित द्रव्यों से हनुमान जी का अभिषेक किया गया।। मंत्रोच्चार और शंखध्वनि के बीच जय श्री राम एवं बजरंग बली की जय के उद्घोष से वातावरण भक्तिमय हो उठा।। श्रद्धालुओं ने क्रमवार अभिषेक में सहभागिता कर अपने परिवार की सुख-समृद्धि, आरोग्यता और क्षेत्र की शांति की कामना की।।

कार्यक्रम के दौरान सामूहिक हनुमान चालीसा पाठ एवं विशेष आरती का आयोजन भी किया गया। दीपों की रोशनी और भक्ति संगीत से मंदिर परिसर आध्यात्मिक ऊर्जा से ओतप्रोत रहा। कई श्रद्धालुओं ने इसे आत्मिक शांति और सकारात्मक ऊर्जा का अद्भुत अनुभव बताया। आयोजन समिति के पदाधिकारियों ने बताया कि हनुमंत महाअभिषेक का उद्देश्य समाज में धर्म, सेवा और संस्कारों की भावना को सुदृढ़ करना है।।आयोजन में क्षेत्र के विभिन्न गांवों एवं नगर से बड़ी संख्या में श्रद्धालु शामिल हुए।

अंत में महाप्रसाद वितरण के साथ कार्यक्रम का समापन हुआ।।समिति ने सभी श्रद्धालुओं, यजमानों एवं सहयोगियों का आभार व्यक्त करते हुए भविष्य में भी ऐसे आध्यात्मिक आयोजनों में सहभागिता की अपील की।

खनिज विभाग ने अवैध तरीके से परिवहन कर रहे 4 वाहन किया जप्त

नई दृष्टिबिंदु / राजनांदगांव

कलेक्टर जितेन्द्र यादव के निर्देशानुसार जिले में खनिज के अवैध उत्खनन, परिवहन, भण्डारण के प्रभावी नियंत्रण के लिए खनिज विभाग द्वारा आकस्मिक निरीक्षण किया गया। खनि अधिकारी सुश्री ज्योति मिश्रा ने बताया कि खनिज विभाग की टीम ने जांच के दौरान अवैध खनिज परिवहन करने पर 4 वाहनों में खान एवं खनिज (विकास एवं विनियमन) अधिनियम के तहत जप्ती की कार्रवाई की गई है।

खनिज विभाग द्वारा डोंगरगांव थाना क्षेत्र में चूनापत्थर गिट्टी के अवैध परिवहन करते हुए ग्राम साल्हे निवासी अजय साहू के हाईवा वाहन सीजी 08 ए वाय 8339 जप्त किया गया। इसी तरह डोंगरगांव थाना क्षेत्र में चूनापत्थर गिट्टी के अवैध परिवहन करते हुए ग्राम

गैंदाटोला निवास शैलेन्द्र शर्मा के हाईवा सीजी 08 बीई 6894 और रेत का अवैध परिवहन करते हुए ग्राम मोहड़ निवासी दवेन्द्र साहू के माजदा वाहन को जप्त किया गया। तुमड़ीबोड़ थाना क्षेत्र में मुरूम का अवैध परिवहन करते हुए ग्राम मोहारा निवासी दुर्गेश देवांगन के हाईवा वाहन सीजी 08 ए डब्ल्यू 3809 को जप्त किया गया। जप्त वाहनों को संबंधित क्षेत्र के थानों में प्रकरण दर्ज कर खान एवं खनिज (विकास एवं विनियमन) अधिनियम के तहत कार्रवाई की जा रही है।

!! न्यायालय अतिरिक्त तहसीलदार भिलाई नगर तहसील व जिला दुर्ग !!

– ईश्तहारः–

रा०प्र०के० 2026011010001 /
अ–6 वर्ष 2025–26

एतद् द्वारा सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि आवेदक इन्दिरा मनोचा पिता स्व० एच.सी. मनोचा निवासी भिलाई द्वारा ग्राम कुरूद प०ह०नं0 46 स्थित भूमि ख0नं0 600/1 रकबा 1.190हे० भूमि आवेदक के माता के नाम पर दर्ज है भूमिस्वामी की मृत्यु हो जाने से भूमिस्वामी का नाम विलोपित कर उनके विधिक वारीसानो का नाम दर्ज किये जाने के संबंध में आवेदन–पत्र इस न्यायालय में प्रस्तुत किया गया है।

अतः उक्त संबंध में पर जिस किसी भी व्यक्ति को आपत्ति या उजर दावा हो तो सुनवाई तिथि दिनांक 16.02.2026 तक या उसके पूर्व स्वयं या अपने मान्य अधिवक्तागण के साथ उपस्थित होकर अपना आपत्ति प्रस्तुत कर सकते है। निर्धारित तिथि के बाद प्राप्त आवेदन पत्र पर कोई विचार नहीं किया जावेगा।

आज दिनांक 23.01.2026 को मेरे स्वयं के हस्ताक्षर एवं न्यायालय के मुहर से जारी किया गया है।

अतिरिक्त तहसीलदार
भिलाई नगर

आलिया भट्ट और राजकुमार राव की पहली बार बनेगी जोड़ी

आलिया भट्ट इन दिनों एक्शन फिल्म अल्फा और पीरियड रोमांस लव एंड वार को लेकर चर्चा में हैं। अब खबर है कि एक्ट्रेस जल्द ही हाउसवाइफ का हिस्सा भी होंगी। यह एक रिश्तों पर आधारित ड्रामा फिल्म है और इसे 'दृश्यम 2' के निर्देशक अभिषेक पाठक प्रोड्यूस कर रहे हैं। रिपोर्ट के अनुसार, आलिया भट्ट फिल्म में हाउसवाइफ का किरदार निभाएंगी। फिल्म में लीड एक्टर के तौर पर राजकुमार राव से बातचीत चल रही है, लेकिन अभी तक इस बारे में कोई आधिकारिक घोषणा नहीं हुई है। रिपोर्ट के अनुसार, आलिया भट्ट केवल मुख्य भूमिका निभाएंगी ही नहीं, बल्कि अपनी प्रोडक्शन कंपनी, एटरनल सनशाइन प्रोडक्शंस के तहत इस फिल्म की को-प्रोड्यूसर भी होंगी। वह इस प्रोजेक्ट में अभिषेक पाठक की पैनोरमा स्टूडियोज के साथ भी सहयोग करेंगी।

फिल्म की शूटिंग इस साल अगस्त-सितंबर में शुरू होने की संभावना है। यह प्रोजेक्ट तब शुरू होगा जब अभिषेक पाठक अपनी नई फिल्म 'दृश्यम 3' की शूटिंग पूरी कर लेंगे। इसके अलावा आलिया भट्ट 2027 के लिए कई अन्य प्रोजेक्ट्स पर भी बातचीत कर रही हैं, जिनमें मैडॉक फिल्म्स की हॉरर-कॉमेडी फिल्म 'चामुंडा' भी शामिल है। आलिया की अगली फिल्म 'अल्फा' होगी, जो शिव रावल के निर्देशन में बनने वाला एक हाई-ऑक्टेन एक्शन थ्रिलर है। इस फिल्म में वह एलिट ऑल-वुमेन कॉम्बैट यूनिट की कमांडिंग ऑफिसर का किरदार निभाएंगी, जिसमें उनके साथ शर्वरी वाघ भी हैं। यह फिल्म ह्व्रास्र स्पाय यूनिवर्स में सेट की गई है और इसमें बॉबी देओल भी अहम भूमिका में होंगे। यह फिल्म कब रिलीज होगी इसको लेकर अब तक कोई भी ऑफिशियल जानकारी सामने नहीं आई है। इसके अलावा आलिया भट्ट को फिल्ममेकर संजय लीला भंसाली की फिल्म 'लव एंड वार' में रणबीर कपूर और विक्की कौशल के साथ भी देखा जाएगा। उन्हें आखिरी बार वासन बाला की 'जिगरा' में अभिनेता वेदांग रैना के साथ स्क्रीन पर देखा गया था।

योगी दा में बिना किसी बॉडी डबल के सभी स्टंट मैंने खुद किए

साउथ फिल्म इंडस्ट्री की सफल अभिनेत्री साई धनशिका अपनी अपकमिंग फिल्म 'योगी दा' की रिलीज को लेकर उत्साहित हैं। साई फिल्म में एक्शन करती नजर आएंगी। उन्होंने बताया कि फिल्म 'योगी दा' में सभी स्टंट खुद किए हैं। उन्होंने बताया कि बिना किसी बॉडी डबल के एक्शन सीन पूरे किए महिलाएं चाहें तो पुरुषों जितने शानदार स्टंट कर सकती हैं। एक इवेंट में साई धनशिका ने बताया, 'मैंने पहली बार 'पेरानमाई' में एक्शन किया था और वह अनुभव आज भी मेरी मदद करता है। 'योगी दा' में हर स्टंट सीन मैंने खुद किए हैं, बिना किसी बॉडी डबल के। अगर महिलाएं मन बना लें, तो वे पुरुषों की तरह ही अच्छे स्टंट कर सकती हैं।' उन्होंने फिल्म के संदेश पर जोर देते हुए कहा, 'आज महिलाओं के खिलाफ अपराध बढ़ रहे हैं। समाज अक्सर सोचता है कि एक बार अगर कोई महिला शारीरिक रूप से घायल हो जाए, तो वह फिर कभी खड़ी नहीं हो सकती। लेकिन 'योगी दा' दिखाती है कि वह इससे उबर सकती है और मजबूत होकर वापस आ सकती है। हमने यह फिल्म महिलाओं के लिए, उनकी पूरी क्षमता दिखाने के लिए बनाई है।'

साई धनशिका ने फिल्म के टाइटल की रोचक कहानी भी साझा की। उन्होंने कहा कि 'योगी दा' का नाम सुपरस्टार रजनीकांत की फिल्म 'कबाली' से प्रेरित है। 'मैंने 'कबाली' में रजनीकांत सर की बेटी का किरदार निभाया था, जिसका नाम 'योगी' था। इसी से 'योगी दा' की शुरुआत हुई। हमने 'कबाली' के लुक और एक्शन स्टाइल में समानताएं देखीं, इसलिए यह नाम चुना। 'कबाली' के लिए मैंने असल में अपने बाल कटवाए थे, लेकिन इस फिल्म के लिए विग का इस्तेमाल किया। 'कबाली' के बाद कई महिलाओं ने मेरे किरदार से प्रेरित होकर बाल कटवाए थे। तब मुझे एहसास हुआ कि एक फिल्म लोगों पर कितना गहरा असर डाल सकती है।' एक्ट्रेस ने अपनी पूरी टीम को दिल से धन्यवाद देते हुए कहा, 'मेरी पूरी टीम को बहुत-बहुत शुक्रिया। यह आप सबके बिना संभव नहीं होता। मैं मानती हूं कि ज्यादा बोलने से बेहतर है कि काम बात करे, जो मेहनत फिल्मों में दिखती है।' 'योगी दा' एक एक्शन एंटरटेनर है, जिसे गौतम कृष्णा ने लिखा और डायरेक्ट किया है। फिल्म का निर्माण श्री मोनिका सिनी फिल्म्स के बैनर तले सेंथिलकुमार ने किया है। एक्शन से भरपूर फिल्म में साई धनशिका लीड रोल में हैं। यह फिल्म 6 फरवरी को रिलीज होने वाली है।

शक्ति शालिनी में अनीत पड्डा के साथ नजर आएंगे विशाल जेठवा

'शक्ति शालिनी' मैडॉक यूनिवर्स की मच अवेटेड फिल्म है। फिल्म में 'सैयारा' स्टार अनीत पड्डा नजर आएंगी। इस मूवी की शूटिंग मार्च में शुरू होगी। फिल्म में जबरदस्त ड्रामा और एक्शन देखने को मिलेगा। हाल ही इस फिल्म के मेल एक्टर को लेकर भी अपडेट सामने आई है। 'शक्ति शालिनी' एक फीमेल-लेड एक्शन ड्रामा फिल्म है। इंडिया टुडे की खबर के मुताबिक विशाल जेठवा ने यह फिल्म साइन कर ली है। मैडॉक यूनिवर्स की इस फिल्म में वह अनीत पड्डा के साथ नजर आएंगे। वह फिल्म में अनीत के किरदार के लवर का रोल करेंगे। 'शक्ति शालिनी' में जबरदस्त एक्शन के साथ-साथ एक पर्सनल और इमोशनल एंगल भी देखने को मिलेगा। यह फिल्म 24 दिसंबर 2026 को सिनेमाघरों में रिलीज हो सकती है। मैडॉक हॉरर-कॉमेडी यूनिवर्स आगे भी मजेदार फिल्में ला रहा है। इसी साल के अगस्त में 'भेड़िया 2' और साल के आखिर में 'चामुंडा' फिल्म भी रिलीज हो सकती है।

विशाल जेठवा का करियर फ्रंट

विशाल जेठवा ने 'होमबाउंड' और 'मर्दानी 2' जैसी फिल्मों में शानदार अभिनय किया था। उनकी फिल्म 'होमबाउंड' तो ऑस्कर 2026 में बेस्ट इंटरनेशनल फीचर फिल्म कैटिगरी में भी शॉर्टलिस्ट की गई थी। इस फिल्म में भी विशाल के अभिनय को सराहा गया था।

लंबे करियर में प्रासंगिक बने रहना ही सफलता की असली कुंजी

बदलते समय के साथ दर्शकों की पसंद बदलती रहती है, ऐसे में मनोरंजन इंडस्ट्री में बने रहना किसी भी अभिनेता के लिए आसान काम नहीं है। इस अहम मुद्दे को लेकर बॉलीवुड और टीवी के जाने-माने अभिनेता रणविजय सिंह ने आईएएनएस से बातचीत की और बताया कि कैसे उन्होंने खुद को पिछले 20 सालों में बदलते समय के अनुसार ढाला और हर दौर में दर्शकों के बीच प्रासंगिक बने रहे। आईएएनएस से बातचीत करते हुए रणविजय ने कहा, ''आज के समय में केवल एक यादगार प्रदर्शन या हिट फिल्म ही काफी नहीं रहती। दर्शक और इंडस्ट्री बदल रही है। अब लोग एल्गोरिदम और वायरल कंटेंट को ज्यादा महत्व देते हैं, लेकिन इसका मतलब यह नहीं कि यादगार काम की कोई अहमियत नहीं है। प्रासंगिक बने रहना सबसे जरूरी है। आप लगातार दर्शकों के सामने अपने काम के नए रूप दिखाते रहें और अपने प्रदर्शन को समय के अनुसार ढालें।''

उन्होंने कहा, ''जब मैं टीवी पर एडवेंचर और रियलिटी शो करता था, तब भी समय के साथ तरीका बदलता रहा। पहले जो तरीका काम करता था, अब वही तरीका पुराने जमाने जैसा लगने लगा। ऐसे में कलाकार को खुद में बदलाव करना और नए प्रयोग करना पड़ता है। यही वजह है कि मैंने हमेशा अपने काम में विविधता बनाए रखी।''

उन्होंने कहा, ''अभिनेता को कभी-कभी अलग तरह के शो करना चाहिए, जिससे दर्शक उनका नया पक्ष देखें। खुद को व्यक्त करना, नया सीखना और लगातार छोटे-छोटे कदम उठाते रहना ही लंबे समय तक सफलता बनाए रखने का रास्ता है।'' रणविजय ने कहा, 'जीवन और करियर में केवल कुछ साल की सफलता पर्याप्त नहीं होती। अक्सर लोग सोचते हैं कि जब चार या पांच साल शानदार गए, तो अब बाकी जीवन आराम से बीत जाएगा। लेकिन वास्तविकता यह है कि लंबे समय तक सफल और यादगार बने रहने के लिए लगातार मेहनत करनी पड़ती है। किसी भी अभिनेता या होस्ट को अपने करियर को 40 साल तक ध्यान में रखते हुए काम करना चाहिए।''

रणविजय ने आगे कहा, ''काम ऐसा होना चाहिए जो सही समय पर लोगों के दिल और दिमाग में जगह बना सके। चाहे वह 15 सेकेंड का सोशल मीडिया कंटेंट हो, ओटीटी शोज हों, फिल्में, शॉर्ट फिल्में, खुद लिखी हुई चीजें या यूट्यूब कंटेंट, सबकुछ करना चाहिए। इस तरह आप दर्शकों की नजर में हमेशा बने रहते हैं और अपने काम की अहमियत बनाए रखते हैं। लगातार प्रासंगिक बने रहना ही सफलता की असली कुंजी है।'' उन्होंने कहा, ''अगर आप 30-40 साल तक लगातार लोगों की कहानियों और अपनी खुद की यात्रा का हिस्सा बने रहते हैं, तो यही करियर का सबसे अच्छा मुकाम है।

अफ्शा के रोल ने मुझे इमोशनली चैलेंज किया

तृप्ति डिमरी ने कम समय में ऐसे किरदार चुने हैं, जो आसान नहीं थे। 'ओ रोमियो' में उनका किरदार बाहर से शांत, लेकिन भीतर से बेहद टूटा हुआ है। इसे लेकर उन्होंने खास बातचीत की...

तृप्ति कहती हैं 'ओ रोमियो' की शुरुआत मेरे लिए एक फोन कॉल से हुई। विशाल सर का नाम सुनते ही एक्साइटेड हो गई थी, क्योंकि उनके साथ काम करने का सपना रहा है। जब कहानी सुनी तो अपने किरदार अपशा से बहुत कनेक्ट हुई। कुछ फिल्में ऐसी होती हैं, जिनका सफर आप खत्म नहीं करना चाहते 'ओ रोमियो' मेरे लिए बिल्कुल वैसी ही रही।'

किरदार वहीं अच्छा जो चैलेंज करें, असली ग्रोथ तभी होगी

बकौल तृप्ति... 'मेरा मानना है कि जो किरदार आपको चैलेंज नहीं करता, उसमें मजा नहीं। एक एक्टर के तौर पर असली ग्रोथ वहीं से शुरू होती है। अफ्शा मेरे लिए आसान किरदार नहीं रहा। यह बहुत इंटर्नल कैरेक्टर है। उसके भीतर दर्द, गुस्सा और उदासी है, लेकिन वह सब बहर बहुत कम दिखाई देता है। इस बैलेंस को पकड़ना सबसे बड़ी चुनौती थी। अतुल मोंगिया और विशाल सर के साथ लंबे सेशन्स हुए।

शाहिद के साथ काम करके सीखा कैसे को-एक्टर को सिक्योर फील कराते हैं...

शाहिद के साथ काम करने के एक्सपीरियंस पर तृप्ति कहती हैं. वह बेहद डिसिप्लिन्ड और परफेक्शनिस्ट हैं। अगर उन्हें लगता है कि सीन और बेहतर हो सकता है, तो वह तब तक करते रहते हैं। सबसे अच्छी बात है कि वह अपने को एक्टर को बहुत सिक्योर फील कराते हैं। उनके साथ काम करते हुए बहुत कुछ सीखा। हम पहली बार रीडिंग के दौरान मिले थे। उस वक्त सबका फोकस सिर्फ स्क्रिप्ट और किरदार पर था। किसी को जज करने का सवाल ही नहीं था।' तृप्ति ने आगे 'एनिमल' पर भी कहा कि जब दर्शक किसी किरदार को इतने समय तक याद रखते हैं और दोबारा देखना चाहते हैं, तो यह बहुत बड़ी बात होती है।'

हिट-फ्लॉप से ज्यादा जरूरी यह है कि एक फिल्म से मैंने बतौर एक्टर क्या-क्या सीखा...

तृप्ति ने कहा... 'मेरे लिए हिट या फ्लॉप से ज्यादा जरूरी यह है कि मैंने एक एक्टर के तौर पर क्या सीखा। हर फिल्म आपको कुछ न कुछ सिखाती है। वही सीख आगे आपके काम आती है। बाकी मैं थोड़ी रोमांटिक भी हूं और थोड़ी रियलिस्ट भी। मुझे लगता है कि मोहब्बत में भावनाओं के साथ समझदारी भी जरूरी है। परदे पर मेरे और शाहिद के बीच दर्शकों को वह जरूर दिखेगा।' वहीं शाहिद का कहना है कि...'मेरे लिए सफलता असफलता दोनों अस्थायी हैं। अगर आप सिर्फ सफलता के पीछे भागते हैं, तो जल्दी टूट भी सकते हैं। जरूरी यह है कि आप अपने काम से जुड़े रहें और ईमानदारी रखें। वही आपको लंबे समय तक टिकाए रखेगा। बाकी प्यार जिंदगी की सबसे खूबसूरत चीज है। यह समझ, धैर्य और संवेदनशीलता भी है।'

मास और क्लास दोनों ऑडियंस को छूएगी 'ओ रोमियो'

शाहिद कहते हैं... ' विशाल भारद्वाज के साथ रिश्ता पुराना है, लेकिन मैं हर स्क्रिप्ट को बिल्कुल न्यूट्रल होकर सुनता हूं। यहां मुझे कहानी और किरदार में वह इमोशनल गहराई दिखी, जो एक एक्टर को आगे बढ़ाती है। यह फिल्म मास और क्लास, दोनों को ध्यान में रखकर कही गई है, और यही बात मुझे सबसे ज्यादा एक्साइट करती है।'

किडनी स्टोन के इन लक्षणों को न करें अनदेखा

किडनी स्टोन होने पर कुछ लोगों को यूरिन करने के दौरान ब्लीडिंग होने लगती है। इस लक्षण को हेमाट्यूरिया भी कहा जाता है। किडनी स्टोन होने पर शरीर कुछ शुरुआती संकेत देना शुरू कर देता है, जिनकी अनदेखी बिल्कुल भी नहीं करना चाहिए। किडनी स्टोरी (किडनी स्टोन) को मेडिकल भाषा में नेफ्रोलिथ या रीनल कैलकुली के नाम से भी जाना जाता है। इस बीमारी में पानी कम पीने के कारण यूरिन नली पथरी के टुकड़े बन जाते है, जिन्हें किडनी स्टोन कहा जाता है। शरीर में कैल्शियम या यूरिक एसिड की अधिकता के कारण भी किडनी स्टोन की समस्या हो सकती है।

अनियमित दिनचर्या और खानपान में लापरवाही के कारण आजकल लोग कई तरह की बीमारियों के शिकार हो जाते हैं। इसमें किडनी स्टोन की समस्या भी काफी गंभीर है। किडनी स्टोरी (किडनी स्टोन) को मेडिकल भाषा में नेफ्रोलिथ या रीनल कैलकुली के नाम से भी जाना जाता है। इस बीमारी में पानी कम पीने के कारण यूरिन नली पथरी के टुकड़े बन जाते है, जिन्हें किडनी स्टोन कहा जाता है। इसके अलावा शरीर में कैल्शियम या यूरिक एसिड की अधिकता के कारण भी किडनी स्टोन की समस्या हो सकती है। किडनी स्टोन होने पर शरीर कुछ शुरुआती संकेत देना शुरू कर देता है, जिनकी अनदेखी बिल्कुल भी नहीं करना चाहिए।

पीठ, पेट या बाजू में दर्द

यदि आपको बार-बार पसलियों के नीचे, बाजू और पीठ पर दर्द हो रहा है तो यह किडनी स्टोन होने का शुरुआती संकेत हो सकता है। किडनी स्टोन का दर्द पेट और कमर तक फैलता है।

यूरिन करते समय दर्द या जलन

कुछ लोगों को यूरिन करते समय तेज दर्द या जलन भी महसूस होती है। जब किडनी स्टोन यूरेटर और ब्लैडर के बीच पहुंच जाता है तो पेशाब करते समय अत्यधिक दर्द होने लगता है। कई बार लोग इसे यूरिनरी इन्फेक्शन समझ कर अनदेखा कर देते हैं। किडनी स्टोन होने पर बार बार बाथरूम जाने की भी जरूरत महसूस होती है।

यूरिन के दौरान ब्लीडिंग

किडनी स्टोन होने पर कुछ लोगों को यूरिन करने के दौरान ब्लीडिंग होने लगती है। इस लक्षण को हेमाट्यूरिया भी कहा जाता है। इस दौरान यूरिन में तीखी बदबू भी आती है। किडनी स्टोन होने पर मतली और उल्टी होना आम बात है।

बार-बार बुखार से साथ ठंड लगना

किडनी स्टोन होने पर बार-बार बुखार और ठंड लगने जैसे लक्षण भी दिखाई देते हैं। किडनी स्टोन के अलावा यह लक्षण अन्य गंभीर समस्याओं का भी संकेत हो सकता है। इसलिए बुखार आने के साथ तेज ठंड लगे तो तत्काल डॉक्टर से संपर्क करना चाहिए।

हल्दी से हल करें सेहत से जुड़ी ये परेशानियां

क्या आप रोजमर्रा की छोटी-मोटी समस्याओं का इलाज घर पर ही करना चाहती हैं? लेकिन आपको इस बारे में सही जानकारी नहीं है कि परेशानी होने पर किस चीज का इस्तेमाल किया जाए

जब सब्जियां काटते समय आपकी उंगली कट जाए या जब आपका बच्चा साइकिल चलाते समय गिरकर घायल हो जाता है या जब आप गार्डनिंग करते समय घायल हो जाते हैं, तो आप क्या करते हैं?

डॉक्टर के पास जाने से पहले हम जो पहला काम करते हैं, वह फर्स्ट एड लेना है। आपकी किचन में फर्स्ट एड किट की यह 1 चीज मौजूद है। अगर आप अभी तक इसके बारे में नहीं जानते हैं, तो अपना किचन कैबिनेट खोलें और इसमें रखी हल्दी का इस्तेमाल करें। हल्दी में एंटी-इंफ्लेमेटरी, एंटी-बायोटिक और हीलिंग जैसे अद्भुत गुण होते हैं, इसलिए इसे सबसे अच्छी फर्स्ट एड मेडिसिन माना जाता है। हमारे घरों में मामूली घाव, कटने, जलने और खरोंच के इलाज के लिए इसका इस्तेमाल लंबे समय से कई तरीकों से किया जा रहा है।

सर्दी-जुकाम और पेट दर्द को दूर भगाने के लिए भी आप हल्दी का इस्तेमाल कर सकते हैं। बीमारियों को दूर भगाने के लिए हल्दी का इस्तेमाल कैसे किया जा सकता है? आइए इसके बारे में आयुर्वेदिक एक्सपर्ट जीतूंचदन बता रही हैं।

एक्सपर्ट का कहना है, हल्दी कई रोगों का रामबाण इलाज है, इसलिए आपको इसे अपनी डाइट में जरूर शामिल करना चाहिए। यह लिवर को डिटॉक्स करती है और इसे अच्छी तरह से काम करने में मदद करती है। यह न्यूरोडीजेनेरेटिव डिसऑर्डर जैसे अल्जाइमर (यह समस्या तब होती है, जब तंत्रिका तंत्र में तंत्रिका कोशिकाएं समय के साथ काम करना बंद कर देती हैं) से सुरक्षा देती है। साथ ही, हल्दी डायबिटीज को कंट्रोल करती है और मेटाबॉलिज्म को मजबूत बनाती है। इसके अलावा, यह पेट से जुड़ी समस्याओं को दूर करती है।

दांतों की समस्याओं का इलाज

हल्दी एंटी-इंफ्लेमेटरी, एंटी-ऑक्सीडेंट, एंटी-माइक्रोबियल और एंटी-सेप्टिक होती है। इसकी मदद से आप दांतों की समस्याओं को दूर कर सकती हैं। हल्दी में मौजूद करक्यूमिन से मसूड़ों में सूजन और दर्द को दूर किया जा सकता है। यह दांतों से प्लैक और बैक्टीरिया हटाती है और इससे दांतों को सफेद बनाया जा सकता है। साथ ही, इनेमल की समस्या को दूर किया जा सकता है। एक चम्मच सरसों के तेल में आधा चम्मच नमक और थोड़ी सी हल्दी मिलाएं। इसे अपने दांतों और मसूड़ों पर दिन में दो बार मसाज करें।

जलने का इलाज

हल्दी में मौजूद करक्यूमिन दर्द और घाव दोनों के इलाज की सबसे अच्छी दवा है। इसमें भी एंटी-बैक्टीरियल और एंटी-इंफ्लेमेटरी के गुण पाए जाते हैं, जो जलन कम करने में मददगार होते हैं। यह औषधीय जड़ी-बूटी कटने, जलने और खरोंच के लिए एंटी-सेप्टिक के रूप में काम करती है। जलने पर तुरंत ठंडा पानी डालें, फिर चुटकी-भर हल्दी पाउडर के साथ ताजा एलोवेरा जेल को मिक्स करके लगाएं।

दर्द का इलाज

हल्दी का इस्तेमाल खाने का रंग और स्वाद बढ़ाने के साथ ही खूबसूरती बढ़ाने के लिए किया जाता है। यह सेहत के लिए भी बहुत ही फायदेमंद होती है। यह बात तो सभी जानते हैं, लेकिन क्या आप जानते हैं कि हल्दी से दर्द को भी दूर किया जा सकता है।

हल्दी में मौजूद एंटी-ऑक्सीडेंट्स शरीर के फ्री रेडिकल्स से लड़ते हैं। साथ ही इसमें एंटी-बैक्टीरियल और एंटी-फंगल गुणों के साथ प्रोटीन, विटामिन-सी, के, फाइबर, पोटैशियम, कैल्शियम, कॉपर, आयरन और जिंक मौजूद होते हैं। हल्दी में पाया जाने वाला करक्यूमिन घुटने और जोड़ों के दर्द को दूर करता है।

दर्द और सूजन को दूर करने के लिए हल्दी वाला दूध पिएं। इसके लिए 1 चम्मच हल्दी और 2 चम्मच अदरक का पाउडर मिक्स करें। फिर इस पेस्ट को दर्द वाले हिस्से पर लगाएं।

च्युइंग गम चबाने से दूर हो सकती है एसिडिटी

क्या आप भी एसिड रिफ्लक्स के कारण परेशान रहते हैं। बार-बार खट्टी डकार और सीने में जलन के कारण असहजता महसूस होती है। आपको च्युइंग गम चबाने से फायदा मिल सकता है।

एसिड रिफ्लक्स डाइजेशन से जुड़ी समस्या है। जिससे सीने में जलन होता है,खट्टी डकार आती है। दरअसल ऐसा तब होता है जब भारी भोजन करने के बाद आप तुरंत बिस्तर पर लेट जाते हैं। इस कारण पेट का एसिड भोजन नली में वापस आने लगता है। एसिड आपके अन्नप्रणाली के अंदर ऊतकों को परेशान और उत्तेजित करता है,जो आपके पेट से आपकी छाती से होते हुए आपके गले तक चला आता है। इससे काफी असहजता महसूस होती है। कभी कभी तो यह तुरंत ठीक हो जाता है लेकिन कभी कभी व्यक्ति बहुत परेशान हो जाता है। अगर आप भी एसिडिटी से ऐसे ही परेशान रहते हैं तो च्युइंग गम चबाने से आपको आराम मिल सकता है।

एसिड रिफ्लक्स के लक्षण

- हार्ट बर्न
- मुंह में खट्टे स्वाद वाला तरल पदार्थ आना
- ब्लोटिंग
- बार-बार खट्टी डकार आना
- गले में कुछ अटका हुआ महसूस होना
- बार-बार हिचकियां आना

च्युइंग गम चबाने से दूर हो सकती है एसिडिटी

- च्युइंग गम चबाने से एसिडिटी की समस्या में राहत मिल सकती है। दरअसल जब आप च्युइंग गम चबाते हैं तो इससे स्लाइवा का उत्पादन ज्यादा होता है। च्यूइंगम लार के उत्पादन को उत्तेजित करता है,जो पेट के एसिड को बेअसर करने और एसिड रिफ्लक्स के लक्षणों को कम करने में मदद कर सकता है।
- लार में बाइकार्बोनेट होता है जो नेचुरल एसिड बफर के रूप में काम करता है।
- वहीं च्युइंग गम कुछ लोगों में निगलने को प्रोत्साहित करता है। इससे इसोफेगस से एसिड साफ करने में मदद मिलती है।
- वहीं च्यूइंगम में सूदिंग इफेक्ट होता है जो एसिड रिफलक्स के कारण होने वाली असुविधा को कम करने में मदद कर सकता है। इससे जलन में राहत मिलती है।
- एक्सपर्ट की माने तो इससे जलन में राहत मिलती है। च्युइंग गम चबाने से आपकी लार अधिक क्षारीय हो जाती है जो आपके पेट में एसिड को बेअसर कर सकता है।

नुकसानदेह साबित हो सकता है दलिया का अधिक सेवन

दलिया में मौजूद हाई फाइबर और खनिज तत्वों के कारण इसका अधिक सेवन नुकसानदेह साबित हो सकता है, खासकर कुछ स्वास्थ्य परिस्थितियों में यह हानिकारक साबित होता है।

दलिया का सेवन सेहत के लिए फायदेमंद माना जाता है, खासतौर पर वजन कम करने और पाचन को दुरुस्त करने के लिए दलिया बेहद लाभकारी साबित होती है। लेकिन कहते हैं न कि अति किसी भी चीज की बुरी होती है, दलिया के अधिक सेवन पर भी यह बात लागू होती है। जी हां, अगर आप भी हेल्दी मील मानकर दलिया का अधिक से अधिक सेवन कर रहे हैं तो आपको इससे होने वाले नुकसान के बारे में भी जान लेना चाहिए।

दलिया में कई तरह के विटामिन और खनिज तत्वों के साथ ही हाई फाइबर पाए जाते हैं, जिसके चलते ये सेहत के लिए लाभकारी मानी जाती है। पर इसमें मौजूद हाई फाइबर के कारण इसका अधिक सेवन नुकसानदेह साबित हो सकता है।

पेट की समस्याएं

दलिया के अधिक सेवन करने से पेट में गैस, दर्द और ऐंठन की समस्या हो सकती है। ऐसे में जिस लोगों को पेट की समस्याएं होती हैं, उनके लिए दलिया का अधिक सेवन हानिकारक साबित हो सकती है। इसके कारण आंत में सूजन की समस्या हो सकती है।

शरीर में सूजन

हाई फाइबर की मौजूदगी के कारण दलिया के अधिक सेवन से शरीर में सूजन की समस्या हो सकती है। इसके अलावा आवश्यकता से अधिक दलिया खाने से दस्त और उल्टी जैसी दिक्कतें भी पेश आ सकती हैं। इसलिए इनसे बचने के लिए जरूरी है कि दलिया का सेवन सीमित मात्रा में किया जाए। हेल्थ एक्सपर्ट बताते हैं कि हर रोज 85 से 200 ग्राम के लगभग दलिया का सेवन किया जा सकता है। हालांकि व्यक्ति विशेष की शारीरिक परिस्थिति के अनुसार इसकी मात्रा अलग हो सकती है, जिसके बारे में उचित सलाह डॉक्टर शारीरिक परिक्षण के आधार पर दे सकते हैं। इसलिए अगर आपको किसी तरह की शारीरिक समस्या है तो आप इस बारे चिकित्सकीय सलाह ले सकते हैं। वहीं दलिया खाने से होने वाले नुकसान से बचने के लिए जरूरी है कि इसके दिन के मुख्य भोजन में शामिल करने के बजाय सुबह के नाश्ते में इसका सेवन करें। इससे दलिया का पूरा पोषण शरीर को मिलेगा, साथ इसका दुष्प्रभाव भी कम होगा।

किडनी संबंधी रोग

दलिया में फास्फोरस जैसा खनिज तत्व काफी अधिक मात्रा में पाया जाता है, जो किडनी की सेहत पर नकारात्मक प्रभाव डालता है। ऐसे में जिन लोगों को किडनी संबंधी समस्या है उन्हे दलिया का सेवन सीमित मात्रा में करना चाहिए।

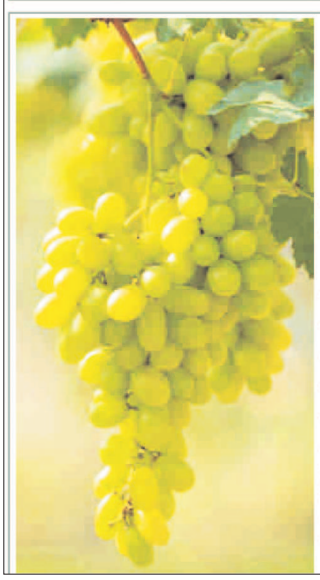

इन वजहों से आपको रोज खाने चाहिए अंगूर

सर्दियों में मिलने वाला अंगूर टेस्टी ही नहीं, बल्कि सेहतमंद भी होता है। आयुर्वेद में भी इसके गुणों को माना गया है। इसे रोज डाइट में शामिल कर आपको कई फायदे मिल सकते हैं।

फल और सब्जियां सेहत के लिए बहुत फायदेमंद होती हैं। इनमें मौजूद गुण डाइजेशन, स्किन, दिल और भी कई चीजों के लिए लाभकारी होते हैं। इसलिए, हमेशा डाइट में इन्हें शामिल करने की सलाह दी जाती है।

खासकर, मौसमी फल और सब्जियां आपको कई तरह से फायदा पहुंचा सकते हैं। एक्सपर्ट के मुताबिक, दिन में एक मौसमी सब्जी और फल को जरूर खाना चाहिए। सर्दियों में मिलने वाला अंगूर टेस्टी ही नहीं, बल्कि सेहतमंद भी होता है। आयुर्वेद में भी इसके गुणों को माना गया है। इसे रोज डाइट में शामिल कर आपको कई फायदे मिल सकते हैं। अंगूर खट्टे-मीठे होते हैं और इसके टेस्ट के हिसाब से इसका शरीर में मौजूद तीनों दोषों पर अलग-अलग असर होता है।

- एक्सपर्ट का कहना है कि आपको मीठे अंगूर खाने चाहिए क्योंकि ये वात और पित्त दोष को बैलेंस करते हैं। वहीं, खट्टे अंगूर कफ और पित्त दोष को बढ़ाते हैं।
- अंगूर में लैक्सेटिव गुण पाए जाते हैं। ये बाउल मूवमेंट को आराम देने में मदद करते हैं।
- ये आंखों के लिए भी बहुत अच्छे होते हैं औ शरीर को पोषण देते हैं।
- अंगूर में विटामिन ए, विटामिन सी, विटामिन के, विटामिन बी 1, कैल्शियम पाया जाता है।
- अंगूर में ऐफडिजीऐक गुण भी पाए जाते हैं। ये सेक्सुअल हेल्थ (सेक्स लाइफ के लिए जरूरी विटामिन्सम) के लिए भी अच्छे होते हैं।
- अंगूर में विटामिन, मिनरल्स और एंटीऑक्सीडेंट पाए जाते हैं। सर्दियों में अक्सर पानी की कमी हो जाती है, इसलिए ये शरीर को अंदर से हाइड्रेशन देते हैं।
- आयुर्वेद की कई दवाईयों में भी सूखे अंगूरों का इस्तेमाल होता है।
- ये दिमाग को भी आराम देते हैं और मेमोरी को बूस्ट करने में मदद करते हैं।
- सूखी हुई अंगूर यानी किशमिश भी सेहत के लिए फायदेमंद होती है।

कॉफी ही नहीं इन चीज़ों से भी मिलती है इंस्टेंट एनर्जी

ज्यादा काम करने से कई बार शरीर में थकान आ जाती है। ऊर्जा की कमी हो जाती है। शरीर में ताजगी बनाए रखने के लिए लोग अक्सर चाय या कॉफी पर डिपेंड रहते हैं। दिन भर में 3 से 4 कप कॉफी पी लेते हैं, लेकिन जरूरत से ज्यादा कैफीन का सेवन करने से आपको दिक्कत हो सकती है। इसके कारण नींद संबंधी समस्याएं भी हो जाती है। ऐसे में आप इंस्टेंट एनर्जी पाने के लिए कॉफी की जगह पर एक्सपर्ट के बताए इन चीजों का सेवन कर सकते हैं। इससे एनर्जी भी मिलती है और शरीर को काफी फायदा भी पहुंचता है। इस बारे में हेल्थ एक्सपर्ट रिचा दोषी जानकारी दे रही हैं।

इंस्टेंट एनर्जी देते हैं ये खाद्य पदार्थ

खजूर - इंस्टेंट एनर्जी के लिए आप खजूर का सेवन कर सकते हैं। इसमें नेचुरल ग्लूकोज,फक्टोज और सुक्रोज पाया जाता है जिससे आपको तुरंत एनर्जी मिलती है। इसकी उच्च फाइबर और कार्बोहाइड्रेट सामग्री से एनर्जी का बढ़िया स्रोत बनाती है। इसमें आयरन होता है जो शरीर में सही ब्लड सर्कुलेशन को बढ़ावा देता है।

केला - केले को एनर्जी का पावर हाउस कहा जाता है। इसे खाने से आपको इंस्टेंट एनर्जी मिलती है। इसमें विटामिन,खनिज और अच्छे कार्बस हैं जो आप को तुरंत ऊर्जा देते हैं। इसमें मौजूद पोटेशियम मांसपेशियों को रिलैक्स करता है। इसमें मौजूद मैग्नीशियम दिमाग को रिलैक्स करता है और ब्रेन फंक्शन को बढ़ावा मिलता है। ऐसे में आपको कभी भी कमजोरी या एनर्जी की कमी महसूस हो आप केले के सेवन से फायदा पा सकते हैं।

दही, बीज और किशमिश - एक्सपर्ट के मुताबिक दही में सीड्स और किशमिश डालकर खाने से भी तुरंत ऊर्जा मिलती है। किशमिश आयरन,फाइबर और कैल्शियम से भरपूर होता है। वहीं दही में भी फाइबर,कैल्शियम और एंटीऑक्सीडेंट होता है। बीज में आप कद्दू,सूरजमुखी या अलसी के बीज मिला सकते हैं। इससे मेटाबॉलिज्म तेज होता है। कुल मिलाकर ये कॉम्बिनेशन एनर्जी का बेहतरीन स्रोत माना जाता है।

झारखंड के किसानों ने छत्तीसगढ़ में सीखीं उन्नत कृषि की तकनीकें

नई दृष्टिबिंदु / दुर्ग

झारखंड के रांची जिले के किसानों के दल ने छत्तीसगढ़ के दुर्ग जिले का अंतर-राज्यीय भ्रमण किया। इस दौरान किसानों ने जलवायु परिवर्तन के दौर में खेती को लाभप्रद बनाने वाली आधुनिक तकनीकों और नवाचारों का प्रत्यक्ष अवलोकन किया।

भ्रमण के दौरान किसानों ने पाटन ब्लॉक के ग्राम करगा का दौरा किया। यहाँ उन्होंने विशेष रूप से बिना जुताई के गेहूं की खेती और भीषण गर्मी को सहन करने वाली गेहूं की उन्नत किस्म कनिष्का के प्रदर्शनों को देखा। दल ने असिंचित क्षेत्रों में धान की कटाई के बाद खेत की नमी का उपयोग कर उतेरा तकनीक से तिवड़ा की खेती और मेड़ पर कम दिनों वाली राजेश्वरी फूले अरहर की खेती का भी बारीकी से निरीक्षण किया। किसानों ने स्थानीय प्रगतिशील कृषकों से सीधा संवाद कर इन तकनीकों से होने वाले आर्थिक लाभ और कम लागत के अनुभवों को साझा किया। इसके पश्चात कृषक दल ने कृषि विज्ञान केंद्र, पाहंदा (अ) का भ्रमण किया। यहाँ वैज्ञानिकों ने उन्हें धनिया, तिवड़ा, चना, सरसों और हल्दी की वैज्ञानिक खेती के गुर सिखाए। किसानों ने विशेष रूप से कम लागत वाली वर्मीकम्पोस्ट तकनीक, बीज उत्पादन और उद्यानिकी नर्सरी प्रबंधन में गहरी रुचि दिखाई। झारखंड के किसानों ने इस भ्रमण को अत्यंत ज्ञानवर्धक बताते हुए कहा कि वे यहाँ सीखी गई तकनीकों को अपने क्षेत्रों में भी लागू करेंगे।

इस भ्रमण कार्यक्रम में झारखंड कृषि विभाग से अधिकारी विकास कुमार उपस्थित रहे। तकनीकी मार्गदर्शन के लिए कृषि विज्ञान केन्द्र के वरिष्ठ वैज्ञानिक एवं प्रमुख डॉ. विजय जैन, डॉ. कमल नारायण वर्मा, डॉ. ललिता रामटेके, डॉ. आरती टिकरिहा, श्रीमती सृष्टि तिवारी और कु. हर्षना चंद्राकर ने किसानों को विस्तार से जानकारी प्रदान की।

खास खबर

धमतरी सड़क दुर्घटना में कोबरा बटालियन के जवानों के निधन पर मुख्यमंत्री ने जताया गहरा शोक

नई दृष्टिबिंदु / रायपुर

मुख्यमंत्री विष्णु देव साय ने आज धमतरी में हुए सड़क हादसे में कोबरा बटालियन के वीर जवानों के असामयिक निधन पर गहरा शोक व्यक्त किया है। उन्होंने कहा कि राष्ट्रसेवा में समर्पित हमारे जांबाज जवानों का निधन अत्यंत हृदयविदारक है और यह क्षति अपूरणीय है।

मुख्यमंत्री साय ने दिवंगत जवानों को विनम्र श्रद्धांजलि अर्पित करते हुए कहा कि देश की आंतरिक सुरक्षा और शांति व्यवस्था बनाए रखने में कोबरा बटालियन के जवानों की भूमिका सदैव महत्वपूर्ण रही है। मुख्यमंत्री ने शोकाकुल परिजनों के प्रति अपनी गहरी संवेदना व्यक्त करते हुए कहा कि इस दुख की घड़ी में राज्य सरकार पूरी संवेदनशीलता और प्रतिबद्धता के साथ प्रभावित परिवारों के साथ खड़ी है।

मुख्यमंत्री श्री साय ने ईश्वर से दिवंगत आत्माओं की शांति तथा घायल जवान के शीघ्र स्वास्थ्य लाभ की कामना की है। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार हर आवश्यक सहयोग प्रदान करने के लिए प्रतिबद्ध है। उन्होंने संबंधित अधिकारियों को घायल जवान के समुचित उपचार की व्यवस्था सुनिश्चित करने के निर्देश दिए हैं।

अधूरे रोड का अब होगा निर्माण, पार्षद प्रियंका भोला ने किया भूमिपूजन

नई दृष्टिबिंदु / भिलाई

वार्ड क्रमांक 31 सुंदर नगर शारदा पारा तालाब के पास कई सालों से जो रोड अधूरा था आज उस रोड का पार्षद प्रियंका भोला साहू जी द्वारा भूमि पूजन किया गया। जिसमें मुख्य रूप से भारतीय जनता पार्टी जिला भिलाई के उपाध्यक्ष त्रिलोचन सिंह, प्रवक्ता विजय सिंह, मंडल के अध्यक्ष तरुण सिंह, निवर्तमान अध्यक्ष अशोक गुप्ता जोन-3 अध्यक्ष जलंधर सिंह, महामंत्री लेटल यादव, पार्षद प्रतिनिधि संतोषी पारा, धनराजू, पार्षद प्रतिनिधि भोला साहू, युवा मोर्चा अध्यक्ष नवीन सिंह उपस्थित रहे।

सड़क हादसे में युवती की मौत

भिलाई। नेशनल हाईवे पर सड़क हादसे में युवती की मौके पर ही मौत हो गई। जबकि युवक गंभीर रूप से घायल हो गया। यह हादसा रायपुर से भिलाई आने वाले मार्ग पर चरोदा जीआरपी चौकी के पास रात करीब 10 से 11 बजे के बीच हुआ। युवती की पहचान 27 वर्षीय गुंजा चतुर्वेदी के रूप में हुई है। वह सुभाष मार्केट, जोन-2, वार्ड 31, बापू नगर खुर्सीपर की रहने वाली थी। 41 वर्षीय दीपक मोंगराज गंभीर रूप से घायल है। जो ओडिया मोहल्ला, वार्ड 33, खुर्सीपार भिलाई के रहने वाला है। उनकी हालत नाजुक बताई जा रही है। जानकारी के अनुसार युवक और युवती रायपुर की ओर से भिलाई आ रहे थे। प्रत्यक्षदर्शियों के मुताबिक, हादसा तेज रफ्तार और वाहन के अनियंत्रित होने के कारण हुआ। इसी दौरान एक ट्रक ने बाइक सवार युवक-युवती को चपेट में ले लिया। घटना भिलाई-3 थाना क्षेत्र की है। इधर, घटना की सूचना मिलते ही भिलाई-3 थाना पुलिस मौके पर पहुंची और शव का पंचनामा कर पोस्टमार्टम के लिए भिजवाया।

सरगुजा की संस्कृति और अस्मिता को मिलेगी व्यापक पहचान: मुख्यमंत्री साय

मुख्यमंत्री ने तीन दिवसीय मैनपाट महोत्सव का किया शुभारंभ

नई दृष्टिबिंदु / रायपुर

मुख्यमंत्री विष्णु देव साय ने सरगुजा जिले के मैनपाट में आयोजित तीन दिवसीय मैनपाट महोत्सव का शुभारंभ किया। समारोह में उन्होंने सभी को मैनपाट महोत्सव की बधाई एवं शुभकामनाएं दीं। मुख्यमंत्री साय ने इस दौरान मैनपाट में पर्यटन के विकास हेतु 1 करोड़ रुपए तथा सीतापुर में सर्व सुविधायुक्त बस स्टैंड के निर्माण हेतु घोषणा भी की। मुख्यमंत्री विष्णु देव साय ने सरगुजा जिले में 523 करोड़ 20 लाख 53 हजार रूपए की राशि के 109 विकास कार्यों की सौगात दी। उन्होंने समारोह को संबोधित करते हुए कहा कि सरगुजा की संस्कृति, अस्मिता को दिखाने का एक महत्वपूर्ण माध्यम है यह समारोह। इस महोत्सव से यहां की संस्कृति से देश-दुनिया परिचित होंगे। बाहर से आने वाले एवं स्थानीय कलाकारों को भी मंच मिलेगा और अपनी प्रतिभा को प्रदर्शित करने का अवसर मिलेगा।

उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का मूलमंत्र सबका साथ, सबका विकास, सबका विश्वास और सबका प्रयास है। उनके विकसित भारत के संकल्प को पूरा करने के लिए हम लोग विकसित छत्तीसगढ़ बनाने का संकल्प लिए हैं। महतारी वंदन योजना के तहत 70 लाख से ज्यादा माताओं-बहनों के खाते में एक हजार हर महीने आता है, 15 हजार करोड़ से ज्यादा रुपए उनके खाते में जा चुका है। आप लोगों ने देखा है कि 2 साल में यशस्वी प्रधानमंत्री एवं गृह मंत्री के आशीर्वाद के कारण उनके दृढ़ इच्छा शक्ति के कारण यह क्षेत्र नक्सवाद से मुक्त हो रहा है। मैं अपने प्रदेश के जवानों के साहस को नमन करता हूं।

कार्यक्रम में मुख्यमंत्री विष्णु देव साय का तिब्बती बंधुओं द्वारा तिब्बती संस्कृति पर आधारित ताशी शोपा नृत्य के साथ आत्मीय स्वागत किया गया। मुख्यमंत्री श्री साय ने विभिन्न विभागों द्वारा लगाए गए स्टालों का अवलोकन किया तथा शासन की विभिन्न जनकल्याणकारी योजनाओं से पात्र हितग्राहियों को हितग्राहीमूलक सामग्रियों का वितरण किया। इस अवसर पर स्थानीय कलाकारों द्वारा सांस्कृतिक प्रस्तुतियां दी गईं।

पर्यटन मंत्री राजेश अग्रवाल ने कार्यक्रम को संबोधित करते हुए कहा कि मुख्यमंत्री विष्णु देव साय के नेतृत्व में प्रदेश में पर्यटन के क्षेत्र में निरंतर विकास हो रहा है। राज्य सरकार पर्यटन स्थलों के समग्र विकास, आधारभूत संरचना के सुदृढ़ीकरण और नई संभावनाओं के सृजन की दिशा में गंभीरता से कार्य कर रही है। उन्होंने कहा कि मैनपाट जैसे प्राकृतिक सौंदर्य से परिपूर्ण स्थल पर पर्यटकों की बढ़ती आवाजाही से स्थानीय युवाओं और महिलाओं को स्वरोजगार के नए अवसर प्राप्त हो रहे हैं।

विधायक राम कुमार टोप्पो ने कार्यक्रम को संबोधित करते हुए कहा कि आज का दिन केवल एक उत्सव का शुभारंभ नहीं, बल्कि हमारी समृद्ध संस्कृति, परंपराओं और प्रकृति के प्रति प्रेम का महोत्सव है। मैनपाट महोत्सव जन-गौरव का उत्सव है, जहां प्रकृति ने स्वयं इस धरती को अद्भुत सौंदर्य से सजाया है। विधायक प्रबोध मिंज ने कार्यक्रम को संबोधित करते हुए कहा कि मैनपाट महोत्सव के शुभारंभ अवसर पर आज क्षेत्र के विकास हेतु 500 करोड़ रुपये से अधिक के विकास कार्यों की सौगात मिली है। इन कार्यों से मैनपाट में आधारभूत सुविधाओं का विस्तार होगा तथा पर्यटन गतिविधियों को नई गति मिलेगी।

नाबालिग से सामूहिक दुष्कर्म प्रकरण में सात आरोपी हुए गिरफ्तार

नई दृष्टिबिंदु / भिलाई

30 जनवरी 2026 को पीड़िता द्वारा अपनी माता के साथ महिला थाना दुर्ग में लिखित आवेदन प्रस्तुत किया गया। आवेदन के अनुसार अप्रैल 2018 से अक्टूबर 2025 के मध्य, पीड़िता के नाबालिग होने की जानकारी होते हुए विभिन्न आरोपियों द्वारा उसके साथ दुष्कर्म एवं सामूहिक दुष्कर्म की घटनाएं कारित की गईं।

प्राप्त आवेदन पर महिला थाना के अपराध क्रमांक 10/2026 में धारा 65(1), 70(1), 70(2), 351(3), 61(2) भारतीय न्याय संहिता (BNS), धारा 376(2)(n), 376(DA) भा.दं.सं., लैंगिक अपराधों से बालकों का संरक्षण अधिनियम (POCSO Act) की धारा 6, 12 तथा अनुसूचित जाति एवं अनुसूचित जनजाति (अत्याचार निवारण) अधिनियम की धारा 3(2)(५) के अंतर्गत अपराध पंजीबद्ध कर विवेचना में लिया गया।

विवेचना के दौरान पूर्व में 04 आरोपियों को गिरफ्तार किया गया था। पुलिस की सतत दबिश एवं दबाव के फलस्वरूप फरार आरोपी संजय पंडित एवं बी.एन. पांडेय द्वारा आज 13.फरवरी.26 को न्यायालय में समर्पण किया गया। न्यायालय से पुलिस रिमांड प्राप्त कर आरोपियों से विस्तृत पूछताछ की जा रही है।

आरोपी अमित वर्मा को 12फरवरी 2026 को विधिवत गिरफ्तार कर न्यायिक रिमांड पर भेजा गया है। प्रकरण में अब तक कुल 07 आरोपी गिरफ्तार किए जा चुके हैं। प्रकरण की विवेचना प्रचलित है। आरोपी में विजय स्वाइन उम्र 47 वर्ष, निवासी दुर्ग नगर पश्चिम, भिलाई (गिरफ्तार) अनिल चौधरी 60 वर्ष, निवासी जोन-01, खुर्सीपार (गिरफ्तार) गोविंद सिंह नागवंशी, उम्र 62 वर्ष, निवासी चौकड़िया पारा, जिला राजनांदगांव (गिरफ्तार) कृपा शंकर उर्फ राजू कश्यप, 58 वर्ष सेक्टर 5 (गिरफ्तार), अमित वर्मा, 47 वर्ष, निवासी सेक्टर-10, भिलाई, जिला दुर्ग (गिरफ्तार), संजय पंडित 42 वर्ष, निवासी शांति नगर, थाना वैशाली नगर, जिला दुर्ग (न्यायालय में समर्पण उपरांत गिरफ्तार), बी.एन. पांडेय, 65 वर्ष, निवासी गणपति विहार कॉलोनी, थाना पदमनाभपुर, जिला दुर्ग (न्यायालय में समर्पण उपरांत गिरफ्तार) किया गया है। जप्त सामग्री विवेचना के दौरान प्राप्त इलेक्ट्रॉनिक उपकरण, दस्तावेज एवं अन्य साक्ष्य (जांचाधीन) है।

साइबर सेल अधिकारियों ने साइबर सुरक्षा पर परामर्श सत्र में छात्रों को किया जागरूक

नई दृष्टिबिंदु / भिलाई

हेरिटेज इंटरनेशनल पब्लिक स्कूल, दुर्ग में साइबर अपराध को रोकने एवं छात्रों को इंटरनेट के सुरक्षित उपयोग के प्रति जागरूक करने के उद्देश्य से एक विशेष कार्यक्रम आयोजित किया गया। इस कार्यक्रम में साइबर पुलिस ने विद्यालय का दौरा किया और बच्चों को साइबर सुरक्षा से संबंधित महत्वपूर्ण जानकारी प्रदान की।

कार्यक्रम की शुरुआत विद्यालय के निदेशक (इंफ्रास्ट्रक्चर) बृजमोहन उपाध्याय के स्वागत उद्बोधन से हुई, उन्होंने समझाया कि तेजी से बढ़ते ऑनलाइन उपयोग के कारण साइबर अपराधों में वृद्धि हो रही है, इसलिए छात्रों का सतर्क और जागरूक होना अत्यंत आवश्यक है।

कार्यक्रम के दौरान डॉ. संकल्प राय (इंस्पेक्टर साइबर एक्सपर्ट) ने बच्चों को विभिन्न प्रकार के साइबर अपराधों जैसेझ ऑनलाइन धोखाधड़ी, पहचान की चोरी, साइबर बुलिंग, फर्जी अकाउंट, सोशल मीडिया का दुरुपयोग तथा अनैतिक ऑनलाइन गतिविधियों के बारे में विस्तार से बताया। उन्होंने ऐसे अपराधों के कानूनी परिणामों के बारे में भी जागरूक किया। अधिकारी ने विभिन्न प्रकार के साइबर अपराधों जैसे— ऑनलाइन ठगी, पहचान की चोरी, साइबर बुलिंग, फर्जी प्रोफाइल, पासवर्ड हैकिंग, सोशल मीडिया के दुरुपयोग के बारे में सरल और स्पष्ट उदाहरणों के साथ जानकारी दी।

इसके साथ ही उन्होंने बच्चों को साइबर सुरक्षा से जुड़े कुछ आवश्यक नियमों का पालन करने की सलाह दी, जैसे— किसी भी प्रकार की व्यक्तिगत जानकारी, पासवर्ड या OTP किसी से भी साझा न करना। अनजान लिंक, मैसेज या कॉल पर क्लिक न करना। सोशल मीडिया पर मर्यादा और सावधानी के साथ व्यवहार करना। किसी भी संदिग्ध गतिविधि को तुरंत माता-पिता, शिक्षक या साइबर पुलिस को बताना।मजबूत पासवर्ड बनाने और दो-स्तरीय सत्यापन का उपयोग करने की आदत विकसित करना।

भौतिक और साइबर अपराध दोनों में साक्ष्य की आवश्यकता होती है। अंतर केवल इतना है कि भौतिक अपराध में साक्ष्य दृश्य और प्रत्यक्ष होते हैं, जबकि साइबर अपराध में साक्ष्य डिजिटल माध्यम से प्राप्त किए जाते हैं। साइबर सुरक्षा विशेषज्ञ तकनीकी उपकरणों और सॉफ्टवेयर की सहायता से अपराधी की पहचान करने और उसके विरुद्ध प्रमाण एकत्र करने में सक्षम होते हैं।साइबर सुरक्षा के माध्यम से प्राप्त जानकारी के आधार पर अपराधियों के विरुद्ध प्रभावी कार्यवाही की जा सकती है।

विद्यार्थियों को सुरक्षित इंटरनेट उपयोग, व्यक्तिगत जानकारी की सुरक्षा तथा साइबर अपराधों की शिकायत दर्ज कराने के तरीकों के बारे में मार्गदर्शन दिया गया। इस अवसर पर एक संवादात्मक प्रश्नोत्तर सत्र भी आयोजित किया गया। सत्र के दौरान छात्रों ने सक्रिय रूप से भाग लिया व अधिकारी से साइबर सुरक्षा से संबंधित कई प्रश्न पूछे। साइबर पुलिस ने हर प्रश्न का विस्तार से उत्तर दिया तथा वास्तविक मामलों के उदाहरणों के माध्यम से समझाया कि किस प्रकार सतकर्ता अपनाकर साइबर अपराधों से स्वयं को सुरक्षित रखा जा सकता है।

अधिकारियों ने साइबर अपराधों के कानूनी परिणामों पर भी प्रकाश डाला और तकनीक के नैतिक एवं जिम्मेदार उपयोग पर विशेष बल दिया। वास्तविक जीवन के उदाहरणों के माध्यम से विद्यार्थियों को समझाया गया कि ऑनलाइन की गई छोटी-सी गलती भी गंभीर परिणाम ला सकती है।

संयुक्त सचिव उमाकांत मिश्रा ने कहा - कार्यक्रम का उद्देश्य छात्रों को डिजिटल दुनिया में सुरक्षित रहने हेतु आवश्यक ज्ञान और आत्मविश्वास प्रदान करना था, जो पूर्णतः सफल रहा। बच्चों ने न केवल नई जानकारी प्राप्त की बल्कि स्वयं जिम्मेदार डिजिटल नागरिक बनने का संकल्प भी लिया।

विद्यालय प्रबंधन समिति के बृजमोहन उपाध्याय, संयुक्त सचिव उमाकांत मिश्रा, डायरेक्टर ऐकडेमिक एवं प्राचार्या श्रीमती दीप्ति तिवारी ने साइबर सेल अधिकारियों के प्रयासों की सराहना करते हुए विद्यार्थियों में जागरूकता फैलाने हेतु उनका आभार व्यक्त किया। सत्र का समापन विद्यार्थियों को जिम्मेदार डिजिटल नागरिक बनने और किसी भी संदिग्ध ऑनलाइन गतिविधि की तुरंत सूचना देने के संदेश के साथ हुआ।ऐसे जागरूकता कार्यक्रम विद्यार्थियों को डिजिटल दुनिया में सुरक्षित और आत्मविश्वास के साथ आगे बढ़ने के लिए तैयार करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं।

अंत में ऐकडेमिक कोऑर्डिनेटर श्रीमती हरबिंदर कौर संधु, वेदप्रकाश बाजपेई ने साइबर पुलिस का धन्यवाद करते हुए कहा कि ऐसे कार्यक्रम बच्चों के समग्र विकास और डिजिटल सुरक्षा के लिए अत्यंत महत्वपूर्ण हैं। कार्यक्रम सफलतापूर्वक संपन्न हुआ और सभी छात्रों ने इससे बहुत लाभ प्राप्त किया।

समारोह 15 कर्मचारियों को किया गया सम्मानित

चिकित्सा विभाग में 'सेल शाबाश योजना' का हुआ शुभारंभ

नई दृष्टिबिंदु / भिलाई

सेल- भिलाई इस्पात संयंत्र के चिकित्सा एवं स्वास्थ्य सेवाएं विभाग में मुख्य चिकित्सा अधिकारी (चिकित्सा एवं स्वास्थ्य सेवाएं) डॉ. उदय कुमार के नेतृत्व में कमर्चारी प्रोत्साहन की दिशा में एक महत्वपूर्ण एवं प्रेरक पहल के रूप में 'सेल शाबाश योजना' के अंतर्गत पुरस्कार वितरण समारोह का आयोजन किया गया। वर्ष 2023 में इस योजना की शुरुआत के पश्चात यह प्रथम अवसर है जब इसे चिकित्सा विभाग में प्रभावी रूप से लागू किया गया।

इस अवसर पर स्वास्थ्य सेवाओं में उत्कृष्ट प्रदर्शन, कर्तव्यनिष्ठा एवं समर्पण का परिचय देने वाले 15 अनुकरणीय कार्यपालक एवं गैर-कार्यपालक कमर्चारियों को सम्मानित किया गया। अपने संबोधन में मुख्य चिकित्सा अधिकारी (चिकित्सा एवं स्वास्थ्य सेवाएं) डॉ. उदय कुमार ने कहा कि यह पहल स्वास्थ्य सेवा के उच्च मानकों को प्रोत्साहित करने तथा उत्कृष्ट कार्यसंस्कृति को सुदृढ़ करने की दिशा में सेल की प्रतिबद्धता को प्रदर्शित करती है। उन्होंने कहा कि इस प्रकार की मान्यता कमर्चारियों को उत्कृष्टता एवं व्यावसायिक गौरव की ओर प्रेरित करती है।

श्रेणी-1 के अंतर्गत सम्मानित कमर्चारियों चिकित्सा एवं स्वास्थ्य सेवाएं विभाग के सहायक मुख्य चिकित्सा अधिकारी डॉ. शेख आर. इलाही, चिकित्सा अधिकारी डॉ. सिरिकी धीरज, सहायक प्रबंधक सुनीता साहू, स्टाफ नर्स संदीप कुमार, स्टाफ नर्स शोभना नायर, जूनियर एमटी पी.आर. जयभास्कर, एमटीए बलराम साहू, जूनियर स्टाफ नर्स दीनदयाल जोगी, एमटीए शिव कुमार तथा एच.ए. मकुसदन सम्मिलित रहे।

श्रेणी-2 के अंतर्गत उप मुख्य चिकित्सा अधिकारी डॉ. एम.के. डहरवाल, उप मुख्य चिकित्सा अधिकारी डॉ. तनुजा आनंद, उप प्रबंधक बी.एच. वेंकट नरसिम्हम, स्टाफ एसोसिएट दीपक उपलांचीवार तथा एम. ओसीटी डी. जगपति राव को सम्मानित किया गया। इसके अतिरिक्त कार्मिक विवाह उपहार योजना के अंतर्गत मुख्य चिकित्सा अधिकारी डॉ. उदय कुमार द्वारा नवविवाहित कमर्चारियों—डॉ. लोचन कुमार साहू, डॉ. सुलभ साहू तथा अमित कुमार मीणा (जूनियर स्टाफ नर्स) को वैवाहिक उपहार प्रदान किए गए। विशेष सम्मान के अंतर्गत गणतंत्र दिवस समारोह में उत्कृष्ट प्रस्तुति हेतु डॉ. अनिरुद्ध मेने को शॉल एवं स्मृति चिन्ह प्रदान कर सम्मानित किया गया। इस कार्यक्रम में महाप्रबंधक (चिकित्सा एवं स्वास्थ्य सेवाएं) शाहिद अहमद, विभिन्न विभागाध्यक्षगण, डॉ. अनिरुद्ध मेने, डॉ. संतोष नशीने, सुश्री शैला अब्राहम (डिप्टी मैनेजर, नर्सिंग प्रशासन) तथा सुश्री शीबा थॉमस (एचआरझमेडिकल) सहित अन्य अधिकारीगण उपस्थित थे।

बधाई और शुभकामनाएं

भिलाई। नेहरू नगर, भिलाई में डॉ. अनिल शुक्ला के नव-निर्मित मकान के गृहप्रवेश कार्यक्रम में हैवी ट्रांसपोर्ट कंपनी के डायरेक्टर एवं सर्व समाज कल्याण समिति के अध्यक्ष इंद्रजीत सिंह सम्मिलित हुए। इस अवसर पर उन्होंने परिवारजनों को नए गृह के लिए हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएं प्रेषित करते हुए भगवान से सुख-समृद्धि, स्वास्थ्य एवं खुशहाली की मंगलकामना की। इस मौके पर मलकीत सिंह लल्लू और न्यू प्रेस क्लब भिलाई के महासचिव खिलावन सिंह चौहान विशेष रूप से उपस्थित थे।

पीआरजीआई सं.-CTHIN/25/A3746 यह हिंदी सांध्य दैनिक समाचार पत्र नई दृष्टिबिंद स्वामी एवं प्रकाशक आलोक तिवारी द्वारा समय दर्शन प्रिंटर्स एंड पब्लिशर्स द्वारा प्लॉट नं. 339/6, गली नं. 02, पाटन, थाना उतई, दुर्ग, (छ.ग.)-491111 से मुद्रित करवा कर। 80/बी, मैत्री विहार, राधिका नगर, सुपेला, भिलाई, जिला दुर्ग, (छत्तीसगढ़)-490023 से प्रकाशित संपादक आलोक तिवारी मो. 7415469100 (समाचार चयन के लिए पीआरबी एक्ट के तहत जिम्मेदार), समस्त विवादों का निपटारण न्यायालयीन क्षेत्र दुर्ग होगा।